

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति, छत्तीसगढ़

भारत सरकार

पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

पर्यावरण भवन, लोकटर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छ.ग.)

E-mail : seaccg@gmail.com

विषय— राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एस.ई.ए.सी.), छत्तीसगढ़ की दिनांक 08/04/2024 को संघन 623वीं बैठक का कार्यवाही विवरण

—oo—

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एस.ई.ए.सी.), छत्तीसगढ़ की 623वीं बैठक दिनांक 08/04/2024 को डॉ. की.पी. नोडारे, अध्यक्ष, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति की उपसतत में संघन हुई। बैठक में समिति के निम्नलिखित सदस्यों ने भाग लिया—

- डॉ. शीलेश कुमार जास्त, सदस्य, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति
- श्री एन.के. चन्द्राकर सदस्य, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति
- श्री डिज्जन टिंह धुर, सदस्य, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति
- डॉ. मनोज कुमार चौधकर, सदस्य, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति
- श्री कलदियुस शिक्षी, सदस्य सचिव, राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति समिति द्वारा एजेंटों में समिलित विकारों पर निम्ननुसार विचार किया गया—

एजेंटों आयटम छमांक-1: 621वीं एवं 622वीं बैठक क्रमशः दिनांक 27/03/2024 एवं 28/03/2024 के कार्यवाही विवरण के अनुसूचन के संबंध में।

राज्य स्तरीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (एस.ई.ए.सी.), छत्तीसगढ़ ने 621वीं एवं 622वीं बैठक क्रमशः दिनांक 27/03/2024 एवं 28/03/2024 को संघन हुई थी। समिति को उद्देश्य कराया गया कि बैठक का कार्यवाही विवरण तैयार किया जा रहा है, जिसे समिति के समक्ष शील प्रस्तुत किया जाएगा। उक्त विवरण समिति सहमत हुई।

एजेंटों आयटम छमांक-2:

गौण/मुख्य समितियों एवं अधियोगिक परिवोरनालयों संबंधी प्रकरणों के प्रस्तुतीकरण उपरात पर्यावरणीय स्वीकृति / दीक्षाओं/अन्य आवश्यक निर्णय लिया जाना।

- मेसर्स बिलासपुर मार्किन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (खरकेना डोलोमार्ट नाईन), छात्र-खरकेना, राहसील-राखतपुर, जिला-बिलासपुर (वाधियालय का नक्ती क्रमांक 2256)

विषय वस्तु	आवेदित प्रकरण से सम्बंधित विवरण	समिति द्वारा नोट किया गया कि
ओनलाईन आवेदन	टी.ओ.आर. - 412455 एवं 22/11/2023	
खदान का प्रकार	डोलोमार्ट (गौण समिति) खदान	संचालित

क्षेत्रफल एवं कामता	०.४५ हेक्टेयर एवं २,००,०००.६ टन ग्रहिवर्ष	संलग्न है।
खासा क्रमांक	११०७(पार्ट), ११०९, १११९, ११३१/१, ११३१/२, ११३१/३, ११३२, ११३३, ११३४ एवं ११३६/२	संलग्न है।
बैठक का विवरण	५०९वीं बैठक दिनांक २९/०१/२०२४	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक २२/०१/२०२४

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिमिति उपलिखत नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक २९/०१/२०२४ हाथ सूचना दी गयी है कि अवशिष्टार्थ कारणों से समिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपलिखत होना समव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में सभाय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति हाथ सत्त्वार्थ सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूरी ने बाही गई याचित जानकारी एवं समस्त सुसंगत जानकारी/ दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

समिति की ५२३वीं बैठक दिनांक ०५/०४/२०२४:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिमिति उपलिखत नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक हाथ कोई अनुरोध पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति हाथ विचार विभाग समर्पित सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि परियोजना प्रस्तावक हाथ याचित जानकारी एवं अनुरोध पत्र प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक को लदानुसार सूचित किया जाए।

2. गेहासी गोन्दूम सेष्ट क्षात्री (की-५) (सरकार, आम पंचायत गोन्दूम, राहसील-दोतीवाहा, जिला-दक्षिण बंसरार दोतीवाहा (संचिवालय का नमी क्रमांक २८१४))

विषय वस्तु	आवेदित प्रकारण से संबंधित विवरण	समिति हाथ नोट किया गया कि
खासा क्रमांक आवेदन	इ.सी - ४५३६२४ एवं २८/११/२०२३	
खदान का प्रकार	रेत (गोणा खगिल) खदान	प्रस्तावित
क्षेत्रफल एवं कामता	५ हेक्टेयर एवं ३०,००० चन्नीटिर ग्रहिवर्ष	संलग्न है।
खासा क्रमांक एवं नमी	खासा क्रमांक-३४८(पार्ट) एवं ढंकनी नमी	संलग्न है।
बैठक का विवरण	५०९वीं बैठक दिनांक २९/०१/२०२४	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक २२/०१/२०२४

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिमिति उपलिखत नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक २९/०१/२०२४ हाथ सूचना दी गयी है कि अवशिष्टार्थ कारणों से समिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपलिखत होना समव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में सभाय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति हाथ सत्त्वार्थ सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूरी ने बाही गई याचित जानकारी एवं समस्त सुसंगत जानकारी/ दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

सार्विति की 523वीं बैठक दिनांक 08/04/2024

विषय वस्तु	आवेदित प्रकारण से संबंधित विवरण	सार्विति द्वारा नोट किया गया कि
बैठक वन विवरण	523वीं बैठक दिनांक 08/04/2024	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 04/04/2024
प्रस्तुतीकरण हेतु सामग्रियों की सूची		स्थीरीकृत औषधीय सामग्री प्रयोग संदर्भ में उल्लेख हुए।
साम प्रयोगस्थल एनओसी	साम प्रयोगस्थल घोन्हम-3 दिनांक 30/08/2023	संलग्न है।
सरकारी योजना अनुशोधन	दिनांक 31/10/2023	संलग्न है।
विनाशित/ सीधाकिस	दिनांक 10/10/2023	संलग्न है।
500 मीटर	दिनांक 24/01/2024 खदानी की जांड़ा निरंक है।	संलग्न है।
200 मीटर	दिनांक 24/01/2024	प्रतिबंधित क्षेत्र निर्दिष्ट नहीं है। नदी तट के किनारे से दूरी 10 मीटर है।
एलओआई	एलओआई वारक - सरपथ/साधित साम प्रयोगस्थल घोन्हम दिनांक - 06/10/2023 वैश्वानी अवधि - 1 वर्ष	संलग्न है।
वन विभाग एनओसी		आवेदित क्षेत्र की निकटतम वन क्षेत्र से दूरी उल्लेख करते हुए कार्यालय वनवंडलाइकारी का अनापरित प्रभाव पर प्रतिबंध किया जाना आवश्यक है।
महत्वपूर्ण संरक्षनक्षमी की दूरी	आवाई साथ- घोन्हम 1.7 किमी। स्वास्थ्य प्राप्ति- घोन्हम 4.5 किमी। अस्पताल- दैतेवाहा 10 किमी। राष्ट्रीय राजमार्ग- 9 किमी। राजमार्ग- 16 किमी।	संलग्न है।
खनन स्थल पर नदी के पाट की चौड़ाई एवं खदान की नदी तट से दूरी	खनन स्थल पर नदी के पाट की चौड़ाई- अधिकतम 130 मीटर, न्यूनतम 80 मीटर खनन स्थल की लंबाई- अधिकतम 1,533 मीटर, न्यूनतम 1,446 मीटर खनन स्थल की चौड़ाई- अधिकतम 42 मीटर, न्यूनतम 31 मीटर खदान की नदी तट के किनारे से दूरी- अधिकतम 62 मीटर, न्यूनतम 10 मीटर	खनन स्थल पर नदी के पाट की चौड़ाई 130 मीटर है, उस स्थल स्थल पर नदी तट के किनारे से दूरी न्यूनतम 62 मीटर है तथा खनन स्थल पर नदी के पाट की चौड़ाई 80 मीटर है, उस स्थल स्थल पर नदी तट के किनारे से दूरी न्यूनतम 10 मीटर है। अतः ऐसे माझीनिंग क्षेत्र की आवायतता नहीं है।
खदान स्थल पर रेत की चौड़ाई	स्थल पर रेत की चौड़ाई - 3-4 मीटर रेत स्थल की प्रस्तावित गहराई - 2 मीटर खदान में माझीनेबल रेत की मात्रा-30,000 घनमीटर	संलग्न है।

	<p>सुनिज दिवान से प्रमाणित जानकारी अनुसार —</p> <p>स्थल पर किये गये गढ़डे इंद्रा की संख्या ५</p> <p>इस की उपलब्ध औरत गहराई ४ मीटर वेत की कास्टिंग के गहराई हेतु गोदानाम प्रस्तुत किया गया है।</p>	
खदान कीज में रेत जलह के लोबल्स —	<p>दिव बिन्दु — २५ मीटर X २५ मीटर लेवल्स (Levels) दिनांक १२ / १२ / २०२३ सुनिज दिवान से प्रमाणीकरण उपर्युक्त फोटोशॉफ्ट सहित जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।</p>	संलग्न है।
गृहारोपण कार्य	<p>नदी तट पर वृक्षारोपण — ६११ नम किया जाना है।</p> <p>द्वारा प्रयोगित फौन्डम द्वारा सहमति प्राप्त भूमि (खदान क्षमता ६३९, क्षेत्रफल १.५५ हेक्टेयर)</p>	प्रस्तावित कार्य हेतु ५ वर्ष की राशि — ८,३३,३४०
परियोजना से संबंधित शाखा पत्र	<p>१. परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्राप्तिक्रिय लेट चलायी नियंत्रण, अपने वृक्षारोपण एवं ६० प्रतिशत जीवन स्तर सुनिश्चित, छलीवाहक आदर्श प्रभावीकरणीय कार्य के लिये दोजगार तीझे आर के लक्ष्य प्रस्तावित कार्य एवं संबंधित जायका से कार्य पूर्ण प्रतिक्रिय फोटोशॉफ्ट सहित जानकारी अवैधार्यित रिपोर्ट में समाहित करने कार्य, प्राकृतिक जल क्षीरों के संरक्षण एवं संरक्षण हेतु पर्यावरण स्थीरकृति में दिये गए हल्की का पालन किया जाएगा एवं ऐसी पालन प्रतिक्रिय प्रस्तुत किया जाएगा, घूस की नियाकरण हेतु टैक्ट द्वारा जल छिकाव करना, सुनिज का परिवहन तारपीलिय से दगड़नन बरने, बहुनों वा परिवहन आवादी लोज से न करने, सर्वाङ्गत लौटाना ऐसा उत्तराधान का कार्य नहीं किया जाएगा एवं खदान कीज के आस-पास नदी तट एवं पहुंच गार्ग के दोनों ओर संचान गृहारोपण किया जाएगा।</p> <p>२. इन्सोरेंसेट एवं बीनिटरिंग गड़ईचलाईन्स परीक्षण भर्डीनिंग २०२० के प्राकृतिकीय पालन किया जाएगा एवं अनुनीदित उत्तराधान बीजना में दिये गये नार्डीनेटल रिजर्व का ६० प्रतिशत रिजर्व ही उत्तराधान किया जाएगा।</p> <p>३. खदान तो उत्तराधान के दीर्घ समयोन्नत</p>	<p>परियोजना प्रस्तावक द्वारा किया गया शाखा पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किये गये हैं—</p> <ol style="list-style-type: none"> परियोजना प्रस्तावक के विलक्षण इस परियोजना/खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकारण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लकित नहीं है। परियोजना प्रस्तावक के विलक्षण भवत सरकार, पर्यावरण, जल और जलवाया परिवर्तन एकत्रण की अधिसूचना का अ. ४०४(५), दिनांक १४ / ०३ / २०१७ को अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकारण लकित नहीं है। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक ०२ / ०८ / २०१७ को Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिए गए दिला निर्देशों का ये द्वारा पालन किया जाएगा। माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक ०९ / ०१ / २०२० को writ petition (S) Civil No. 114 / 2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिला निर्देशों का पालन किया जाएगा।

	नीपुण गांधीजी के मैनेजमेंट नाइकलर्सन 2016 द्वारा इन्फोर्मेंट एवं भौगोलिक साईरलाइन्स की ओर से यह गांधीजी 2020 के प्राक्कालीन का पालन किया जाएगा। उपरोक्त सभी राष्ट्रीय का पालन किये जाने वाली शब्द पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।	
खेती	की-2	आवेदित सदाचार को गिरावट कुल कोषफल 5 हेक्टेयर है।

1. कीर्तीरेट पर्सोनल इंडिपिलिय (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सामिति के सम्बन्ध में उपरोक्त निम्नानुसार प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
Following activities at Village-Pondum-2				
10	2%	0.20	Pavitra Van Niman	5.528
			Total	5.528

सीईआर के अंतर्गत “पवित्र वन मिहांग” के तहत (वह वीपल, नीम, आम, दुमली, डर्झुन, करंज आदि) वृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 405 नम घीरों के लिए राशि 40,780 रुपये, फीसिंग के लिए राशि 85,200 रुपये, खाद के लिए राशि 3,000 रुपये, शिवाई के लिए राशि 45,000 रुपये, रख-रखाव के लिए राशि 24,000 रुपये तथा अन्य जौ लिए राशि 10,000 रुपये, इस प्रकार प्रत्येक वर्ष में कुल राशि 2,11,040 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 3,41,784 रुपये हेतु गठनकार व्याप का प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा आम पालनकारी योन्नुम-2 के सामिति उपरोक्त योग्यताएँ लाभ (खासगत 839, होकरफल 1.55 हेक्टेयर में से 0.40 हिस्समिल) को संबंध में आगामी प्रस्तुत की गई है।

- सामिति का मत है कि लौज शेष के भौतिक गैर गांधीजी शेष में सीमा स्तरमें लगाया जाना आवश्यक है। लौज शेष के गारी गोनी तथा नीमा लाईन के मध्य में सीमेट के रुपों गढ़ना आवश्यक है ताकि लौज शेष नदी ने पवित्र दृष्टिगोचर छोड़ सके।
- सीईआर कार्य एवं नदी तट में वृक्षारोपण कार्य के भौगोलिक एवं पर्यावरण हेतु वि-पक्षीय सामिति (प्रौद्योगिकी/प्रशासनिक, आम पालनकारी के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण विभाग का विभागिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। सभी ही सीईआर एवं नदी तट में वृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के समर्थन गठित वि-पक्षीय समिति से वर्त्यावित कराया जाना आवश्यक है।
- ऐसा सख्तानन मैनेजमेंट विभि से एवं भर्त्ता का कार्य सीढ़र द्वारा कराया जाना प्रस्तावित है। सामिति का मत है कि लौज जौसी यह भर्ती वाहन की बेंची के है। अत भर्त्ता का कार्य मैनेजमेंट विभि से ही कराई जायें। भारी वाहनों को नदी में प्रवाह की अनुमति नहीं होनी।

5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा 2 मीटर की गहराई तक सत्त्वनन की अनुमति नहीं है। अनुमतिदिल प्रस्तावन को जना में सत्त्वनन किए जाने वाले होते की वार्षिक रेत पुनर्जनन की अवधारणा की एवं उत्तराधीनी आवश्यकी का समान्तर नहीं किया जाता है। इसकी नदी छोटी नदी है तथा इसमें पर्यावरण में सामान्यता । मीटर गहराई से अधिक रेत का पुनर्जनन होने की संभावना है।

समिति द्वारा विचार विभास उपर्युक्त सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

- परियोजना प्रस्तावक रेत खाद्य शोष में आगामी 1.5 वर्ष में विकृत बाद अध्ययन (Situation Study) करायेगा, ताकि ऐसा को पुनर्जनन (Replenishment) कारबूल की आवश्यकता है। ऐसा उत्तराधीन का नदी, नदीतल, रुधानीय बननाति, जीव एवं सूक्ष्म जीवों पर प्रभाव तथा नदी की पानी की गुणवत्ता पर ऐसा उत्तराधीन के प्रभाव की सही जानकारी प्राप्त हो सके।
- लीज होते की सतह का वैशालाईन ढाठा —
 - ऐसा सतहनन प्रारंभ करने के पूर्व उपर्युक्तानुसार निर्धारित शिल्प विन्दुओं पर नदी में ऐसा की सतह की स्तरी (Levels) का सर्वे कर, उसके कांकड़े तत्काल पूर्ण आईएए.. उत्तीर्णगढ़ को प्रस्तुत किये जायें।
 - ऐसा सतहनन उपर्युक्त भानसून के पूर्व (वह माह के अंतिम दाहाड़/पूर्ण के अध्ययन भानसाह) इन्ही शिल्प विन्दुओं में भाईचारे लीज होते तथा लीज होते के अपर्स्ट्रीन एवं उत्तराधीनस्ट्रीन में 100 मीटर तक तथा खनन लीज के बाहर/नदी तट (दोनों ओर) से 100 मीटर तक की होते में नदी जलह की स्तरी (Levels) का सर्वे पूर्व निर्धारित शिल्प विन्दुओं पर किया जायेगा।
 - इसी प्रकार पीसट—मानसून (अक्टूबर/नवम्बर माह में ऐसा उत्तराधीन जलांग करने को पूर्व) इन्ही शिल्प विन्दुओं पर ऐसा जलह की लेवलेस (Levels) का मापन किया जाएगा।
 - ऐसा सतह की पूर्व निर्धारित शिल्प विन्दुओं पर ऐसा जलह की लेवलेस (Levels) के मापन का कार्य आगामी 6 वर्ष तक निर्धार किया जाएगा। पी—मानसून के कांकड़े अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पीसट—मानसून के कांकड़े दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनियन्त्री रूप से एसईआईए.. उत्तीर्णगढ़ को प्रस्तुत किए जायें।
- आवेदित होते की निकटान बन होते से दूरी उत्तराधीन करते हुए कार्यालय बननामुख्याधिकारी का अनावृत्ति प्रभाव पर को एसईआईएए.. उत्तीर्णगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की सही की अधीन पर्यावरणीय लीकूपी की सही अनुरोध की जाती है।
- समिति द्वारा विचार विभास उपर्युक्त सर्वसम्मति से गैरही पीच्यूम लैफ कारी (टी—5) (सर्वव्यंग, ग्राम पंचायत पीच्यूम) को घास—पीच्यूम, तहसील—दीवानगा, जिला—टक्किय बहाल दीवानगा, जिला क्रमांक—845(पाटी), कुल लीज होताकल—८ हेक्टेयर के कुल 60 प्रतिशत होताकल में ही ऐसा उत्तराधीन अधिकान । मीटर की गहराई तक लीजित रखते हुए कुल 30,000 घनमीटर प्रतिवर्ष ऐसा उत्तराधीन द्वारा पर्यावरणीय स्टीप्पिंग खनन पट्टै के निष्पादन की तात्पुरता से वायर वर्ष तक छोटी अवधि हेतु परिशिष्ट—01 में वर्णित शही के अधीन दिये जाने की अनुरोधा की गई। ऐसा की खुदाई अभियोग्य (Manually) की जाएगी। विवर केब (River Bed) में भारी बाहनों का प्रयोग प्रतिवर्षित रहेगा। लीज होते में विषय ऐसा खुदाई गढ़ (Excavation pits) से लीजिय प्राईट तक ऐसा तक विवहन ट्रैकर ट्रैकी द्वारा किया जाएगा।

5. सहारनपुर संपद माईमिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन्स, 2016 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2016) एवं इनकोर्सेमेंट एवं नीतिशिवित नाईकलाइन्स फॉर संपद माईमिंग, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार कठार्ड दी पालन की नीति की बात किया जाए।

इससे सहारनपुर प्रभाग आवासन प्राधिकरण (एसईएसईएए) छत्तीसगढ़ को लादानुसार सुचित किया जाए।

3. मेसासी दू दी, मेसासी प्राईवेट लिमिटेड, प्लाट नं. ४४ से ११५, इण्डस्ट्रीयल एरिया नवनपुर-गिरवरगंज, ताहसील व जिला-शुरजपुर (संचिकालय का नम्बरी क्रमांक २३६६) अधिकारीकृत आवेदन — प्रपोजल नम्बर — एसआईए/ लीजी/ अईएनडी/ ५५५५७८ / २०२३, दिनांक १५/१२/२०२३ द्वारा प्राधानपत्रीय स्थीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — परियोजना प्रस्तावक द्वारा दीक्षित हुतीरेशन के लहर प्लाट नं. ४४ से ११५, इण्डस्ट्रीयल एरिया नवनपुर-गिरवरगंज, ताहसील व जिला-शुरजपुर, कुल क्षेत्रफल—३.१५ हेक्टेयर में नवीन इण्डस्ट्रीय फर्नेश (एम.प्सा. इमारत/बिलेट्स) क्षमता—५३,३४० टन प्रतिवर्ष, रि-रोल्व रिलीफ प्रोफलट्स द्वारा रि-होट चार्जिंग क्षमता—४३,८१७ टन प्रतिवर्ष हेतु आवेदन किया गया है। दीक्षित हुतीरेशन के लहर परियोजना का कुल विनियोग कापाये २० करोड़ रुपये होगा।

लादानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के आपन दिनांक ०६/०२/२०२४ द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

वैठकों का विवरण —

(अ) रामिति की ५१२वीं वैठक दिनांक १२/०२/२०२४:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी व्यक्तिनिधि सुनिश्चित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पाल दिनांक १२/०२/२०२४ द्वारा सूचना दी गयी है कि अधिकारीकृत कानूनी से आज वैठक में प्रस्तुतीकरण दिया याना समय नहीं है। अतः आगामी अधिकारीकृत वैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

रामिति द्वारा उत्सवम् शर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को दूर्ये में याती गई वार्षिकत जानकारी एवं समस्त सुरक्षित जानकारी/ दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

लादानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के आपन दिनांक ०४/०४/२०२४ द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

(ब) रामिति की ६२३वीं वैठक दिनांक ०८/०४/२०२४:

प्रस्तुतीकरण हेतु दी संतुष्टि बुनार पुष्टाव्याय, कारबोक्टर उपस्थित हुए। रामिति द्वारा नकारी, प्रस्तुत जानकारी का ज्ञालोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धि पाई गई—

१. दूर्ये में जाती प्राधानपत्रीय स्थीकृति —

- एसईएसईएए, छत्तीसगढ़ के आपन दिनांक ५४१, दिनांक ०२/०३/२०१९ द्वारा मेसासी दू दी, मेसासी प्राईवेट लिमिटेड, प्लाट नं. ४४ से ११५, इण्डस्ट्रीयल एरिया नवनपुर-गिरवरगंज, ताहसील व जिला-शुरजपुर, कुल क्षेत्रफल—७.७८७

एकांक में स्थानिक रोलिंग शिल तारंगता—30,000 टन प्रतिवर्ष है 59,400 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्थीरता की गई।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्थीरता की तात्परी के पालन में वही गई बाधेवाली की जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। अतः एकीकृत शोधीय कार्यालय, भारत कारबाह, पर्यावरण, चन और जलवाया परिवर्तन मंत्रालय से पूर्ण में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिवेदन मंगाया जाना आवश्यक है।

2. चाल संवर्धन सम्मति —

- शोधीय कार्यालय, उत्तरीसागढ़ पर्यावरण संचाल भंडल, अभियानपुर की रोलिंग शिल तारंगता—59,400 टन प्रतिवर्ष हेतु चाल संवर्धन सम्मति नवीनीकनन दिनांक 26/09/2023 की जारी की गई है, जिसकी केताता 31/07/2026 तक है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा कर्तमान में स्थानिक इकाईकी हेतु उत्तरीसागढ़ पर्यावरण मंत्रालय भंडल द्वारा जारी सम्मति तात्परी के पालन में वही गई बाधेवाली की विन्दुवार जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। समिति का भत्ता है कि यहांमान में स्थानिक इकाईयों हेतु उत्तरीसागढ़ पर्यावरण संचाल भंडल द्वारा जारी सम्मति तात्परी के पालन में वही बाधेवाली की विन्दुवार जानकारी उत्तरीसागढ़ पर्यावरण संचाल मंडल से प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

3. निकटतम रियल क्रियाकालायी संकेती जानकारी —

- निकटतम रेलवे स्टेशन चिलासपुर 8.7 किमी. की दूरी पर स्थित है। जिसके विमानपत्तन 145 किमी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 1.2 किमी. दूर है। रेलवे नदी 600 मीटर एवं पर्यावरण नाला 2 किमी. की दूरी पर स्थित है। समिति का भत्ता है कि समीपस्थ आवादी, रसूल, अस्पताल आदि संकेती जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किलोमीटर की परिधि में अंतर्राष्ट्रीय सीना, राष्ट्रीय छहान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा प्रतिष्ठित डिस्ट्रिक्टी पौल्युटेड एरिया, पारिस्थितिकोव संवेदनसील होने या प्रतिष्ठित औद्योगिक होने के लिया नहीं होना प्रतिकेन्द्रित किया गया है।

4. घूमि संकेती विवरण — परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया है कि आवेदित क्षेत्र नवनपुर गिरियरेगंज औद्योगिक क्षेत्र में आता है, जिस हेतु सीख ढोक की प्रति प्रस्तुत गई गई है। समिति का भत्ता है कि नवनपुर गिरियरेगंज औद्योगिक क्षेत्र की अधिकृत्यना की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। साथ ही नवनपुर गिरियरेगंज औद्योगिक क्षेत्र को इ.आई.ए. कॉरिसूचना 2006 (खाड़ा तात्परित) के प्राकलनों के द्वारा पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त हो जाता नहीं? के संकेत में जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

5. लैन्स एरिया कर्टरॉमेंट —

S.No.	Land use	Area (In Hect.)		
		Existing Area	Proposed Area (change)	Total

1.	Build up Area	1.24	+0.18	1.42	45
2.	Road & Paved Area	0.19	0	0.19	06
3.	Green Belt Area	1.04	0	1.04	33
4.	Open Area	0.68	-0.18	0.5	16
	Total	3.16	0	3.16	100

6. रोड-पटरियल -

Raw Material for Induction Furnace

Input		Output	
Item	Qty.	Item	Qty.
Spong Iron	64,436	MS Billet (Hot + Cold)	69,940
Pig Iron/ CI Scrap	7,910	Defective Billets	1,298
Melting Scrap	1,895	Heat Failure Break out	1,620
Ferro Alloys	600	Mill Scale	1,944
Aluminum	60	Slag	9,741
Ramming Mass	150	Refractory Waste	75
Steel Sheet Former	15	LOI	450
Total	75,066		75,066

Hot Charging Based Rolling Mill

Input		Output	
Item	Qty.	Item	Qty.
Hot metal in form of Hot Billets	44,940	Rerolled products (Hot Charged)	43,817
		Mill Scale	674
		Miss Rolls / Defectives	449
Total	44,940		44,940

Input			Output		
Item	Existing (TPA)	Proposed (TPA)	Item	Existing (TPA)	Proposed (TPA)
Billets	62,370 Billets (purchased from market)	15,000 cold billets (from induction furnaces)	Rerolled Product (through BRF)	59,400	14,320
Coal	11,250 (Or furnace oil in case of none use of coal = 2,376 TPA)	1,720 (Or furnace oil in case of none use of coal = 364 TPA)	Mill Scale	540	225
			Miss Rolls / Defectives	2,160	449
			Coal Ash	2,040	801
			Loss Due to Reheating	9,480	1,119
Total	73,620	16,720	Total	73,620	16,720

Source of Raw Material for Proposed scenario after backward integration

Raw Material for reheating Furnace Based Mill	Qty. (TPA)	Proposed Source	Mode of Transport
Sponge Iron	64,436	Sponge Iron Plant in Chhattisgarh, Odisha and Jharkhand	
Pig /CI Scrap	7,910	Iron and Steel Plants in Chhattisgarh, Odisha and Jharkhand	
Melting Scrap	1,895	Iron and Steel Plants in Chhattisgarh, Odisha and Jharkhand	By Road through Covered Trucks
Ferro Alloys	600	Ferro Alloys plants in Chhattisgarh and Odisha	
Aluminium	60	Aluminium plants in Chhattisgarh and Odisha	
Ramming Mass	150	SSI units in Chhattisgarh and Jharkhand	
Steel Sheet Former	15	Iron and Steel Plants in Chhattisgarh, Odisha and Jharkhand	
Indian Coal (Gasifier)	1,729	SECL	By Rail & Road Covered Trucks
Total	76,786		

7. स्थापित एवं प्रस्तावित इकाई कंपनी जानकारी –

S.No.	Unit Name	Existing Consensed Unit	Proposed backward Integration	Total capacity after Expansion
A	Rolling mill through Reheating Furnace (re-rolled products)	59,400 TPA	(- 45,074)	14,326 TPA
B	Rolling mill through Hot charge Based mill (re-rolled products)	-	43,817 TPA	43,817 TPA
1.	Total Rerolled steel production	59,400 TPA	-	58,143 TPA
2.	Hot Billets production through Induction Furnace	NI	59,940 TPA	59,940 TPA
3.	Gasifier for Rolling mill	(1x1) 1,500 Nm3/hour	-	1,500 Nm3/hour

8. वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था – बर्टमान में स्थापित रि-हीटिंग फॉर्नेश आवासित रोलिंग मिल में 36 ग्रीटर डिमनी स्थापित होना चाहया गया है। प्रस्तावित इकाईकान फॉर्नेश में डिमनी की क्षमता है 30 ग्रीटर रुक्ता जाना प्रस्तावित है। ताकि यह नह है कि बर्टमान में स्थापित रि-हीटिंग फॉर्नेश में वायु प्रदूषण

नियंत्रण हेतु स्थापित व्यवस्था तथा प्रस्तावित इम्प्रेसन कर्नेल में कानू प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रस्तावित व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करना आवश्यक है।

9. ठोस अपार्टिंग व्यवस्था -

S.No.	Waste	Quantity Existing (TPA)	After Expansion Quantity (TPA)	Management
1.	Dust	46	9,741	Used For Brick and Road Making, land fill
2.	Mill Scale	540	2,043	Sold to Pelets Plant or Farm Alloy units
3.	End Cutting and Miss Roll	2,160	608	Used in own IF
4.	Coal Ash	2,040	448	Sold to nearby brick Plant
5.	Tar	0.69	0.002	Sold to TAR recyclers.
	Total	4,740	15,378	

10. जल प्रबंधन व्यवस्था -

S.No.	Particulars	Quantity (ml/day)	
		Existing	After Backward Integration
1.	Domestic	5	11
2.	Cooling water	30	60
3.	Plantation & Dust Suppression	10	3
	Total	45	94

- जल उपयोग स्तरों - जल की कार्बोरी भू-जल के महायम से ही जाती है। भू-जल की उपयोगिता (25 घनमीटर ब्रह्मिदिन) हेतु सेन्ट्रल शालूण बाटर अधीक्षिती से अनुमति प्राप्त की गई है, जिसकी दिनांक 17 / 11 / 2026 तक है। जानिती का बहु है कि भू-जल की नाता हेतु सेन्ट्रल शालूण बाटर अधीक्षिती से अनुमति प्राप्त किया जाना आवश्यक है।
- जल प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था - औद्योगिक प्रतिक्षेप से दूषित जल सत्यान होता है। कुलिंग उपरांत प्राप्त दूषित जल को ठंडा कर बुझ कुलिंग हेतु उपयोग में लाना जाएगा। बर्तनान में घरेलू दूषित जल की नाता 4 घनमीटर ब्रह्मिदिन है, जिसके उपचार हेतु सेटिंग टैक एवं सोलायिट नियांता किया गया है। प्रस्तावित उपर्युक्ताव के लिए घरेलू दूषित के उपचार हेतु सीधें टीटौरें प्लांट स्थापित किया जाना प्रस्तावित है। उपचारित जल का उपयोग हाई बटिंग का विकल्प, स्लेग कैरिनिंग आदि में उपयोग किया जाना प्रस्तावित है। ऐसा विकल्प जीवि रूपी जाएगी।
- भू-जल उपयोग प्रबंधन - परियोजना क्षेत्र सेन्ट्रल शालूण बाटर थोरे के अनुसार शोक खोने में आता है। जिसकी अनुसार-
 - (अ) मुख्य एवं उपयोग जलों को कम से कम 40 प्रतिशत दूषित जल का पुनर्वाहण एवं पुनरुत्पादन किया जाना है।
 - (ब) शालूण बाटर रिकार्ड हेतु अपनाई गई तकनीक यथा ऐनवाटर हाईस्टिंग / ऑर्टिफिशियल जल रिकार्ड के आधार पर भू-जल मिक्सरे जाने की अनुमति सेन्ट्रल शालूण बाटर थोरे हुआ दिये जाने का प्राप्तान है। अतः उल्लेख हुआ परिसर में ऐनवाटर हाईस्टिंग व्यवस्था ही जाना आवश्यक है।
- ऐन बीटर हाईस्टिंग व्यवस्था - प्रस्तावित परियोजना में ऐन बीटर हाईस्टिंग व्यवस्था की विस्तृत वर्णन (कुल उन्नति की नाता, ऐन बाटर हाईस्टिंग

व्यवस्थाओं पिंडा का विवरण, नवार एवं बहाईज (सहित) कर से—आठट में दर्शाते हुए प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

11. विद्युत आपूर्ति उच्चीत – वरियोजना हेतु कुल 8 मेनाकॉट विद्युत की आवश्यकता होती है। विद्युत की आपूर्ति छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत विभाग की हिस्टोरी रिपोर्ट से यही जाएगी। ऐकाइयका जानकारी हेतु चीज़ी, सेट के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
12. बूझारीयण संकेती जानकारी – हासि पटियाला की विकास हेतु कुल शैक्षणिक के 1.04 हेक्टेएर (33 एकड़ियां) क्षेत्र में बूझारीयण विन्ध्या जाना प्रस्तावित है। समिति का मत है कि बूझारीयण हेतु यीकों कोकिंग, खाद्य एवं शिंचाई तथा रख-खाद्य के लिए 5 वर्षी तक घटकवार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
13. प्रदूषण भार शंकेती विवरण— वरियोजना प्रदूषणका हारा तरीकान में रखायित जोल वेर्स्ट रि-हीटिंग कर्नेल से उत्पादन की वसा ने पार्टिक्युलेट गेटर 25 मिलीमीटर/सामान्य पनमीटर से जब सुनिश्चित लिये जाने से बहुत उत्तरीन की गाज़ा 2.81 टन प्रतिवर्ष होना लगाया गया है, जबकि पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में बहुत उत्तरीन की गाज़ा 0.818 टन प्रतिवर्ष बताया गया था। अतः उक्त प्रदूषण भार जी गजना ने विन्ध्या के लक्ष्य में स्पष्टीकरण सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। उदाहरणार प्रदूषण भार जी गजना कर जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
14. बीर्डीरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) — वरियोजना प्रस्तावका हारा समिति के नामका विस्तार से अर्द्धा उपरात निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Additional Capital Investment (In Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (In Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (In Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (In Lakh Rupees)
2000	1%	20	Following activities at Nearby, Village- Nayapur	
			Eco Park Nirman	22.00
			Total	22.00

सीईआर के लक्षणीत “इको पार्क निर्माण” हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 800 नग पीली के लिए राशि 2,88,000 रुपये, कोकिंग के लिए राशि 1,50,000 रुपये, खाद्य के लिए राशि 12,000 रुपये एवं शिंचाई के लिए राशि 3,00,000 रुपये, रख-खाद्य के लिए राशि 1,82,000 रुपये, अन्य कार्य (पाल्य-वै, रेसिटेन वैयसी) के लिए राशि 6,00,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 14,32,000 रुपये तथा अगामी 4 वर्ष में कुल राशि 8,31,400 रुपये हेतु घटकवार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। सीईआर की तहत इको पार्क निर्माण हेतु प्राप्त वंचायत की सहायति उपरात प्रदूषण समान (उपरात क्रांति शैक्षणिक सहित) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा विवार विन्ध्या उपरात वर्वेश्वरी निर्णय लिया गया—

1. एकीकृत कीवीय कानूनीत्य, भारत सरकार, पर्यावरण, दम और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पूर्व में जारी पर्यावरणीय रक्षीकृति का यालन प्रतिकेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
2. सर्वभाग में स्थापित इकाईयों हेतु उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संसाधन मंडल द्वारा जारी सम्मिलित कर्ती के पालन में की गई कार्यवाही की विन्दुवार पालकारी उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संसाधन मंडल से प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
3. नयनपुर गिरिजनगढ़ औद्योगिक क्षेत्र की अविसूचना की प्रति प्रस्तुत किया जाए। साथ ही नयनपुर गिरिजनगढ़ औद्योगिक क्षेत्र को हैबांग जिले सूचना, 2006 (ज्या संस्थानित) के प्राप्तवानी के तहत पर्यावरणीय रक्षीकृति प्राप्त है अथवा नहीं? के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
4. बहुमान में स्थापित सी-टीएंग फैसले में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु स्थापित व्यवस्था तथा प्रस्तावित इकाईकरण फैसले में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु प्रस्तावित व्यवस्था की जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
5. बहुमान में स्थापित कोल बेस्ट रिट्रीविंग फैसले से उत्पादन की दशा में पार्टीकुलेट मेटर 25 मिलीमीटर/सामान्य इनमीटर से कम सुनिश्चित किये जाने से डस्ट उत्पादन की घाता 2.81 टन प्रतिवर्ष होना बताया गया है, जबकि पूर्व में जारी पर्यावरणीय रक्षीकृति में डस्ट उत्पादन की घाता 0.818 टन प्रतिवर्ष बताया गया था। अतः उक्त प्रदूषण जार की गणना में विनाश के संबंध में इकाईकरण सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए। तदानुसार प्रदूषण भार की पुनः गणना कर जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
6. समीपस्थ आकादी, स्कूल, अस्पताल आदि संरक्षी जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
7. शीघ्र जल की अवृत्ति हेतु बीन्दुल चारोंपाँच बाटर जायारिटी से जनुमति प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
8. प्रस्तावित सूस-टी-पी की समता तथा इंगिंग डिजाईन की जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
9. प्रस्तावित परियोजना में ऐन गोटर हार्डिंग व्यवस्था की विस्तृत वर्णन (कुल समानीक की गत्र, ऐन बाटर हार्डिंग व्यवस्थाओं पिटा का विवरण, नंबर एवं सर्वेज सहित) कर सौ-आस्टर में दर्शाते हुये प्रस्तुत किया जाए।
10. दैकलियक व्यवस्था हेतु सी-टी-सेट के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
11. गृहानीयम ऊपर दीची, फौसिंग, लाव एवं लिंचाई-तथा रख-रखाव के लिए 5 उची का घटकवार व्यवहार का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
12. शी-ई-आर के तहत इकी पाकी विनाश हेतु याम पंचायत के सहमति उपरोक्त व्यायामोग्य स्थान (जलसंग्रहालय क्षेत्रफल सहित) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए। याम ही शी-ई-आर के तहत तथा उनी गई रक्षण का उपयोग याम पंचायत हाउस प्रदला भूमि में फौसिंग जलाकर बृक्षाशोषण किये जाने का बहु-उपयोग पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. फौजिटिव डस्ट उत्पादन नियंत्रण, साधन बृक्षाशोषण एवं 90 प्रतिशत जीवन बदल सुनिश्चित, उत्तीर्णगढ़ आदर्श पूर्वान्तर नीति के तहत रोजगार, प्राकृतिक जल संरक्षी के संबंध एवं रक्षण हेतु जादि वामत जाप्त वत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

14. परियोजना प्रस्तावक के विकल्प इस परियोजना/तदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं है। इस बाबत जापा पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
15. परियोजना प्रस्तावक के विकल्प भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलवाया परिवर्तन नियम वर्गी अधिसूचना नं.आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लघित नहीं है। इस बाबत जापा पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त घोषित जानकारी/दस्तावेज़ प्राप्त होने तपांत आगामी कार्यवाही की जाएगी।
परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सूचित किया जाए।

4. वैसरी एचडी, टार प्रौद्योगिकी, प्लॉट नंबर 69-70, लाईट इंडस्ट्रीजल एसिया, तहसील—मिलाई, जिला—दुर्ग (संदिवालय का नंबरी क्रमांक 2882)
शीललाईन आवेदन — इयोजना नम्बर — एसएडीए/ शीली/ आईएनडीउ/457014/2020, दिनांक 29/12/2023 द्वारा दी.ओ.आर. हेतु आवेदन किया गया है।
प्रस्ताव का विवरण — यह बायो पिस्टाव का प्रकरण है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा लाईट इंडस्ट्रीजल एसिया, तहसील—मिलाई, जिला—दुर्ग स्थित प्लॉट नंबर 69-70, कुल बोरकर्ता—1.42 हेक्टेयर में Coal tar pitch capacity- 20,000 TPA to 70,000 TPA and other byproducts like Creosote oil/ATO capacity- 4,000 TPA to 44,000 TPA हेतु आवेदन किया गया है। परियोजना का विनियोग लगभग 6.83 करोड़ होगा।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.इ.ए.सी., छत्तीसगढ़ के द्वापन दिनांक 08/02/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैठकों का विवरण —

- (अ) समिति की 513वीं बैठक दिनांक 13/02/2024

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 13/02/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि अपरिहार्य कारणों से समिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा आगामी बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तात्सम्य संवैधानिकी से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्ण गे चाही नई घोषित जानकारी एवं समस्त सुविधाएँ जानकारी/ दस्तावेज़ सहित प्रस्तुतीकरण दिए जाने हेतु निर्दीकृत किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.इ.ए.सी., छत्तीसगढ़ के द्वापन दिनांक 04/04/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

- (ब) समिति की 523वीं बैठक दिनांक 08/04/2024

प्रस्तुतीकरण हेतु भी प्रकार कीतारी, प्रोप्रोप्राईटर उपस्थित हुए। समिति द्वारा समीक्षा प्रस्तुत जानकारी का अधारोंवाले एवं पर्याक्रम करने पर निम्न विवरि यहाँ दिए—

१. जल एवं धारा सम्बन्धि -

- शोधीय कायांसरय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचयन मंडल, दुर्ग द्वारा दिनांक ०५/०७/२०२३ को निम्न लिखाइन सम्बन्धि हेतु जल एवं धारा सम्बन्धि नवीनीकरण जारी की गई:-

Name of Product	Production Capacity
Anti Corrosive Coal Tar Tape	8,100 Metric Tonnes per Annum (Eight thousand one hundred metric tonnes per annum)
Pipe Coating Material	4,800 Metric Tonnes per Annum (Four thousand eight hundred metric tonnes per annum)
Beumen Tapes	3,500 Metric Tonnes per Annum (Three thousand five hundred metric tonnes per annum)
Anti Corrosive Paints	800 Metric Tonnes per Annum (Eight hundred metric tonnes per annum)
Adhesive & Sealant	500 Metric Tonnes per Annum (Five hundred metric tonnes per annum)
Other coal tar by products (Coal tar pitch)	20,000 Metric Tonnes per Annum (Twenty thousand metric tonnes per annum)
Processed Oil all type	14,400 Metric Tonnes per Annum (Fourteen thousand four hundred metric tonnes per annum)
Cerosoate oil	4,000 Metric Tonnes per Annum (Four thousand metric tonnes per annum)
Primer all type	1,200 Metric Tonnes per Annum (One thousand two hundred metric tonnes per annum)
Water proofing membrane	5,850 Metric Tonnes per Annum (Five thousand eight hundred fifty metric tonnes per annum)
Manufacturing & fabrication of steel, Technological structure, Mechanical equipment, Pressure vessels, Tanks matching Casting, Boiler, Pressure parts	10,000 Metric Tonnes per Annum (Ten thousand metric tonnes per annum)

जो दि दिनांक ०५/०७/२०१८ से दिनांक ०५/०७/२०२८ तक की सम्पत्ति हेतु दिया गया है।

- परिवोजना प्रस्तावक द्वारा वर्तमान में समापित इकाईयों हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचयन मंडल द्वारा जारी सम्पत्ति शर्तों के पालन में की गई कार्यवाही की विन्दुवार जानकारी प्रस्तुत की गई है। समिति का मत है कि वर्तमान में समापित इकाईयों हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचयन मंडल द्वारा जारी सम्पत्ति शर्तों के पालन में की गई कार्यवाही की विन्दुवार जानकारी छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचयन मंडल से प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

२. निकटराम स्थित किलोमीटरी संबंधी प्राप्तिकारी –

- सभीपत्त्य आवादी गालाडी नगर, भिलाई ०.५ किमी की दूरी पर स्थित है। निकटराम ऐलो इंसान भिलाई पीच छालस २.४ किमी की दूरी पर स्थित है। भिलाई विभागातान ७.० किमी की दूरी पर स्थित है। लाइन नंदी २०० मीटर दूर है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा १० किलोमीटर की परिधि में अंतर्राज्यीय ग्रीष्म, राष्ट्रीय उद्यान, अभयासाम्, कीन्हीय प्रदूषण शिवेश्वर घोड़े द्वारा घोषित क्रिटिकली बील्युटेक एवं घोषित विभागीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित उचितिगति क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया गया है।

३. लीज दीव का विवरण – आवेदित क्षेत्र लाईट इंजिनियरिंग एवं भिलाई में है। लीज पेसरी एम.पी. टार प्लॉकट्स के नाम पर है, जिसकी पैष्ठता अवधि दिनांक १०/०४/१९७९ से १५/०४/२०७९ तक है। प्रस्तुतीकरण के दीनम परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि लाईट इंजिनियरिंग एवं भिलाई ग्रामपंचायत शासन द्वारा घोषित किया गया है। भासा सरकार यांत्रिकण, बम एवं फलयाम् परियोजने मंडली, नई दिल्ली द्वारा जारी ऑफिस मेनोरेंजन दिनांक २१/०४/२०१८ में मिमानुसार प्राप्तान है।

(i) The exemption from public consultation, as provided under para 7(i) in State (3)(ii)(b) of the EIA Notification, 2006, to the projects or activities located within the industrial estates or parks, if applicable as under:

- Which were notified by the Central Government or the State/UT Governments, prior to the said Notification coming into the force on 14th September, 2006.
- Which obtain prior environmental clearance as mandated under the EIA Notification, 2006 [Item 7(c) of the schedule to the said Notification]

जल्द प्राप्तानों के तहत लोक सुनवाई की घुट दिए जाने हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा अनुरोध किया गया है। शक्ति का गत है कि लाईट इंजिनियरिंग एवं भिलाई की औद्योगिक क्षेत्र घोषित किए जाने के संबंध में उद्दीप विभाग से प्रभाव पत्र प्राप्त किया जाना आवश्यक है।

४. जैव एवं रस्टेटमेंट –

S. No.	Particular	Total Area (m ²)	Area (%)
1.	Existing units	0.215	14.97
2.	Proposed units	0.136	9.47
3.	Rainwater Harvesting	0.024	1.67
4.	Green Belt	0.474	33.01
5.	Utilities	0.061	4.25
6.	Internal Road	0.349	24.30
7.	Miscellaneous	0.177	12.33
Total		1.436	100

५. श्री—संटोषियल —

S.No	Raw Material	Quantity (TPA)			Unit
		Existing	Proposed	Total	
1.	Crude Coal Tar / Pitch Creosote Mixture / Granulated Pitch / Soft medium pitch (Liquid and lumps) / Imported pitch	36,000	89,000	1,25,000	MT / Year

Source - SAIL - Bhilai Steel Plant, Rourkela Steel plant, Durgapur Steel plant, RINL - Visakhapatnam Steel plant, NSCO Burnpur, Jindal Steel & Power Limited Augul, Tata Steel Limited, Jamshedpur, Kalinganagar, Epsilon Carbon, Evonik Steel, Wardha etc.

६. समाप्ति एवं प्रकल्पित इकाईयों संबंधी जानकारी –

Name of the Unit	Product	Quantity			Unit
		Existing	Proposed	Total	
Coal Tar Distillation Plant	Anti corrosive coal tar tapes	8,100	-	8,100	Metric Ton/year
	Pipe coating materials	4,800	-	4,800	Metric Ton/year
	Bitumen Tape	3,500	-	3,500	Metric Ton/year
	Anticorrosive paints	800	-	800	Metric Ton/year
	Adhesive and sealant	500	-	500	Metric Ton/year
	Other Coal Tar products (Coal Tar Pitch)	20,000	50,000	70,000	Metric Ton/year
	Processed Oil all types	14,400	-	-	Metric Ton/year
	Primer all types	1,200	-	-	Kilo Liters/year
	Creosote oil/ATO	4,000	40,000	44,000	Metric Ton/year

७. कोलतार पिल एवं अन्य बाई-प्रोडक्ट्स के प्रयोग हेतु हारिष्ठीन्टर्स डिटीलेशन इकाई का उपयोग किया जाता है। यांचे नाम यों दिये गोन्हेच डिटीलेशन वैशल में दाखल आला है। डिटीलेशन वैशल में काढ्ये नाम को लीरे-लीरे नर्म किया जाता है। डिटीलेशन वैशल में इंधन के रूप में पद्धत और ल का उपयोग किया जाता है। डिटीलेशन वैशल को काढ्ये नाम को नर्म किये जाने के उपरांत कम्फ्रेन्सर को मागण से उभा किया जाकर अलग-अलग घानता को अनुसार कोलतार पिल, लाईट ऑफ्स/मैचलिन, क्रियोसोट ऑफ्स एवं अन्य बाई-प्रोडक्ट्स का प्रयोग किया जाता है।

८. यांचे प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था – यांचे प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की प्रिस्तुत प्रिवरण/जानकारी (प्रतीमान में समाप्ति इकाई एवं प्रकल्पित इकाईवालाप उपरोक्त प्रदूषण नाम ती गणना की जानकारी सहित) फाईल ईआईए प्रिवर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाना प्रकल्पित है।

९. लोस अपशिष्ट उपचारन व्यवस्था –

S. No.	Solid Wastes	Quantity (TPA)		Management
		Existing	Proposed	
1.	Decanter tank tar sludge	36 MT/year	122.5 MT / year	After Treatment to be used within the Premises / to be sold to Authorized Recyclers
2.	Oil and Grease skimming	0.6 MT/year	1.75 MT / year	Reused / to be sold to authorized recyclers / sold to cement manufacturers

१०. जल प्रबंधन व्यवस्था –

- जल चापत सूख क्रीड़त – कर्मगान में परियोजना हेतु कुल 15 घनमीटर प्रतिदिन (परेलू उपयोग हेतु 1 घनमीटर प्रतिदिन, औद्योगिक परियोजना हेतु 10 घनमीटर प्रतिदिन, जलवायर फाईटिंग हेतु 2 घनमीटर प्रतिदिन, डस्ट साफ्टेसन/किलमिंग हेतु 1 घनमीटर प्रतिदिन एवं ऊन्या हेतु 1 घनमीटर प्रतिदिन) का उपयोग किया जाता है। प्रस्तावित कार्यकालाप उपरात परियोजना हेतु कुल 60 घनमीटर प्रतिदिन (परेलू उपयोग हेतु 3 घनमीटर प्रतिदिन, औद्योगिक परियोजना हेतु 40 घनमीटर प्रतिदिन, जलवायर फाईटिंग हेतु 8 घनमीटर प्रतिदिन, डस्ट साफ्टेसन/किलमिंग हेतु 8 घनमीटर प्रतिदिन एवं ऊन्या हेतु 3 घनमीटर प्रतिदिन) का उपयोग किया जाता है। जल की अनुमति टैकर के नाम्यम से की जाती है। समिति का मत है कि जल की अनुमति टैकर के नाम्यम से किये जाने हेतु सरकारी विभाग/कार्यालय से अनुमति प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- जल प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था – कर्मगान में औद्योगिक दूषित जल की उपचार हेतु 13 किलोलीटर प्रतिदिन कामता का हैटीपी नस्तापित है। प्रस्तावित कार्यकालाप हेतु औद्योगिक 8 किलोलीटर प्रतिदिन कामता का हैटीपी नस्तापित किया जाना प्रस्तावित है। परेलू दूषित जल के उपचार हेतु सैफिक टैक सौफ लीट नस्तापित है। समिति का मत है कि प्रस्तावित कार्यकालाप उपरात उत्पन्न औद्योगिक दूषित जल एवं परेलू दूषित जल की मात्रा एवं तदानुसार उपचार नियंत्रण की जानकारी चाहीचल इंजीनियरिंग की साथ प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- मूः-जल सफ्टेसन प्रबंधन – ऊद्योग नाल सैट्रल शार्ट्स बोर्ड के अनुसार संफूल जौन में आता है। जिसके अनुसार –
 - गृहित एवं नाम्यम ऊद्योगी को कम से कम 40 प्रतिशत दूषित जल का गुणवत्त्व एवं पुनरुपयोग किया जाना है।
 - शार्ट्स बाटर रियार्न हेतु अपनाई गई लकड़ीक जला रेनवाटर हार्डिस्टेन / और्टिपिटिशियल जल रियार्न के अन्तर पर मूः-जल निकाले जाने की अनुमति सैट्रल शार्ट्स बोर्ड बौद्धि द्वारा दिये जाने का प्रावधान था। ऊद्योग को रेनवाटर हार्डिस्टेन व्यवस्था किया जाना आवश्यक है।

11. ऐन बीटर हार्डिंग व्यवस्था - ऐन बीटर हार्डिंग व्यवस्था की प्रस्तुति लिपरम्परा/जानकारी कार्डबॉल ईआईए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

12. विद्युत आपूर्ति स्रोत - बहुमान में परियोजना छेत्र 150 के लीए. विद्युत की आवश्यकता होती है। प्रस्तावित गतर्वकलाप उपरात परियोजना छेत्र 320 के लीए. विद्युत की आवश्यकता होती है। विद्युत की आपूर्ति छत्तीसगढ़ सर्व विद्युत लिपरम्परा व्यवस्था द्वारा जारी है। उदाहरणीय व्यवस्था द्वारा चौथी गोट के संबंध में प्रस्तावित कार्डबॉल ईआईए. रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

13. शुल्कारोपण संबंधी जानकारी - हरित पटिका के विकल्प हेतु कूल कीमत के 0.474 (एनटीयर (33 प्रतिशत) के स्रोत में शुल्कारोपण किया जाना प्रस्तावित है। सभितों का भत्ता है कि शुल्कारोपण (पौधों के संख्या निष्ठित) छेत्र वीथों का लोपण, सुखा हेतु फैलाव, खाद एवं विनाशी तथा रक्ष-रक्षाव की लिए 5 वर्षी का वर्षावर घटकरम एवं समयावधि व्यय का विवरण सहित प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर सभितों द्वारा विभाव विभाव उपरात वर्द्धकाभावी से प्रकरण है—। कॉटेनरों का होमे की कारण भारत सरकार की पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भागीदारी, नई दिल्ली द्वारा अप्रैल, 2015 में प्रकाशित स्टैफ़र्ड टनो ऑफ़ रिफरेंस (टीओआर) कोर ईआईए./ईएमडी. रिपोर्ट फॉर प्रोजेक्ट/एक्टीविटीज रिकार्डिंग इन्वायरनेंट बहीपरेस आधार ईआईए. नीटिपिक्सेशन, 2006 में घोषित केन्द्रीय (वी)ए/वी) कोलकाता प्रसंस्कारण इकाईया हेतु स्टैफ़र्ड टीओआर (लाइट इण्डस्ट्रीयल एरिया निलाई को ओटोगिक क्षेत्र घोषित किये जाने के संबंध में उद्योग विभाग से इनाम पत्र प्राप्त कर एसईआईए. छत्तीसगढ़ ने यमा किये जाने के लिए को अहीन ही विना लोक सुनायाई) निम्न अंतिरिक्ष विनुक्ती निष्ठित जारी किए जाने की अनुशंसा की गई—।

- i. Project proponent shall inform SEIAA & S.E.A.C. Chhattisgarh before commencement of Baseline Data Generation and start of monitoring work for preparation of EIA Study Report.
- ii. Project proponent shall submit the plant layout plan with KML file.
- iii. Project proponent shall submit certified compliance report from Chhattisgarh Environment Conservation Board of air and water consent.
- iv. Project Proponent shall submit a layout of area proposed for plantation, earmarking atleast 10 to 15m wide green belt all along the periphery of the project area & make green belt of atleast 33% of the total area.
- v. Project proponent shall submit an affidavit stating that no harm, no damage and no contamination shall be committed to nearby water bodies.
- vi. Project proponent shall submit details of water balance chart.
- vii. Project proponent shall submit the requirement of water alongwith water balance chart mentioning domestic usage, industrial usage, plantation purpose, dust suppression purpose etc. Accordingly project proponent shall submit the details of ETP (alongwith process-flow chart) and treatment of domestic waste water generation.
- viii. Project Proponent shall submit detailed proposal for maintaining zero liquid discharge condition.

- ix. Project proponent shall submit details of air pollution control equipments with stack height calculation and pollution emission level calculation.
- x. EIA study shall be done at minimum 8 no. of stations for data collection considering the pre-dominant wind direction.
- xi. Project proponent shall submit the copy of panchamsa and photographs of every monitoring station.
- xii. Project proponent shall submit calculation regarding total storm water received in the premises, potential of rainwater harvesting and quantity to be harvested along with details of proposed structures in EIA report.
- xiii. Project proponent shall submit details of Traffic Impact study report.
- xiv. Project proponent shall submit details of DG set alongwith stack height calculation.
- xv. The project proponent shall submit an undertaking that there is no court case pending relating to this project before any Court of Law in India.
- xvi. The project proponent shall submit an undertaking in the form of an affidavit stating that there is no violation of Notification S.O. 804(E) dated 14/03/2017 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India and the direction given by Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Common Cause vs Union of India order dated 02.06.2017.
- xvii. Project proponent shall submit the details of plantation undertaken during the current year & shall submit the details of proposed plantation incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost, maintenance cost for atleast 5 years and the detailed DPR alongwith photographs in the EIA report.
- xviii. Project proponent shall submit DPR (Detailed Project Report) of CER proposals with details of works alongwith their estimates including land cost and incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost and maintenance cost for atleast 5 years & incorporate in the EIA report.

राज्य सतरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रतिकरण (एस.ओ.आई.ए.ए.) अंतीमानुष्ठान सूचित किया गया।

६. ऐसरी विशेष मिलान (प्री- श्री रमेश सूरजना, कडे कामेली आर्टिनिंग स्टोर कार्पॉरेशन (ए-१)), छान-कडे कामेली, ताडोली-दनोराहा, जिला-यशवंत देहौलाडा (समिक्षालय का नम्रता क्रमांक 2994)

विषय वस्तु	आवेदित प्रकरण से संबंधित हिवरण	समिक्षि द्वारा नीट किया गया कि
अधिनियम कानून	टी.ओ.आई.ए - 457272 एवं 03 / 01 / 2024	
खदान का प्रकार	साधारण प्राकरण (गोल खनिज) खदान	संचालित (अन्तरा विस्तार)
हीचकल एवं छाना	4 हेक्टेयर एवं 40,000 से बढ़ाना 1,85,387 टन प्रतिवर्ष	खलान है।
खानारा क्रमांक	796	खलान है।
पैठक का विवरण	513वीं पैठक दिनांक 13 / 02 / 2024	प्रस्तुतीकरण हीरु सूरजना दिनांक 08 / 02 / 2024

प्रस्तुतीकरण हेतु वे समाज निषेध या कोई अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि लाइसेंस जानकारी अवूप्य होने के कारण से संगीत के सामग्री वित्तक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आयोजित वित्तक में सभी प्रदान करने हेतु अनुशोध किया जाया है।

लाइसेंस द्वारा संबंधित सर्वशम्भवि से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में चाही गई लाइसेंस जानकारी एवं समस्त सुनांगत जानकारी / दस्तावेज लाइसेंस प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु विस्तृत विषय जाए।

लाइसेंस की 523 की वैठक दिनांक 08/04/2024:

विषय वस्तु	आवेदित प्रकरण से संबंधित विवरण	लाइसेंस द्वारा नोट किया जाया कि
वैठक या विवरण	523 की वैठक दिनांक 08/04/2024	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 04/04/2024
प्रस्तुतीकरण हेतु सुपरिचित प्रतिनिधि		की रैमेज सुरक्षा, ड्रॉफरडाटर संपर्कित हुए।
मू—प्राप्तिवेदन	सामाजीक गृहि	सालग्राम है।
पूर्व में जारी हुए	लालन का प्रकार — साधारण प्रकार (सीप खनिज)। लालन क्रमांक — 790 लोगोंका — 4 हेक्टेयर लालन — 40,000 टन प्रतिवर्ष दिनांक — 07/12/2016	दी.इ.आई.ए.ए. लिस्ट— दक्षिण बराम दलेवाला पर्यावरणीय स्वीकृति की वैठक दिनांक 18/02/2024 तक है।
पूर्व में जारी हुए का पालन प्रतिवेदन	नव—प्रमाणित — ही लालन वित्तार के तहत — एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।	
विनाश वस्तु वे विनाश वस्तु सुल्खानन की जानकारी	दिनांक 19/01/2024	वर्ष 2016–17 में निरुक्त वर्ष 2017–18 में 554.20 टन वर्ष 2018–19 में 6,387.97 टन वर्ष 2019–20 में 2,601.31 टन वर्ष 2020–21 में 4,819.91 टन वर्ष 2021–22 में 12,587.30 टन वर्ष 2022–23 में 37,033.60 टन
ग्राम पर्यावरण इन्स्प्रीटरी	ग्राम पर्यावरण के लिए 10 वर्ष हेतु विषय ही।	सुल्खानन के संबंध में ग्राम पर्यावरण के अनावृति प्रमाण वज्र की अदानन प्रति प्रस्तुत किया जाना प्राप्तश्वर्ण है।
सुल्खानन योजना अनुमोदन	दिनांक 28/04/2021	संलग्न है।

500 मीटर	दिनांक 11/05/2023	1 खाद्याल लोडकल 1.53 हेक्टेयर
300 मीटर	दिनांक 11/05/2023	प्रतिवेशित क्षेत्र मिसेत मही संतुष्ट है।
लौज शीत	लौज शारक - मेसारी पिराट गिरवत्ता माही-19/02/2034 से 18/02/2034	
बन विभाग एन.जी.टी.	बन वण्डुलधिकारी, देवेशाहा बन वण्डुल, दतीकाहा हाथा जारी दिनांक 06/05/2024	बन क्षेत्र से दूरी - 5 किमी.
महत्वपूर्ण संरक्षणार्थी की दूरी	आवादी ग्राम - बड़े कमली 1 किमी. स्थूल ग्राम - बड़े कमली 1 किमी. असपालाल - भनसी 7.2 किमी. सुन्दीय राजगार - 25 किमी. हजारगार - 7.2 किमी.	संतुष्ट - 1 किमी. सुन्दीय गढ़ी - 820 मीटर
पारिविधिकीय/ जीवविविधा संवेदनशील क्षेत्र	5 किमी की परिधि में जलसंग्रहीय लोहा, सुन्दीय उदान, अभयारण्य, कंठीय प्रदूषण मिवेश्वर बोर्ड द्वारा संचित डिटिकली पील्युटेक एवं प्राची, पारिविधिकीय संवेदनशील लोह या प्राची जीवविविधा क्षेत्र स्थित नहीं है।	संतुष्ट है।
खानन संधारा एवं खानन का विवरण	खलखलन विधि - औपन कास्ट सेन्ट मैक्रोइंज़्ड ट्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग - हो रिक्वर्ट - जिलोलीजिकल 12,62,014 टन माइनेशल 8,57,090 टन ट्रिल्यूरेशल 8,14,235 टन प्रकलापित गहराई 26 मीटर बैंग गो ऊर्ध्वाई 2 मीटर बैंग गो गोडाई 2 मीटर सांगायित आयु 30 वर्ष स्थापित एवं प्रकलापित गहरा - नहीं	पर्यावर सख्तनन झप्पम 1,69,523 टन ट्रिलीय 1,69,533 टन हृतीय 1,85,367 टन बैंग 1,57,482 टन पश्च 1,74,759 टन
खलखलन के लिए प्रतिवेशित लोह	लौज के 7.5 मीटर का शोराफल - 6,180 वर्गमीटर	खलखलन - नहीं
कमरी मिट्टी/ ओक्सर बहन प्रबोधन गोलना	वर्तमान में कमरी मिट्टी अवासित नहीं है।	संतुष्ट है।
खत्ता आनुसूति	मात्रा - 7 मनमीटर सत्रों - टैकरी के गहरायम से	गहर घंथायत बड़े कमली का सहजीत प्रबोधन किया गया है।
कुआरोंपान कार्य	लौज क्षेत्र की 7.5 मीटर की लोहा पट्टी के गहरी ओर कुआरोंपान - 800 नग	प्रस्तावित कार्य हेतु 5 लंबे की शक्ति - 6,45,182 रुपये
शेषी	बी।	आपेक्षित खदान को पिलाकर कुल क्षेत्रकल 5.53 हेक्टेयर है।

1. माननीय एन.जी.टी., प्रिसिपल बैथ, वही यिल्ली द्वारा खालीपाणी विरुद्ध भारत
सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली एवं अन्य

(ऑपरेशनल एप्लिकेशन नं. 188 ओफ 2010 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2010 की प्रतिक्रिया अदेश में सुख्ख क्षय से निम्नानुसार निर्दिष्ट विधा गया है:-

- a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha, falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
- b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

नामिति द्वारा विधार विभाग उपरोक्त सर्वसम्मिलि से निम्नानुसार निर्धारित विधा गया है-

1. यूवे में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिकेदन की संघर्ष में एकीकृत शोधीय कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर की पत्र संख्या निम्ना जाए।
2. प्रबन्धणा 'की' केंटेनरी का छोने के कारण भारत सरकार पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अप्रैल, 2015 में प्रकाशित स्टैम्पडर्ड एम्सी ओफ रिकॉर्ड्स (टीओआर) पॉर्ट इंआईए/इ-एम्सी रिपोर्ट फौर प्रोजेक्ट्स/एकटीडीटीज रिजायर्सिंग इन्डियर्स अण्डर इंआईए मंट्रिलियोसन, 2008 में निर्दिष्ट थीं। एक एकल टीओआर (वीक चुनवाई राहिल) नीन कोल मार्टिनिंग प्रोजेक्ट्स हेतु निम्न अंतिरिक्त टीओआर के साथ जारी किये जाने की अनुमति दी गई।
 - i. Project proponent shall inform SEIAA & S.E.A.C. Chhattisgarh before commencement of Baseline Data Generation and start of monitoring work for preparation of EIA Study Report.
 - ii. Project proponent shall submit compliance report of previous environmental clearance from Integrated Regional Office, MoEF&CC Raipur.
 - iii. Project proponent shall submit the Individual Environment Management Plan and Common Environment Management Plan.
 - iv. Project proponent shall submit the valid copy of NOC Gram Panchayat for mining.
 - v. Project proponent shall submit the details of monitoring equipments alongwith its specification. Project proponent shall monitor as per the Methodology issued by MoEF&CC.
 - vi. Project proponent shall submit an affidavit for commitment to the public (Objections/suggestions raised by public) during Public Hearing.
 - vii. Project proponent shall ensure that mining lease area to be demarcated by erection of boundary pillars at all corner and area to be fenced.
 - viii. The project proponent shall submit an undertaking that there is no court case pending relating to this project before any Court of Law in India.
 - ix. EIA study shall be done at minimum 8 no. of stations for data collection considering the pre-dominant wind direction.
 - x. Project proponent shall submit the copy of panchnamsa and photographs of every monitoring station.
 - xi. Project proponent shall submit the species wise detail, list of trees standing in lease area.

- xii. Project proponent shall submit a Cumulative Environment Impact Assessment Study (Air, Water, Noise, Soil, Traffic etc) of the mines located in the nearby area and Ecology of the buffer zone of study area and shall incorporate the same in the EIA report.
- xiii. Project proponent shall submit an affidavit that he will not cut any tree without permission of district collector.
- xiv. The project proponent shall submit an undertaking in the form of an affidavit stating that there is no violation of Notification S.O. 804(E) dated 14/03/2017 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India and the direction given by Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Common Cause vs Union of India order dated 02.08.2017.
- xv. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) and undertake plantation & incorporate in the EIA report.
- xvi. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of 7.5 meter width of mine lease periphery & do plantation during the current year incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost, maintenance cost for atleast 5 years and the details alongwith photographs in the EIA report.
- xvii. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of plantation & maintenance for 5 years & undertake plantation (as far as possible tree bearing species) within the mining lease area as per guidelines issued from time to time and particularly in the 7.5 meter safety zone area of minimum 05 feet height and shall maintain minimum 80% survival rate. The plantation shall be maintained by project proponent for atleast 5 years. Project proponent shall submit half yearly reports regarding compliance to the Authority. The details to be submitted alongwith Geotag photographs in the EIA report.
- xviii. Project proponent shall submit DPR (Detailed Project Report) of CER proposals with details of works alongwith their estimates including land cost and incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost and maintenance cost for atleast 5 years & incorporate in the EIA report.

सम्पूर्ण नारीय पर्यावरण प्रभाग आकालन प्राधिकरण (एसईआईएपी), भारतीय संघ की तयारीशार शुभित दिना ज्ञाए।

५. ऐसीटि विशेष मिनरल्स (प्रौ.- की इमारा चुराना, बड़े कानेली आर्डिनरी रुटोन एक्टरी(ए-२)), चाम-बड़े कानेली, राहसील-देवगढ़, जिला-दिल्ली बहर देलीवाड़ा (संपिकालय का नम्रता अमांक 2008)

विषय वस्तु	आवेदित प्रकल्प से संबंधित त्रिकरण	संभिति द्वारा नीट किए गया कि
अैनसलॉर्ट आर्केन	टी.ओ.आर - 467363 एव 03 / 01 / 2024	
खदान का प्रकार	सामान्य प्रकार (गोण खनिज) खदान	संचालित (समाप्त विताव)
क्षेत्रफल एवं कामता	1.53 हेक्टेयर एवं 25,000 टन प्रतिवर्ष से 80,346 ट्रॉलियर्स	संलग्न है।
कामता अमांक	571	संलग्न है।

वैतक का विवरण	613वीं वैतक दिनांक 13/02/2024	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 08/02/2024
---------------	-------------------------------	---

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री छगन लिंग डॉ. अधिकृत प्रतिनिधि उपलिखित हुए। परियोजना प्रस्तावका द्वारा बताया गया कि वार्षिक ज्ञानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति के समस्त वैतक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आयोजित वैतक में सभी प्रश्न करने हेतु अनुरोद किया गया है।

समिति द्वारा उत्तराधिकारी से निर्विच लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावका को पूर्व में याही गई वार्षिक ज्ञानकारी एवं समस्त सुसंगत ज्ञानकारी / दस्तावेज वार्षिक प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

समिति की 523वीं वैतक दिनांक 08/04/2024

विषय वस्तु	आयोजित प्रकरण से संबंधित विवरण	समिति द्वारा नोट किया गया कि प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 04/04/2024
वैतक का विवरण	523वीं वैतक दिनांक 08/04/2024	प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 04/04/2024
प्रस्तुतीकरण हेतु उपलिखित प्रतिनिधि		श्री रमेश सुरामा, प्रोफरेसर उपसिंचित हुए।
पूर्व में जारी हुई	सांख्यिकीय भूमि सुदान का प्रकार – सापारन पत्थर (रीफ चार्गिज) सुदान सुरक्षा जनरल – 871 होफरफल – 1.53 हेक्टेयर आमता – 25,000 टन प्रतिवर्ष दिनांक – 07/12/2016	सी.इ.आई.ए.ए. जिला-दक्षिण वस्तर दरोवादा पर्यावरणीय वरीकृति की दैत्य दिनांक 29/01/2024 तक है।
पूर्व में जारी हुई जा वाला प्रतिवेदन	सम-प्रभागिता – ही आमता विकार के तहत – एकीकृत हीवीय कार्बोरेस्ट, भारत सरकार, पर्यावरण, जन एवं जलवायु प्रदिव्यनि गवाहया, नवा राष्ट्रपुर आठम नगर – अद्वाय	भूकि एवं आमता विकार का प्रकरण है। अतः परियोजना प्रस्तावका द्वारा एकीकृत हीवीय कार्बोरेस्ट, भारत सरकार, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा राष्ट्रपुर आठम नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का जालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
विवर वाली में किसे गमे उत्तराधिकारी की खण्डित विभाग द्वारा प्रभागिता ज्ञानकारी	दिनांक 19/01/2024	वर्ष 2016–17 में 1,215.98 टन वर्ष 2017–18 में निर्दिष्ट वर्ष 2018–19 में 6,169.56 टन वर्ष 2019–20 में 2,195.01 टन वर्ष 2020–21 में 3,734.33 टन वर्ष 2021–22 में 11,247.00 टन वर्ष 2022–23 में 21,669.22 टन
आम वैधायिक एनडीसी	आम वैधायिक कड़े ज्ञानकारी दिनांक 16/09/2003 05 वर्ष हेतु ऐप ली।	उत्तराधिकारी के संबंध में आम वैधायिक के अनापत्ति प्रभाग पर वी अद्वायन प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
उत्तराधिकारी द्वारा जारीकीय	दिनांक 29/04/2023	संलग्न है।

500 मीटर	दिनांक 11/05/2023	1 खंडान, क्षेत्रफल 4 हेक्टेयर प्रतिवर्षित दोष निर्धारित नहीं है।
200 मीटर	दिनांक 11/05/2023	पूर्व में लौज घारवा - गेहवा पूर्वक निमरत्ता (प्री- श्री अश्वीय नालदीय) लौज कीड़ छसतातरन - दिनांक 09/04/2021
लौज बीबी	गर्वनान लौज घारवा - गेहवा निशाच निमरत्ता आपसि-30/01/2034 से 29/01/2034	लौज कीड़ छसतातरन - दिनांक 09/04/2021
दन विभाग एन.ओ.सी.	कर्मचारिय वनमण्डलादिकारी लौजवाला दन मन्डल, दंतेपाला छाता जासी दिनांक 05/02/2024	दन क्षेत्र से दूरी - 5 कि.मी.
नहरपूर्व लौजवाली की दूरी	आगामी द्वान - वहु कमेली 1.57 कि.मी. स्थूल द्वान - 450 मीटर अभयताल - भवनी 8.5 कि.मी. शाढ़ीय राजमार्ग - 20 कि.मी. राज्यमार्ग - 6.2 कि.मी.	रोकनी नहीं 500 मीटर
पारिस्थितिकीय/ जैवविविधा संवर्धनशील दोष	5 कि.मी. लौज विभिन्न में झोलारीजलीय लौज, शाढ़ीय लौज, अभयताल, कोन्दीय प्रदूषण नियन्त्रण कोई द्वारा घोषित किसिटेकली पील्लुटेल एवं पारिस्थितिकीय संवर्धनशील दोष का घोषित जैवविविधा दोष नियम नहीं है।	संलग्न है।
खनन संपदा एवं खनन का विवरण	उत्थनन विलि - ऊपर कास्ट सेमी मेल्हेनाईजल डिसिंग एवं उन्टोल लासिंग - ही रिजार्क - जिगोलीजिकाल 7,89,484 टन नाईनेचल 4,01,349 टन डिकार्डरेचल 3,61,281 टन प्रस्तावित बहाराई 23 मीटर वेच ली रुगाई 3 मीटर वेच ली चीड़ाई 3 मीटर संभावित आगु 30 वर्ष उपायित एवं प्रस्तावित कालर - नहीं	कर्वार प्रस्तावित उत्थनन प्रथम 83,525 टन द्वितीय 82,797 टन तृतीय 82,407 टन चतुर्थ 88,346 टन पाँचम 66,261 टन
उत्थनन के लिए प्रतिवर्षित दोष	लौज के 7.5 मीटर का क्षेत्रफल - 3,750 कर्वारीटर	उत्थननीता - नहीं
कम्पटी निट्रो/ ओक्सर बर्क्स प्रबंधन दोषना	जलगान में कम्पटी निट्रो अवास्था नहीं है।	संलग्न है।
जल आपूर्ति	मात्रा - 5 घण्टमीटर स्रोत - ईकारी के गावधान से	जल पंचायत को कमेली का सहभागी पात्र प्रस्तुत किया गया है।
पुरानीपन कार्य	लौज शेज की 7.5 मीटर खोली जीवा बटटी के द्वारा और दूसारीपन - 250 नग	प्रस्तावित काले हेतु 5 वर्ष की तारी - 6,13,410 लघुये
क्षेत्री	बी-१	आवेदित खंडान को गिलाकर कुल क्षेत्रफल 5.83 हेक्टेयर है।

1. भारतीय एनलीटी, ग्रिसिपल बी.ए. नई डिल्ली द्वारा सार्वजनिक पार्श्वीय विस्तृत भवन संरक्षण, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन संबंधित, नई डिल्ली एवं अन्य (श्रीनगरनगर एवं कोकण नं. 188 ऑफ 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को पारित आदेश में सुल्य रूप से निम्नानुसार निर्देशित किया गया है:-

- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
- If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

सभी द्वारा दिया गया सम्बन्धित सुविधाओं को निम्नानुसार विवेचित किया गया-

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय त्वीकृति का पालन प्रतिबोधन के संबंध में एकीकृत हीचीय कार्यालय पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन, नियन्त्रण, भारत बरकार, रायपुर को प्रत्यक्ष रूप से जारी किया जाए।

2. प्रकल्प 'बी' के लिए कर होम के काला भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन नियन्त्रण द्वारा ऑफ 2015 में प्राप्तिका स्टैणडर्ड इन्व ऑफ रिफरेंस (टीआईआर) कोर ईआईए./ईएम.पी. रिपोर्ट कीर प्रोजेक्ट्स/एकटीकिटीज रिसायर्चिंग इन्डियर्स अप्स ईआईए. नोटिफिकेशन, 2008 में दर्जी थी। (ए) का उत्तराधीन टीआईआर (लोक सुनवाई राइट) नीन कोल मार्किन ग्रोप्स लिमिटेड द्वारा निम्न अंतिकार दीक्षातार के साथ जारी किये जाने की अनुमति की गई।

- Project proponent shall inform SEIAA & S.E.A.C. Chhattisgarh before commencement of Baseline Data Generation and start of monitoring work for preparation of EIA Study Report.
- Project proponent shall submit compliance report of previous environmental clearance from Integrated Regional Office, MoEF&CC Raipur.
- Project proponent shall submit the Individual Environment Management Plan and Common Environment Management Plan.
- Project proponent shall submit the valid copy of NOC Gram Panchayat for mining.
- Project proponent shall submit the details of monitoring equipments alongwith its specification. Project proponent shall monitor as per the Methodology issued by MoEF&CC.
- Project proponent shall submit an affidavit for commitment to the public (Objections/suggestions raised by public) during Public Hearing.
- Project proponent shall ensure that mining lease area to be demarcated by erection of boundary pillars at all corner and area to be fenced.
- The project proponent shall submit an undertaking that there is no court case pending relating to this project before any Court of Law in India.
- EIA study shall be done at minimum 8 no. of stations for data collection considering the pre-dominant wind direction.
- Project proponent shall submit the copy of panchnams and photographs of every monitoring station.

- xi. Project proponent shall submit the species wise detail, list of trees standing in lease area.
- xii. Project proponent shall submit a Cumulative Environment Impact Assessment Study (Air, Water, Noise, Soil, Traffic etc) of the mines located in the nearby area and Ecology of the buffer zone of study area and shall incorporate the same in the EIA report.
- xiii. Project proponent shall submit an affidavit that he will not cut any tree without permission of district collector.
- xiv. The project proponent shall submit an undertaking in the form of an affidavit stating that there is no violation of Notification S.O. 804(E) dated 14/03/2017 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Government of India and the direction given by Hon'ble Supreme Court of India in the matter of Common Cause vs Union of India order dated 02.08.2017.
- xv. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) and undertake plantation & incorporate in the EIA report.
- xvi. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of 7.5 meter width of mine lease periphery & do plantation during the current year incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost, maintenance cost for atleast 5 years and the details alongwith photographs in the EIA report.
- xvii. Project proponent shall submit the DPR (Detailed Project Report) of plantation & maintenance for 5 years & undertake plantation (as far as possible tree bearing species) within the mining lease area as per guidelines issued from time to time and particularly in the 7.5 meter safety zone area of minimum 05 feet height and shall maintain minimum 90% survival rate. The plantation shall be maintained by project proponent for atleast 5 years. Project proponent shall submit half yearly reports regarding compliance to the Authority. The details to be submitted alongwith Geotag photographs in the EIA report.
- xviii. Project proponent shall submit DPR (Detailed Project Report) of CER proposals with details of works alongwith their estimates including land cost and incorporating the plant cost, fertilizer cost, irrigation cost and maintenance cost for atleast 5 years & incorporate in the EIA report.

साम्य वर्तीय पर्यावरण भ्रमाद आकलन प्रणिकरण (एस.ई.आई.ए.ए.) अन्तीमता को छदानुसार सुनिश्चित किया जाए।

7. नेपाली हाल्डीशिया लॉर्डिंगरी स्टोर क्षेत्र (प्र.- श्री राधि कुमार अधिकारी),
साम-हल्डीशिया, राहनील-पश्चालगाँव, जिला-जालपुर (संचिवालय का नामीक 2086)

बैनलाइन आवेदन – प्रधानमन्त्री – एसआईए / सीजी / एनआईएन / 434928
/ 2023, दिनांक 25/07/2023 द्वारा पर्यावरणीय क्षेत्रकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण – यह पूर्व से संचालित सामाजिक पत्रक (सीए रुग्मिणी) खदान है।
खदान साम-हल्डीशिया, राहनील-पश्चालगाँव, जिला-जालपुर रिस्ता बरुरा गान्धी

326, कुल शोकल-1 हैक्टेयर में है। जमान की आवेदित उत्तरानन कमता-9,976.52 टन प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एकहाँसी, छलीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 21 / 09 / 2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुधित किया गया।

शैठकी वा विवरण -

(अ) सभिति की 489वीं बैठक दिनांक 26 / 09 / 2023 :

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिभिति उपरिक्त नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 26 / 09 / 2023 द्वारा सूचना दी गयी है कि वाहित जानकारी अपूर्ण होने के कारण ही सभिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना चाहिये नहीं है। अतः अधिनियम समव प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

सभिति द्वारा तत्त्वमय सर्विसमिति से विर्यय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा वाहित जानकारी एवं अनुरोध पत्र प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एकहाँसी, छलीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 06 / 02 / 2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुधित किया गया।

(ब) सभिति की 614वीं बैठक दिनांक 14 / 02 / 2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिभिति उपस्थित होना चाहिये। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 14 / 02 / 2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि जानकारी अपूर्ण होने के कारण ही सभिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना समव नहीं है। अतः आगामी आवधित बैठक में समव प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

सभिति द्वारा तत्त्वमय सर्विसमिति से विर्यय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक वो पूर्व में जारी गई वाहित जानकारी एवं समस्त सुलगत जानकारी / दस्तावेज इहां प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित लिया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एकहाँसी, छलीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 04 / 04 / 2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुधित किया गया।

(स) सभिति की 523वीं बैठक दिनांक 08 / 04 / 2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी जलि युक्त अवधार, धोपराईटर उपस्थित हुए। सभिति द्वारा नहीं, प्रस्तुत जानकारी वा अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न विवरि याइ गई-

i. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता संकेती विवरण-

1. पूर्व में पर्यावरण पर्यवरण नमांक 326, कुल शोकल-1 हैक्टेयर कमता-13,393.52 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्थीरता जिला सर्वीय पर्यावरण नमांक निर्धारण प्राधिकरण, जिला-जलपुर द्वारा दिनांक 21 / 02 / 2017 को जारी की गई।

2. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता को जलि के पालन में की गई कार्यकारी की रथ-प्राभागित जानकारी प्रस्तुत की गई है।

3. निर्धारित सततगुप्तार 100 नग दूलारीपण किया गया है।

4. कार्यालय कलेक्टर (सभिति जाल), जिला-जलपुर के ज्ञापन नमांक 218 / सभिता / 2023 जलपुर, दिनांक 14 / 02 / 2024 द्वारा जारी अनावशिय प्रमाण अनुसार विगत वर्षों में लिये गये सततगुप्तार की जानकारी निम्नानुसार है:-

वर्ष	प्रत्यादन (टर)
21 / 02 / 2017 से 31 / 03 / 2017	निरूप
2017-18	236
2018-19	86
2019-20	106
2020-21	45
2021-22	50
2022-23	60
2023-24 (सिताम्बर 2023 तक)	15

2. जात्ययी पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र – उत्तराखण्ड एवं काशी की स्थापना के संबंध में जात्ययी पंचायत आदानपान का दिनांक 11 / 09 / 2006 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्तराखण्ड लोजना – लियाईसेन्स कार्यालय प्रस्तुत किया गया है, जो उप संचालिक (एस.ए.) जिला-जापगढ़ के पू. जापगढ़ क्रमांक 1308A/ए.ए.सि.-2 / 2021 द्वारा, दिनांक 02 / 07 / 2021 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान – कार्यालय कलेक्टर (शानिज जात्या), जिला-जापगढ़ के जापगढ़ क्रमांक 218/खानिया./2023 जापगढ़, दिनांक 21 / 06 / 2023 अनुसार आवंटित खदान से 500 मीटर की पीठपर अवस्थित अन्य खदानों की संख्या निर्दिष्ट है।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित शार्ट्जनिक लोड/सॉर्चनाईट – कार्यालय कलेक्टर (शानिज जात्या), जिला-जापगढ़ के जापगढ़ क्रमांक 218/खानिया./2023 जापगढ़, दिनांक 21 / 06 / 2023 द्वारा जात्यी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी शार्ट्जनिक लोड जैसी गोदिय, गरिहां, मरघट, पुल, नदी, ऐल लाईन, अस्फाल्ट, स्कूटर, एनीकट जैसे एवं जल अनुपृष्ठ जैसी प्रतिबंधित लोड निर्मित है। पक्की सड़क 110 मीटर दूर है।
6. भूमि एवं लोज का विवरण – वह शासवीय भूमि है। लोज भी शासवीय भूमार अवधार के नाम पर है। लोज लोड 30 वर्षी अवधीन दिनांक 06 / 02 / 2007 से 05 / 02 / 2037 तक की अवधि हेतु देय है। पूर्व में लोज भी नवनीत क्रमान अवधार के नाम पर भी, जिसका उत्तराधारण दिनांक 30 / 07 / 2020 को किया गया।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. बन क्रियाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र – कार्यालय बनमार्गलाइन्जरी जापगढ़ बनमार्गल, जिला-जापगढ़ के जापगढ़ क्रमांक /गा.वि./2006 / 6679, दिनांक 13 / 11 / 2006 से जात्यी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
9. कहत्यापूर्ण सौरचनाली की दूरी – निकटतम जात्यादी प्राम-हस्टीज़रिंग 500 मीटर, स्कूल प्राम-लुटेग 9 किमी, एवं अस्फाल्ट पाल्यमार्ग 18 किमी की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 10 किमी, एवं राजमार्ग 10.8 किमी दूर है। साल्लन नदी 3.5 किमी, औल 2.5 किमी, एवं तालाब 440 मीटर दूर है।
10. पारिस्थितिकीय/जीवविविधत संवेदनशील लोड – परियोजना प्रवर्तनक द्वारा 5 किमी की परिधि में अंतर्राज्यीय लोड, राष्ट्रीय राजमार्ग, अस्फाल्ट, हेन्डीय

प्रदूषण नियंत्रण की हाल परिवर्तित किटिकली पौत्र्युट्रिए एसिया, जारिनियोनीय संवेदनशील होते या परिवर्तित जीवविधियां होते रिया नहीं होना प्रतिवेदित किया है।

11. खनन संबंधी एवं खनन का विवरण – जिलोलीपिकल रिजर्व 1,40,000 टन माईक्रोल रिजर्व 48,852 टन एवं रिकवरील रिजर्व 44,867 टन है। लीज की 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्खनन के लिए प्रतिवेदित होते) का संत्रक्षण 3,760 मार्गमीटर है। औपन कास्ट से नीचे नीचे नाइजिल लिपि की उत्खनन किया जाता है। उत्खनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 5 मीटर है। लीज के बीच में उपरी मिट्टी की ऊंचाई 1 मीटर है, जिसे 7.5 मीटर (भाउन बाउच्यू) के बीच में कैलायन बृक्षान्तरण के लिए उपयोग किया जाएगा। बैग की कागड़ी 1.5 मीटर एवं शीढ़ाई 1.5 मीटर है। खदान की संभावित आयु 5 वर्ष है। ड्रिलिंग एवं ब्लास्टिंग नहीं किया जाता है। लीज के बीच में खनन स्थापित नहीं है एवं इसका स्थापना का प्रस्ताव नहीं किया गया है। खदान में काढ़ा प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का डिफ़्राक्टर किया जाता है। वर्षावार प्रस्तावित उत्खनन का विवरण निम्नानुसार है—

वर्ष	प्रस्तावित उत्खनन (टन)
अध्ययन	9,970.52
द्वितीय	9,970.52
तृतीय	9,970.52
चतुर्थ	9,970.52
पंचम	9,970.52

12. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 6 मार्गमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति भौतिकी के बाह्य से ही जाती है। इस बाह्य संग्रह बाउच्यू गार्डर अधीरिटी का अनापरिस प्रबल पत्र प्रस्तुत किया गया है।
13. पृष्ठान्तरण कार्य – लीज क्षेत्र की सीमा में जाती ओर 7.5 मीटर की पट्टी में 100 माम पृष्ठान्तरण किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार (गोम, अर्जुन, आम, सीसम) पौधों के लिए राशि 2,000 रुपये, फैसिंग के लिए राशि 20,000 रुपये, छाद के लिए राशि 3,000 रुपये, निचाई के लिए राशि 12,000 रुपये, तथा रख-रखाव के लिए राशि 36,000 रुपये। इस प्रकार प्रबल कार्य में कुल राशि 73,000 रुपये एवं आगामी 4 वर्ष हेतु कुल राशि 1,89,000 रुपये घटकनार जाय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
14. खदान की 7.5 मीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्खनन – प्रस्तावीकारण के द्वारा केस्टल चाईल से अदलोंकन करने पर याया जाया कि लीज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर की सीमा पट्टी की कुछ जाग में उत्खनन कार्य किया जाया है। प्रतिवेदित 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में उत्खनन किया जाना पर्यावरणीय स्वीकृति की जाती का उत्खनन है। अतः जीव उपरोक्त नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। जाय ही उपरोक्त उत्खनन की जाना आवश्यक हिस्ते जाने हेतु ऐस्टोरेशन जलन प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि भासत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन बोर्ड, नहीं विज्ञप्ति द्वारा नीन कोल मार्गिनिंग ग्रीन्जकट्स हेतु मानक पर्यावरणीय राती जारी की गई है। कार्य क्रमांक VIII (j) की अनुसार—

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from

windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

पुलत मानक लाई के अनुसार माईन लीज होम के अंदर 7.5 मीटर और सेप्टी लॉन में बृक्षारोपण किया जाना आवश्यक है।

15. गैर नाईनिंग होम – रिवाइल्ड क्षेत्री प्लान अनुसार लीज होम में हील रोड, ऐप्स फ्लॉलपैन्ट एवं रसोय निर्माण के लिए 1,200 वर्गमीटर होम को गैर नाईनिंग होम रखा गया है।
16. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी इ.आर. (Corporate Environmental Responsibility) हेतु समिति के सम्बन्धित सेवा संघर्ष निर्मानानुसार विश्वस्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
23	2%	0.46	Following activities at, Village-Haldijhariya	
			Plantation	0.46
			Total	0.46

भी.ई.आर. के अंतर्गत प्राम-हल्डीज़रिया तालाब के चारों ओर बृक्षारोपण (नीम, झाम, अर्जुन, कटाक्षत एवं रोपन) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कुल 100 नग पीढ़ी के लिए राशि 2,000 रुपये, फैसिंग के लिए राशि 20,000 रुपये, खाद के लिए राशि 2,200 रुपये एवं लिंचाई के लिए राशि 12,000 रुपये तथा रस-रसायन आदि के लिए राशि 38,000 रुपये, इस प्रकार प्राप्त राशि में कुल राशि 72,200 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,96,200 रुपये हेतु घटकवार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम वंचायत खाकुम्भात्र का नामन्त्रित पञ्च प्रस्तुत की गई है।

समिति द्वारा विवार किया गया उपरात सर्वेक्षणमति से निर्मानानुसार नियमित लिया गया:-

1. उत्तरान्तर होम को मुनाफावाल किये जाने हेतु रेस्टोरेशन प्लान प्रस्तुत किया जाए।
2. रेस्टोरेशन उपरात 7.5 मीटर और सेप्टी लॉन में कम से कम 1,000 नग पीढ़ी के सेप्टी लॉन फैसिंग, खाद एवं लिंचाई तथा रस-रसायन के लिए 5 वार्षीय (50 प्रतिशत जीवन दर के आधार पर) का घटकवार व्यव व्यव विवरण प्रस्तुत (OPR) राहित प्रस्तुत किया जाए।
3. सीप्ल होम को यारी और नई फैसिंग, सीमानान विनाश तथा सौमित्र पीढ़ी के लिए प्राप्त वानकारी प्रस्तुत किया जाए।
4. माईन लीज होम को यारी और 7.5 मीटर और सेप्टी लॉन की कुछ भाग में किये गये उत्तरानन के कारण इस होम के सुधारारी उपायों (Remedial Measures) के संबंध में तथा लीज होम के अंदर माईनिंग कियाकरतयों के कारण उत्पन्न प्रदूषण नियंत्रण हेतु आवश्यक उपायों एवं बृक्षारोपण आदि के लिए समुदाय उपायों को क्रियान्वित करने वाले संघालक, संघालनालय, भीमिकी तथा सामिकी, बुद्धान्वी मन्दन, नवा रामपुर अठल नगर, लिला - रायपुर (छत्तीसगढ़) को लेता विभाग जाए।

६. इतिवित 7.5 ग्रीटर बीकी सीमा पट्टी में अवैध उत्तराखण्ड निया जाना यादे जाने पर परियोजना प्रस्तावक के विस्तृत विवाहगुरुरार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म को एवं पर्यावरण को लाली घटूताने हेतु उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संखार मंडल नवा रायपुर अटल नगर को नियन्त्रनुभार विधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु लेख किया जाए।

उपरोक्त विभिन्न जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने उपरोक्त आगामी कार्यवाही की वज्रधी।

परियोजना प्रस्तावक को उदानुसार सूचित किया जाए। इसकी संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म नवा रायपुर अटल नगर एवं उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संखार मंडल नवा रायपुर अटल नगर को पत्र हेतु किया जाए।

७. नेशनल कोटशब्दुदेशी लाईन स्टोर कार्यालय (ओ—बी लाल कीर्तीत शिल्प), छान—कोटशब्दुदेशी, तहसील—ताहसपुर लोहारा, जिला—कर्बीखान (संषिकालय का क्रमांक 2478)

ओंगलाईन अवैदन — प्रवीजल नगर — एसआईए/ लीजी/ एमआईए/ 430705 / 2023 दिनांक 27 / 05 / 2023 हारा पर्यावरणीय नवीकृति हेतु अवैदन किया गया है। परियोजना प्रस्तावक हारा प्रस्तुत आवैदन में विभिन्न होने से ज्ञापन दिनांक 14 / 06 / 2023 हारा जानकारी प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। परियोजना प्रस्तावक हारा विभिन्न जानकारी दिनांक 28 / 07 / 2023 को ओंगलाईन प्रस्तुत की जाए।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संचालित छूना वाथर (गोण खनिज) खदान है। खदान नाम—कोटशब्दुदेशी, तहसील—ताहसपुर लोहारा, जिला—कर्बीखान लियत पाट औफ लाला क्रमांक—186, चुल होफल—2.675 हेक्टेयर में है। खदान की आवैदित उत्तराखण्ड क्रमांक—10,000 टन प्रतिवर्ष है।

उदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसआईए, उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक 21 / 09 / 2023 हारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

वैठकों का विवरण —

(अ) समिति की 489वीं बैठक दिनांक 28 / 09 / 2023 :

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी विभिन्न सुपरिचित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 28 / 09 / 2023 हारा सूचना ही यही है कि अपरिहार्य कारणों से समिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना संभव नहीं है। अतः आगामी माह के आधिकारिक बैठक में समय उदान तरीके हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति हारा लोकसभा सर्वसमति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक की आगामी माह के आधिकारिक बैठक में पूर्व में आदी मर्ह वाहिन जानकारी एवं समस्त सुनानत जानकारी / अस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

उदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसआईए, उत्तीर्णगढ़ के ज्ञापन दिनांक 06 / 02 / 2024 हारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 614वीं बैठक दिनांक 14 / 02 / 2024

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि संपरिषद नहीं हुए। परियोजना द्वारा दिनांक 14/02/2024 के मामले से सूचना दी गयी है कि अपरिहार्य कारणों से आज वैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना समव नहीं है। आज आगामी आयोजित बैठक में शामल प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा उत्सव भविष्यत्ति को निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में घाटी गई वार्तिक जानकारी एवं सम्पूर्ण सुनांगत जानकारी / इसावैज्ञानिक प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.इ.ए.सी., छत्तीसगढ़ के जामन दिनांक 04/04/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(म) समिति की 523वीं बैठक दिनांक 09/04/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 09/04/2024 के मामले से बताया गया कि अपरिहार्य कारणों से आज वैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना समव नहीं है। आज आगामी आयोजित बैठक में शामल प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है। समिति द्वारा विचार कर निम्न लिखित पाइ गई:-

- परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में प्रस्तुतीकरण हेतु 3 अवार प्रदान किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बार-बार अपरिहार्य कारणों का लेख करते हुये समय दिये जाने का अनुरोध किया जा रहा है, जिससे समिति का अनावश्यक समय नष्ट हो जाए।
- समिति की बैठक दिनांक 28/03/2023 वे लिए गये निर्णय अनुसार वार्तिक जानकारी आज दिनांक तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

पूर्व में समिति की अनुशासन के आधार पर प्राप्तिकरण की 146वीं बैठक दिनांक 22/05/2023 में लिये गये विषय अनुसार “को परियोजना प्रस्तावक दो बार प्रस्तुतीकरण हेतु अनुरोधित रहींगे यासको लोकों वाले की बैठक में उपस्थित नहीं होने की मिलति ने परियोजना प्रस्तावक को औनलाईन आवेदन की पोर्टल से डि-लिस्ट/नियन्त्रण करने का निर्णय एस.इ.ए.सी., छत्तीसगढ़ द्वारा लिया जावेगा” है।

समिति द्वारा विचार विषय हृष्परांत भविष्यत्ति से उपरोक्त तथ्यों के परिणय में आवेदित प्रकारण को डि-लिस्ट/नियन्त्रण किये जाने की अनुशासन की गई।

सामन्य स्थानीय पर्यावरण प्रभाव अकल्पन प्राप्तिकरण (एस.इ.आई.ए.ए.), छत्तीसगढ़ को तदानुसार सूचित किया जाए।

१. गेससे दरी औलीमाईट कमाई (प्री.- वी सम कोकिया), गाम-दरी, तहसील-अकल्पन, जिला-जांजगीर-चांपा (संचिकालय का नम्बरी डिनांक 2006)

ओनलाईन आवेदन — प्रयोजन नम्बर — प्रसाहिएर / रोडी / एनआईएन / 437781 / 2023, दिनांक 28/07/2023 द्वारा टी.ओ.आर. हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संधारित औलीमाईट (गोण लक्षिय) खदान है। खदान गाम-दरी, तहसील-अकल्पन, जिला-जांजगीर-चांपा स्थित लक्षात् इमांक 469/2, कुल हेक्टेक्ट-3.17 हेक्टेक्टर है। खदान की आवेदित उत्पादन क्षमता-64,800 टन प्रतिवर्ष है।

लदानगुप्तार वरियोजना प्रवर्तनक को एसईएसी वर्तीसंगठ के द्वापन दिनांक 21/09/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु संचित किया गया।

Signet set -

(अ) वार्षिकी की 490वीं दैनिक दिनांक 27/09/2023

प्रस्तुतीकारण देते कोई भी विविधता नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावको के प्रति दिनांक 27/09/2023 द्वारा सूचना दी गयी है कि अवधिकारी कारणों से जमिली के सभी वैठक में प्रस्तुतीकारण देते उपस्थित होना संभव नहीं है। इस आगामी जायोजित वैठक में सभव प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा उत्तराखण्ड सर्वोच्चमंत्रि ने निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावको
नो पूर्व में आदी एवं अधिक जानकारी एवं समर्पित शुल्कगत जानकारी / दस्तावेज़ सहित
प्रस्तुती प्रस्तुत दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

पायानुसार परियोजना प्रस्तावका को एसडॉएसी-फलीसगढ़ को ज्ञापन दिनांक 08/02/2024 पाया प्रकाशीकृत किया गया है।

(b) जातिकी सुरक्षा बोर्ड दिनांक 14/02/2024

प्रस्तुतीकारण हेतु कोई भी प्रतिक्रिया सुपरिचित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के पत्र दिनांक 14/02/2024 द्वारा सूचना दी गयी है कि अपरिहार्य कारणों से आज दैनक में प्रस्तुतीकारण दिया जाना संभव नहीं है। आइ आगामी बायोमिट्रिक डेटा में समय प्रदान गरिने दैन अनरोध किया गया है।

कांगड़ी द्वारा तत्त्वज्ञ चार्विज्ञानी जी निर्णय लिखा गया था कि परियोजना प्रस्तुत को पूर्व में चाहीं गई डाकिन जानकारी एवं सामर्था सुरक्षागत प्राप्तिकारी / दस्तावेज उद्दिष्ट प्रत्यारूप दिये जाने से बिल्कुल किया जाए।

(iii) अमिति श्री राजदीप सिंह ०८/०८/२०२४

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिमियि उपलब्ध नहीं था। परिपौजना प्रस्तावक द्वारा कोई अनुसंधान प्रस्तुत नहीं किया गया है। बायिति द्वारा प्रियतम का निम्न लिखित प्रस्तुत किया गया-

- परियोजना प्रस्तावक के पूर्व में प्रस्तुतीकरण हेतु 3 अवसर प्रदान किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बाहर-बाहर अपरिहार्य कारणों का लेल कहते हुए नम्बर दिये जाने का अनुरोध किया जा रहा है, जिससे सभितों का अनावश्यक नम्बर बहुत ही सहा है।
 - सभितों की बैठक दिनांक 37 / 09 / 2023 में लिए गये नियम अनुसार पाइस्ट खानकारी आप दिनांक तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

फूट में राष्ट्रियता की अनुशंसा के आवाह पर द्रष्टिकाला की 145वीं बैठक दिनांक 22/05/2023 वें हिते गढ़े गिर्जाप अनुसार “जो परियोजना प्रस्तावक यो कार्य प्रस्तुतीकरण हेतु अनुप्रयोग सहोग तात्कालीन वार की बैठक में चुपचित नहीं होने की विधि में परियोजना प्रस्तावक के अंतर्गत आपेक्षन को पोर्टल से फ्रि-लिस्ट / निरस्ता करने का निर्णय एसुईएसी प्रालीकरण द्वारा लिया जायेगा” है।

समिति द्वारा दिवार विशेष संवर्धन समिति से समर्थक लकड़ी के परिपेक्ष में आयोजित प्रकरण को फि-लिस्ट/नियमत किये जाने की अनुमति की गई।

साम्य सतरीय पर्यावरण प्रभाव ज्ञाकलन प्राधिकरण (एस.ई.आई.ए.ए.), छत्तीसगढ़ की तदानुसार सूचित किया गया।

10. मेहरां चौरसिया इंकस्ट्रीज, चाम-देलारी, तहसील व जिला-रायगढ़ (संचिवालय का नमूना क्रमांक 2368)

ओनलाईन आवेदन - प्रधानमंत्री नमूना - एसआईए/सीजी/आईएनडी/436122/2023, दिनांक 10/07/2023 द्वारा ही ओआर हेतु आवेदन किया गया था। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत आवेदन ने कमियों होने से इनपन 25/07/2023 द्वारा जानकारी प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा यांचित जानकारी दिनांक 04/08/2023 को ओनलाईन प्रस्तुत की गई।

प्रस्ताव का विवरण - परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तावित जारीकरण के तहत चाम-देलारी, तहसील व जिला-रायगढ़ विधि प्लाट नंबर 41, कुल संचकल-1.77 हेक्टेयर में रेगुलाईजेशन करने एवं सापोर्शन औफ रोलिंग मिल (रि-सॉल्ड फ्रॉन्टेन्स कम्पनी)-20,000 टन प्रतिवर्ष एवं प्रस्तावित हीट चार्जिंग रोलिंग मिल से इप्पलवान फैनीस कम्पनी-10,000 टन प्रतिवर्ष) करने कम्पनी-30,000 टन प्रतिवर्ष हेतु आवेदन किया गया है। परियोजना का कुल विनियोग रूपये 2.75 करोड़ होगी।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 05/10/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

८०की का विवरण -

(अ) समिति की ४११वीं बैठक दिनांक 12/10/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक के प्रति दिनांक 12/10/2023 द्वारा सूचना की गयी है कि अपरिहारी बरसी से आज बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आवधित बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तत्काल सर्वेसम्मति से निर्णय किया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जाही नहीं यांचित जानकारी एवं समर्थ सुझाव जानकारी/दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया गया।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 08/02/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की ५१४वीं बैठक दिनांक 14/02/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी जयप्रकाश सिंह, पाटीनर उपस्थित हुए। सनके द्वारा बताया गया कि प्रस्तुतीकरण हेतु यांचित जानकारी अपूर्ण होने के कारण से समिति के समझ बैठक में प्रस्तुतीकरण दिया जाना संभव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में समय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तत्काल सर्वेसम्मति से निर्णय किया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जाही नहीं यांचित जानकारी एवं समर्थ सुझाव जानकारी/दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक की एसईएसी, छत्तीसगढ़ की जायन दिनांक 04 / 04 / 2024 हाथ प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(८) समिति की ५२३वीं बैठक दिनांक 05 / 04 / 2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं थे। परियोजना प्रस्तावक हाथ कोई अनुरोध एवं प्रस्तुत नहीं किया गया है। समिति हाथ प्रियार कर नियम लिखते थाएँ गईं—

- परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में प्रस्तुतीकरण हेतु उत्तराधिकार प्रदान किये गये हैं। परियोजना प्रस्तावक हाथ बाहर-बाहर अपरिहार्य कारणों/वांछित आनकाशी अपूर्ण होने का लेख करते हुये समय दिये जाने का अनुरोध किया जा रहा है, जिससे समिति का आवाजाहन का समय बहुत ही रहा है।
- समिति की बैठक दिनांक 12 / 10 / 2023 से लिए गए नियम अनुसार वांछित आनकाशी आवाजाहन तक प्रस्तुत नहीं की गई है।

पूर्व में समिति की अनुशासन का आवाहन पर प्राप्तिकरण की 148वीं बैठक दिनांक 22 / 05 / 2023 से लिए गए नियम अनुसार “जो परियोजना प्रस्तावक दो बार प्रस्तुतीकरण हेतु अनुपस्थित होने उसको तीसरी बार की बैठक में उपस्थित नहीं होने की लिखति में परियोजना प्रस्तावक के ऑनलाइन आवेदन की पोर्टल से कि-लिस्ट/निरस्त करने का नियम एसईएसी, छत्तीसगढ़ हाथ लिया जावेगा” है।

समिति हाथ प्रियार दिनांक संपर्क संवित्ति से उपरोक्त तथ्यों को परिषेक्य में आवेदित प्रवालन को कि-लिस्ट/निरस्त लिये जाने की अनुशासन की गई।

सभ्य सहरीय परिवरण व्यवस्था आवाजाहन प्राप्तिकरण (एसईआईएए), छत्तीसगढ़ की तदानुसार सूचित किया जाए।

एजेन्डा आयटम तालिका-३:

परियोजना प्रस्तावकी हाथ प्रेषित वांछित आनकाशी/दस्तावेज जापा प्रकरणों में अपलोडन प्रवालन प्रियार कर पर्यावरणीय रक्षाकृति / ईओएसर / अन्य अवश्यक नियम लिया जाना।

१. भेदभाव एमएसकी यदु लिया (श्री— श्री कन्तुहन यदु नंदनिया सेण्ट मार्टिन), ग्राम-नंदनिया, राहसील-कालाडील, जिला-बलीदाराजाह-भट्टाचार्य का नमांक ३७०९)

लिया वस्तु	आवेदित प्रकरण की संबंधित विवरण	समिति हाथ नोट किया गया कि
कौनसीहन आवेदन	ई.सी. — ४४६११५ एवं १९ / १० / २०२३	
खदान का प्रकार	रेत (ग्रीन स्ट्रेनिंग) खदान	प्रस्तावित
हाँडकल एवं कमता	४.९९ हेक्टेयर एवं ८९.८२३ एन्टीटर उपस्थिति	
खदान छानक एवं नदी	पाट और लालसा तालांक-१ / १ एवं नदानदी	
बैठक का विवरण	५०४वीं बैठक दिनांक २१ / १२ / २०२३	प्रस्तुतीकरण हेतु शुचना दिनांक १५ / १२ / २०२३
प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित प्रतिनिधि		श्री कन्तुहन यदु, प्रोफेशनल उपस्थित हुये।
पूर्व में जारी ई.सी.	पर्यावरणीय रक्षाकृति जारी नहीं की गई है।	

प्राप्त पंचायत एन.ओ.सी.		प्राप्त पंचायत का अनावौले प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
उत्तराखण्ड राजना अनुसूचीदाता	दिनांक 10 / 10 / 2023	
सिन्हासिंह/ सीन्हासिंह	दिनांक 10 / 10 / 2023	
500 मीटर	दिनांक 10 / 10 / 2023	जन्य खदानों की संख्या निम्न है।
200 मीटर	दिनांक 10 / 10 / 2023	प्रतिक्षेपित क्षेत्र निर्दिष्ट नहीं है।
एलओआई	एलओआई धानक – नेसर्स एम.एस.के. घटु ग्रिफल, धो. – श्री लक्ष्मण घटु दिनांक – 26 / 08 / 2023 क्षेत्र अवधि – 1 कर्ब	
वन विभाग एन.ओ.सी.		आवौदित क्षेत्र की निकटतम घन शैवते दूरी का उत्तरोत्तर करते हुए कार्यालय उनमध्यहस्ताधिकारी से जारी अनावौले प्रमाण पत्र तक प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
महाराष्ट्री संरक्षणस्थी की दूरी	आवादी राम-पाहाड़ा 630 मीटर नवानिया 1.35 किमी। स्वतुल राम-पाहाड़ा 750 मीटर अवधाराल – करांडोल 10.5 किमी। साढ़ीय राजामार्ग – 9.45 किमी। राजमार्ग – 10.2 किमी।	मात्रा – 2.25 किमी। नहर – 1.15 किमी। कालाब – 1.25 किमी। एनीकट – 1 किमी।
खनन रखल पर गढ़ी की पाट की मौज़ाई एवं खदान की नदी उट वो दूरी	खनन रखल पर नदी की पाट की मौज़ाई – अंगिकाराम 760 मीटर, न्यूनतम 750 मीटर खनन रखल की लंबाई – अंगिकाराम 346 मीटर, न्यूनतम 331 मीटर खनन रखल की मौज़ाई – अंगिकाराम 163 मीटर, न्यूनतम 137 मीटर खदान की गढ़ी उट की किनारे से दूरी – अंगिकाराम 140 मीटर, न्यूनतम 125 मीटर रखल पर ऐत की मौज़ाई – 6.2 मीटर ऐत खनन की प्रस्तावित गहराई – 3 मीटर खदान में माइग्रेशन रेत की मात्रा – 89.820 मानमीटर खनन विभाग द्वारा प्रभागित जानकारी अनुसार – खदान पर लिये गये नदृत (Pit) की संख्या 5 रेत की उफलाई औरत महराई 5.2 मीटर रेत की आवलधिक गहराई छह पंचमांश प्रस्तुत किया गया है।	
खदान रखल पर रेत की मौज़ाई		

व्यावरण क्षेत्र में ऐसा समाज के सेवकोंस्था	पिछ बिन्दु - 25 मीटर X 25 मीटर लेवल्स (Levels) दिनांक 15/06/2023 समिति कियाग के प्रभागीकरण उपरान्त फौटोग्राफर सहित जानकारी/दस्तावेज़ प्रस्तुत किये गये हैं।	
मुख्योपचार कार्य	नदी तट पर कृषाणीयम - 1,000 चम्बे किया जाना है। भूमि (संलग्न क्षमाक 10(पाट), शेतकरण 0.625 हेक्टेयर)	प्रस्तुत कार्य हेतु 0 वर्ष की राशि - 18,34,000 रुपये जाम पंचायत का सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
परियोजना से संबंधित साध्य पत्र	अपाचा	परियोजना से संबंधित समस्त शापद्य पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
क्षेत्री	वी—२	आवेदित खदान का क्षेत्रफल 4.99 हेक्टेयर है।

1. कॉर्पोरेट पर्सोनलीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा समिति के सम्मानित सम्मान और सम्मानित निम्नानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
25.81	2%	0.5162	Following activities at Village- Pansada	
			Plantation around Pond	0.543
			Total	0.543

सीईआर के अंतर्गत तालाब के बासी और कृषाणीयम (आग, कटहल, जामून आदि) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कुल 23 नव वीड़ो के लिए राशि 2,300 रुपये, चौपिंग के लिए राशि 3,450 रुपये, खाद के लिए राशि 1,725 रुपये एवं सिंचाई तथा रस्ते-रस्ताव आदि के लिए राशि 12,000 रुपये इस प्रकार प्रथम कार्य में कुल राशि 19,475 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 34,900 रुपये हेतु पटकचार व्यव बन विकास प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम परसाया के अंतर्गत तालाब पर कृषाणीयम (संलग्न क्षमाक 324, शेतकरण 0.987 हेक्टेयर) की संवेदन में जानकारी प्रस्तुत की गई है। समिति का यहा है कि सीईआर के अंतर्गत तालाब पर कृषाणीयम किसी भावे वाले याम परसाया का सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा तालाब के सर्वोन्नति से निम्नानुसार मिर्चीय लिया गया था:-

1. तालाबनन के संबंध में याम परसाया का छनाचलि प्रभाग वत्र प्रस्तुत किया जाए।
2. आवेदित क्षेत्र की निकटतम दन क्षेत्र वी दूरी का लुल्लेख करते हुए कार्यालय तनामतालालिकारी से जासी अनापूर्ति प्रभाग वत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
3. नदी तट पर किये जाने वाले कृषाणीयम किये जाने वाले याम परसाया का सहमति पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।

4. शीईआर के अल्पांत लालाब पर दृश्यांकण किए जाने वाला चाम पंचायत का सहमति पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
5. परियोजना से जिन-जिन स्थानों से भवुतित रहने वालीं जीवा, उन स्थानों पर नियन्त्रित जल विकास की जावश्यक जिन्हें जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
6. माझनिंग लीज हीट के अंदर साधन वृक्षांकण किए जाने एवं संधित पीढ़ी का सरकाईवाल रेट (Survival rate) 80 प्रतिशत सुनिश्चित किए जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
7. छलकाशगढ़ आदर्श पुनर्वासन नीति के तहत ज्यानीय लोगों को बोलगाल दिये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दृष्टिजल का प्रवाह ग्रामीण जल स्त्रीला, लालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संख्यन किए जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विरुद्ध इस परियोजना/खादान की संबंधित कोई न्यायालयीन प्रक्रम देश के अलांकृत किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं है।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विरुद्ध भारत सरकार, पर्यावरण उन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिकृति क्रमांक 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रबन्ध लंबित नहीं है।
11. मानवीय सुधीरण कोट द्वारा दिनांक 02/09/2017 की common cause vs. Union of India wrt petition (C) 114 of 2014 में दिये गये विर्टुअल का पालन किए जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. मानवीय सुधीरण कोट द्वारा दिनांक 05/01/2020 की ज्ञा petition (S) CmL No. 114 / 2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिग्गज निवेशी का पालन किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. पर्यावरण स्वीकृति में दिये गये जली का पालन किये जाने एवं उभारी पालन अंतिवेदन पर्यावरण कार्यालय में जमा जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. इन्फोर्मेट एवं मौनिटरिंग गार्डलाइन कीर सैक माझनिंग 2020 के प्रकारान्ती का पालन किया जावेगा एवं अनुसूचित उल्लंघन योजना में दिये गये गार्डलाइन रिपोर्ट का 80 प्रतिशत रिपोर्ट ही संख्यन किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
15. खदान में संख्यन के दीरान सार्टेनेक्स सैक माझनिंग मैनेजमेंट गार्डलाइन 2018 एवं इन्फोर्मेट एवं मौनिटरिंग गार्डलाइन कीर सैक माझनिंग 2020 के प्रकारान्ती का पालन किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
16. शीईआर (Corporate Environment Responsibility) की तहत प्रस्तावित वार्षी के कार्य पूर्ण कर लेने के उपरोक्त संबंधित चाम पंचायत से जारीपूर्ण प्रतिवेदन

ध्यान कर, जियोटेंग फैलोइंडाफ सहित जानकारी चयाकरण सम्मिलित हैं जब जिये जाने वाले अवैज्ञानिक रिपोर्ट में सम्बन्धित कर प्रस्तुत किये जाने वाले शायद पञ्च (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

17. जारी असु के दौरान ऐसा उत्तरानन नहीं किये जाने वाले शायद पञ्च (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

सभी इन यांत्रिक जानकारी/दस्तावेज़ प्राप्त होने उपरांत अभावी कार्यवाही की जाएगी। परियोजना प्रस्तावक की तदानुसार सुचित किया जाए।

तदानुसार पराई-ए-सी, छल्लीसगढ़ के 60वीं बैठक दिनांक 21/12/2023 को परियोजना में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज़ दिनांक 19/02/2024 की प्रस्तुत किया गया है।

समिति की 623वीं बैठक दिनांक 08/04/2024:

समिति द्वारा भरती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर मिस्त्रि पाई गई—

1. उत्तरानन की संख्या में याम पंचायत परसदा का दिनांक 13/01/2024 का अनापलिस प्रमाण पञ्च प्रस्तुत किया गया है।
2. काल्पीलव यन्मानसुलायिकारी, बल्लीदावाजाल यन्मानसुल, बल्लीदावाजाल के याम अमोक/दामानीकी/समिति/744, बल्लीदावाजाल, दिनांक 09/02/2024 से जारी रखल प्रतिक्रियन अनुसार जानकारी निम्नानुसार है—
 - आवेदित भूमि आवेदित बन/संरक्षित बन/ऑरिज एरिया की क्षेत्री में नहीं आता है तथा आवेदित लौज की भूमि का कक्ष कमांक 143 की ओरा 1.74 किमी. की दूरी पर स्थित है।
 - आवेदित लौज की निकटतम टायबर रियल लैटरी-सीटानदी, भरियांवाड 160 किमी. की दूरी पर स्थित है।
 - आवेदित लौज की निकटतम टायबर रियल लैटरी-सीटानदी, भरियांवाड 160 किमी. की दूरी पर स्थित है।
3. नदी तट पर युक्तारोपण किये जाने वाले शायद याम पंचायत परसदा का सहमति पञ्च प्रस्तुत किया गया है।
4. सीईआर की अंतर्गत साक्षाय पर युक्तारोपण किये जाने वाले शायद याम पंचायत परसदा का सहमति पञ्च प्रस्तुत किया गया है।
5. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से युक्तिपूर्ण डस्ट उत्सर्जन होता, सन स्थलों पर नियमित जल छिड़कान की व्यवस्था किये जाने वाले शायद पञ्च पञ्च (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
6. नाईट्रिंग लौज की अंदर साधन कृषारोपण किये जाने एवं संप्रित पीड़ी का सर्वांगीन रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शायद पञ्च (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
7. छल्लीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के सहल रखनीय लोगों को खेजार दिये जाने वाले शायद पञ्च (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

8. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जिसी भी प्रकार का दृष्टिकोण से यह प्रकार मान्यतिक जल संग्रह, तालाब, नदी, नदी व नहीं किये जाने एवं हुस्तक संचाल किये जाने वाला हाथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके दिल्ली इस परियोजना/खदान की संवित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत जिसी भी न्यायालय में संवित नहीं है।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यापन पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके दिल्ली भारत सरकार, पर्यावरण, कम और जलवाय परिवर्तन मंत्रालय की अधिकारियों का अ. 804(3), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण संवित नहीं है।
11. मानवीय सुधीर कोट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India जांच पत्र (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किये जाने वाला हाथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. मानवीय सुधीर कोट द्वारा दिनांक 08/01/2020 की writ petition (S) Civil No. 114 / 2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिल्ली निर्देशों का पालन किये जाने वाला हाथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. पर्यावरण की कार्यक्रमों में दिये गये शर्तों का पालन किये जाने एवं उनमें सहायी पालन प्रतिक्रिया पर्यावरण कार्यालय में जमा कराने वाला हाथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. इन्होंनें एवं मैनिटरिंग गाइडलाइन्स पीर सेव मार्फिंग 2020 की प्राकाशनी का पालन किया जावेगा एवं अनुमोदित उल्लंघन योजना में दिये गये मार्फिंग रिपोर्ट का 60 प्रतिशत रिपोर्ट ही उल्लंघन किये जाने वाला हाथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
15. खदान में उल्लंघन के दौरान सफाईवाल सेवा मार्फिंग मैनेजमेंट गाइडलाइन 2018 एवं इन्होंनें एवं मैनिटरिंग गाइडलाइन्स पीर सेव मार्फिंग 2020 की प्राकाशनी का पालन किये जाने वाला हाथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
16. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) के उद्दल प्रस्तावित कार्यों की कार्य पूर्ण कर देने के उपरान्त संबोधित यात्रा पर्यावरण से कार्यपूर्त प्रतिवेदन प्राप्त कर, जिकोटीग फॉटोशॉफ रिहाइट जानकारी पर्यावरण सीमित हेतु जमा किये जाने वाले संवैधानिक रिपोर्ट में समाहित कर प्रस्तुत किये जाने वाला हाथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
17. यथा छठे के दौरान ऐसा उल्लंघन नहीं किये जाने वाला हाथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
18. नहीं किया जा सकता है कि लौज शेष के भीतर नीर मार्फिंग शेष में सीमा रहने लगता जाना आवश्यक है। लौज शेष के शास्त्रीयों द्वारा सीमा लाइन के नहीं में सीमेट के रहने वाला आवश्यक है ताकि लौज शेष नदी में रुपरुप दृष्टिशील हो जाए।
19. सीईआर कार्य एवं नदी टट में सूखासौपण कार्य के मैनिटरिंग एवं पर्यावरण टटु जी-पर्याय समिति (प्रोपर्टर्सइटर/प्रतिमिति, यात्रा पर्यावरण की परदातिकारी/प्रतिमिति

एवं जिता प्रसारन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संबंध ममकल की पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। सभ्य ही सीईआर एवं नदी टट में प्रसारोपन का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरोक्त गठित चि-पक्षीय समिति से सत्यापित जनराया जाना आवश्यक है।

20. ऐत उत्तरानन गैनुकल लिये से एवं भवाई का कार्य लोडर द्वारा कराया जाना प्रवत्तित है। समिति का कहा है कि लोडर और योग नारी बाहन जी खेड़ी के हैं। अतः भवाई का कार्य मैनुकल पिंडी से ही कराई जायें। बाई बाहनी के नदी में प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।
21. परियोजना प्रस्तावक द्वारा 3 गैटर की गहराई तक उत्तरानन की अनुमति दी गयी है। अनुमोदित उत्तरानन योजना में उत्तरानन किए जाने काले क्षेत्र वीर वार्षिक ऐत पुनर्भरण संबंधी आधिकार्य कार्य एवं उत्तराननी छाँकड़ी का समावेश नहीं किया गया है। बहानादी बही नहीं है तथा इसमें वार्षिकल में सामान्यतः 1.5 गैटर यहराई वीर वार्षिक ऐत का पुनर्भरण होने की संभावना है।

समिति द्वारा विचार विभासे उपरोक्त संवेदनमति से निर्णय लिया गया—

1. परियोजना प्रस्तावक ऐत जादान क्षेत्र में जानामी 1.5 वर्ष में विस्तृत गाद उत्तरानन (Station Study) जानायेगा। ताकि ऐत के पुनर्भरण (Replenishment) वाला जाही आंकड़े ऐत उत्तरानन का नहीं बदलावल, स्थानीय वनस्पति, वीर एवं चूहे वीर एवं प्रभाव तथा नदी के पारी की गुणकता वर ऐत उत्तरानन के प्रभाव की सही जानकारी प्राप्त हो सके।

2. तीज क्षेत्र की सतह का वैश्वलाईन जाटा —

- i. ऐत उत्तरानन प्रारंभ करने के पूर्व उपरोक्तानुसार निर्धारित दिन विन्दुओं पर नदी में ऐत की सतह के स्तरी (Levels) का जारी कर, उसके आंकड़े लालकाल एसईआईएए, उत्तीर्णगढ़ की प्रस्तुत किये जायें।
- ii. ऐत जानन उपरोक्त मानसून के पूर्व (मई नाह के ऊपरी सप्ताह/जून के प्रथम सप्ताह) इनी दिन विन्दुओं में गाइनिंग तीज क्षेत्र तथा तीज क्षेत्र के उपरटीम एवं आउटटीम में 100 गैटर तक राज उत्तरानन तीज के बहार/नदी टट (योनी और) से 100 गैटर तक के क्षेत्र में नदी सतह के स्तरी (Levels) का जारी पूर्व निर्धारित दिन विन्दुओं पर किया जायेगा।
- iii. दूसी प्रकार पीसट-मानसून (जूलात्यर/नवम्बर माह में ऐत उत्तरानन प्रारंभ करने के पूर्व) इनी दिन विन्दुओं पर ऐत सतह के लेवल्स (Levels) का जापन किया जाएगा।
- iv. ऐत सतह के पूर्व निर्धारित दिन विन्दुओं पर ऐत सतह के लेवल्स (Levels) के जापन का कार्य आगामी 6 वर्ष तक नियंत्रित किया जाएगा। द्वी-मानसून के आंकड़े अप्रत्यक्ष 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पीसट-मानसून के आंकड़े दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनियाय सम से एसईआईएए, उत्तीर्णगढ़ को प्रस्तुत किए जायेंगे।
3. समिति द्वारा विचार विभासे उपरोक्त संवेदनमति से गैरकी एनएसके यदु दिक्षा (प्रे.— श्री शशुभन यदु वनभिया संपद बाईन) को ग्राम-वनभिया तहसील-जनरायील, जिला-बलीशाहजार-बाटापारा, पाट झीफ जनरा जनाक 1/1, यदु तीज क्षेत्रफल-4.90 हेक्टेयर की कुल 60 प्रतिशत बोक्फल में ही ऐत उत्तरानन अधिकारी 1.5 गैटर की गहराई तक सीमित रखते हुए, कुल 44.910

सान्हीटर प्रतिकर्ता रेत उत्खनन हेतु पर्यावरणीय स्थीकृति खदान पट्टे के नियादन की तारीख से बाहर वर्ष तक की अवधि हेतु परियोग-02 में पर्याप्त रक्ती की अधीन दिले जाएं की अनुसारा की गई। ऐसे की सुदूर्लंब स्थिति द्वारा (Manuscript) की जाएगी। हिंडर बेड (River Bed) में जारी बाहरी का प्रवेश प्रतिवर्धित रहेगा। लीज लेज में सिलता रेत सूदाई गढ़े (Excavation pits) से लोडिंग प्लाईट तक ऐसे का पर्यावरण ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा किया जाएगा।

4. सास्टेनेबल सेप्ट सौदाई माइनिंग गाइडलाइन्स, 2016 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines, 2016) एवं इन्फोर्मेंट एवं मॉनिटरिंग गाइडलाइन्स एवं सेप्ट माइनिंग, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार रक्षाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

राज्य सतीष पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राविकरण (एसआईएपी) छल्लीसगढ़ को तदानुसार सुचित किया जाए।

2. मेशर्स टिकनपाल लाईम एटीन करारी (प्रो.- वी करण भानुशाली), घास-टिकनपाल, लाहसील व जिला-बस्तर (साधिकालय का नस्ती क्रमांक 2060)

अन्नलाईन लायेदम - पूर्व में प्रयोगल नम्बर - एसआईए/ रीजी/ एमलाईएन/ 77456 /2022, दिनांक 28/05/2022 द्वारा दीओआर हेतु आवेदन किया गया था। वर्तमान में प्रयोगल नम्बर - एसआईए/ रीजी/ एमलाईएन/ 443493 / 2023, दिनांक 08/09/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त करने के लिए कर्जनल ई.आई.ए. रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है।

प्रस्ताव का विवरण - यह प्रस्तावित गूना पर्यावरण (सीए अग्निज) खदान है। खदान घास-टिकनपाल, लाहसील व जिला-बस्तर स्थित जलाशय क्रमांक 263/1, 279/1, 279/2, 279/3 एवं 280/1, कुल क्षेत्रफल-4.44 हेक्टेयर में प्रस्तावित है। खदान की आवेदित उत्थानन आमता-1,07,100 टन प्रतिवर्ष है।

पूर्व में एसआईएनी छल्लीसगढ़ के ज्ञापन क्रमांक 1617, दिनांक 20/12/2022 द्वारा प्राप्तनाम शीर्षकोंग्री का होने की कारण भास्तु समाप्त, पर्यावरण वन और जलाशय परिवर्तन अंतरालय द्वारा अधिक, 2015 में प्रकाशित स्टैम्पड टर्म्स ऑफ रिफरेंस (टीओआर) द्वारा ई.आई.ए./ई.एम.पी. रिपोर्ट द्वारा प्रोत्तेवर्त्ता/एकटीविटीज रिकार्डिंग इन्वेस्टिगेट बलीवरीक अधिक ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 2008 में पर्याप्त शीर्षकी 1(१) का स्टैम्पड टीओआर (लोक सुनायद सहित) जारी किया गया है।

तदानुसार पर्यावरण अधिकारी को एसआईएसी, छल्लीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 03/11/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

वैठकी का विवरण -

- (अ) समिति की 450वीं बैठक दिनांक 08/11/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु वी गठन भानुशाली, अधिकृत प्रतिविधि एवं पर्यावरण सलाहकार के रूप में मेशर्स इको कॉम्पानीटेक्ट सार्विसेस, लखनऊ की ओर से वी, जालांक रोहर निवा उपसिद्धि द्वारा। समिति द्वारा नहीं, प्रस्तुत जानकारी का अक्षलोकम् एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिति पाई गई-

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति संबंधी विवरण- इस खदान को पूर्व में पर्यावरणीय स्थीकृति जारी नहीं की गई है।

2. याम धन्दायल का अनापति प्रभाष यज्ञ — उत्तरगढ़ की जाती में याम धन्दायल टिकनपाल जम दिनांक 28/08/2021 का अनापति प्रभाष यज्ञ प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्तरगढ़ योजना — यामी पठान एवं यिष्य यामी उत्तरगढ़ पठान प्रस्तुत किया गया है, जो खनि अधिकारी, जिला-बसार बसार दलेवाला के ज्ञापन क्रमांक 886/खनिज/उत्तरगढ़/2021-22 दलेवाला, दिनांक 14/01/2022 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 नीटर की परियि में स्थित खदान — कार्यालय कालेक्टर (खनिज शास्त्र) जगदलपुर, जिला-बसार के पृ. ज्ञापन क्रमांक 232/खनिज/ख.लि. 4/02/2021-22/खनिज/ख.प. /2022 जगदलपुर, दिनांक 15/02/2022 जगदलपुर आवेदित खदान से 500 नीटर के नीटर अवस्थित 12 खदाने, क्षेत्रफल 11.4 एकड़ीयर है।
5. 200 नीटर की परियि में स्थित सार्वजनिक होम/सर्वजनाएं — कार्यालय कालेक्टर (खनिज शास्त्र) जगदलपुर, जिला-बसार के ज्ञापन क्रमांक 229/खनिज/ख.लि. 4/02/2021-22/खनिज/ख.प. /2022 जगदलपुर, दिनांक 15/02/2022 द्वारा यामी प्रभाष यज्ञ अनुसार उक्त खदान से 200 नीटर की परियि में कोई भी सार्वजनिक होम यीसे बन्दिर, नीरियर, भरधाट, पुल, नदी, रेल लाइन, असामाल, रक्कुल, एवं इस यह जाति आनुष्ठानिक प्रतिक्रियित होने विभिन्न नहीं है।
6. एलओआई का विवरण — एलओआई की करण भानुशाली की नाम पर है, जो कार्यालय कालेक्टर (खनिज शास्त्र) जगदलपुर, जिला-बसार के ज्ञापन क्रमांक 1960/खनिज/ख.लि.4/02/2021-22/ख.प. /2021 जगदलपुर, दिनांक 14/08/2021 द्वारा यामी की गई, जिसकी वैधता यामी दिनांक से 1 वर्ष की अवधि तक ही। उत्तरगढ़ एलओआई की वैधता बृद्धि संचालनालय, नीरियर रामा खनिकर्म, बदा राधपुर अटल नगर के ज्ञापन क्रमांक 4956/खनि 02/ख.प. -अनुनिया./न.ज्ञ. 50/2017(1) नवा राज्यपुर दिनांक 29/09/2022 द्वारा यामी की गई, जिसकी वैधता 1 वर्ष (अवधि दिनांक 16/08/2023) की अवधि है। जमियि का पता है कि एलओआई की वैधता बृद्धि संवधित दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
7. चू-क्यामित्व — भूमि रासनक क्रमांक 263/1, 279/2 एवं 280/1 की प्राप्त भानुशाली, खसान क्रमांक 279/1, 279/3 आवेदक के नाम पर है। उत्तरगढ़ द्वारा भूमि रासनी जम सहभागी पत्र प्रस्तुत किया गया है।
8. डिस्ट्रीक्ट जमी रिपोर्ट — वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट जमी रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
9. बन विभाग का अनापति प्रभाष यज्ञ — कार्यालय बन नन्हलाखिकारी, बनगमपाल बसार, जगदलपुर के ज्ञापन क्रमांक/काल.अ./684 जगदलपुर, दिनांक 01/02/2022 से यामी अनापति प्रभाष यज्ञ अनुसार आवेदित होम बन होम की सीमा से 505 नीटर की दूरी पर है।
10. नहरपूरी संरक्षनशील बीड़ी — निकाटमें आकर्ती याम-टिकनपाल 1.5 किमी, रक्कुल याम-टिकनपाल 1.7 किमी, एवं असपताल बपका 8 किमी, की दूरी पर स्थित है। चार्टीय राजमार्ग 2 किमी, दूर है। नारदानी नदी 1 किमी, दूर है।
11. पारिसंरक्षितीय/जैवविविधता संरक्षनशील होम — परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किमी, की परियोजने में अंतर्भूतीय रीभा, राष्ट्रीय राष्ट्रान, अभयारण्य, कैन्फ्रीय

प्रदूषण नियंत्रण कोई हास्य योग्यता किटिकली पौल्युट्रॉफ एरिया, पारिवर्षिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित वैश्विकिया क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिबंधित किया गया है।

12. खनन संघर्ष एवं खनन का विवरण – जियोलॉजिकल रिजर्व 16,85,000 हेक्टेएक्टर रिजर्व 10,71,000 हेक्टेएक्टर रिजर्व 10,17,430 हेक्टेएक्टर है। लौज की 7.5 मीटर ऊँची सीमा पट्टी (उत्तराखण्ड के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 0.020 कर्गभौमि है। अंधन कास्ट सेमी नेवीनाईज़र विधि से उत्तराखण्ड किया जाएगा। उत्तराखण्ड की प्रस्तावित अधिकाराम गहराई 16 मीटर है। लौज क्षेत्र में छपरी गिर्दी की ऊँचाई 1 मीटर है तथा कुल मात्रा 36,380 घनमीटर है। बैंध की ऊँचाई 3 मीटर एवं ऊँचाई 3 मीटर है। खदान की संभावित आयु 10 वर्ष से अधिक है। लौज क्षेत्र में छपर उत्तराधिकारित किया जाना प्रस्तावित नहीं है। लौज हिमाचल प्रदेश एवं काट्टौल ब्लाइंडिंग किया जाएगा। खदान वै आयु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का छिपाकर किया जाएगा। बांधार प्रस्तावित उत्तराखण्ड का विवरण निम्नानुसार है—

पर्व	प्रस्तावित उत्तराखण्ड (हेक्टेएक्टर)	पर्व	प्रस्तावित उत्तराखण्ड (हेक्टेएक्टर)
प्रथम	1,07,100	पार्टम	1,07,100
द्वितीय	1,07,100	सप्तम	1,07,100
तृतीय	1,07,100	आठम	1,07,100
चौथी	1,07,100	नवम	1,07,100
पंचम	1,07,100	दशम	1,07,100

13. जल आपूर्ति – नियोजिता हेतु आवश्यक जल की मात्रा 5 घनमीटर प्रतिदिन होगी। जल की आपूर्ति टैक्स द्वारा द्वारा पंचायत के नियम से विनाय जाएगा। इस बाबत् द्वारा पंचायत का झनाप्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

14. मुख्यालय कार्य – लौज क्षेत्र की सीमा में बारी और 7.5 मीटर की पट्टी में कम से कम 2,000 नव मुख्यालय किया जाना आवश्यक है। समिति का मत है कि लौज क्षेत्र के बारी और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में मुख्यालय हेतु पौधों का संपर्य, सुख्खा हेतु कॉसिंग, खाद एवं लिंगाई तथा रसा-रसाय के लिए 6 वर्षी का घटकालय चाहय का विवरण बढ़ावित विवृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

15. खदान की 7.5 मीटर की ऊँची सीमा पट्टी ने उत्तराखण्ड – लौज क्षेत्र की बारी और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी ने उत्तराखण्ड न कारी नहीं किया गया है।

16. ईआईए रिपोर्ट का विवरण—

- I. जल एवं वायु आदि गुणवत्ता संबंधी जानकारी – भौगोलिक वाये दिवाली 2022 से फरवरी 2023 के बाय किया गया है। 10 किलोमीटर के अंतर्गत 8 तथानी पर परिवेशीय वायु गुणवत्ता नापन, 5 तथानी पर गू-जल गुणवत्ता नापन, 6 तथानी पर धूग्नि रहर नापन, 2 तथानी पर सतही जल गुणवत्ता तथा 5 तथानी पर नमूने एकाधित कर विवरण किया गया है।

- II. भौगोलिक परिवार्ता के अनुसार यीएम, एसओ, एनओ, का सान्दर्भ सेवत-

Concentration level ($\mu\text{g}/\text{m}^3$) of criteria pollutants			
Criteria Pollutants	Minimum ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)	Maximum ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)	CPCB Standard ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)
PM _{2.5}	24.2	59.8	60
PM ₁₀	45.3	75.2	100
SO ₂	4.61	19.0	80
NO ₂	10.6	26.1	80

iii. परियोजना क्षेत्र की अनुपात जल संकेतों की गणकता— हाईड.एफ के Chapter Description of environment में दर्शाये गये टैपल अनुपात बलोवाइक्स, नाइट्रोएट्स, सल्फेट, कार्बोनेट्स, लेक, आर्सेनिक एवं अन्य रसायनिक संकेतों गत सान्दर्भ लेवल भासतीय भावक से कम है।

iv. परियोजनीय ध्वनि क्षेत्र—

Noise level - dB (A)			
Equivalent Noise level	Minimum dB (A)	Maximum dB (A)	CPCB Standard dB (A)
Day L _{dn}	52.5	64.6	75
Night L _{dn}	42.1	54.2	70

जो उक्त क्षेत्र के निर्दिष्ट भावक सत्र से कम है।

v. पी.सी.ए. की गणना— भारी वाहनों / गल्टीएक्सल हेडी वाहनों की समाप्ति करने हुये वर्तमान एवं प्रस्तावित परियोजना वर्षांत (पी.सी.ए., यह की/सी अनुपात संकेती गणना कर) ट्रूफिक अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

vi. ची.एल.सी. की गणना—

S No.	Parameters	Baseline at project site ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)	Incremental Value	Total GLC ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)
1.	PM ₁₀	71.00	0.98785	71.98785
2.	PM _{2.5}	48.97	0.57428	49.54428

vii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा फ्लोरा (Flora) एवं फौना (Fauna) की जानकारी प्रस्तुत किया गया है। सभित्र का गत है कि फ्लोरा (Flora) एवं फौना (Fauna) की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

17. लोक सुनवाई दिनांक 21 / 07 / 2023, ब्राह्म 11:00 बजे, स्थल — द्वारा पंचायत कायोलय परिचर, शाम-टिकनायाल, तहसील व जिला-बस्तर में स्थल हूँ। लोक सुनवाई दस्तावेज सदस्य समिति, छत्तीसगढ़ परिवर्तन संघरण मंडल, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर के पत्र दिनांक 24 / 06 / 2023 द्वारा प्रेषित किया गया है।

18. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लोक सुनवाई के दौरान उठाए गये विभिन्न मुद्दों एवं उनके निराकरण की दिशा में लिखे जाने वाले उपाय की संकेत में सारणीकृत प्रयत्न आंखी (tabular form in english) एवं उन सामान्य के सुनिश्चितानुसार सारणीकृत प्रयत्न हिन्दी (tabular form in hindi) में भी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

19. कलश्टर हेतु कौगन इन्हायरोमेटल मैनेजमेंट प्लान — कलश्टर हेतु कौगन इन्हायरोमेटल मैनेजमेंट प्लान एवं कौगन इन्हायरोमेटल मैनेजमेंट प्लान में परियोजना प्रस्तावक की सहायिता हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

20. कॉर्पोरेट एंवरायरनील रिपोर्ट (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा शीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सम्बन्धित विषयों से जुड़े उपरात निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
31		2%	Following activities at nearby Village-Tikangpal	
Pavitra Van Nirman		2.608		
Total		2.608		

21. शीईआर के अंतर्गत "संवित वन निर्माण" के लाभ (आंकड़ा, घटा, धीमल, गीम, आम, अद्युत, बेल आदि) नियन्त्रणपत्र हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 200 नगर पाली के लिए नाहिं 4,000 रुपये, नियन्त्रण की लिए ताकि 40,000 रुपये, खाद के लिए राशि 1,000 रुपये, सिंचाई तथा रख-रखाव आदि के लिए ताकि 53,000 रुपये, इस प्रकार प्रधान वर्ष में कुल राशि 98,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,92,800 रुपये हेतु घटकावार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम पंचायत टिक्कनपाल के सहमति संघर्षता याचार्योग्य स्थान (एकत्र जनसंख्या 36 होकर उस 3.14 हेक्टेयर में ही 0.4 हेक्टेयर) के संलग्न में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

समिति द्वारा तत्वावधार सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

- एलओजाई नी विधता युद्ध संबंधित जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
- उपरी गिट्टी प्रक्रियन खोजना प्रस्तुत किया जाए।
- लोक दोष की बातें और 7.5 मीटर की लोका पट्टी में कम से कम 2,000 नगर नियन्त्रणपत्र हेतु पीढ़ी का रोपण, सुन्दरी हेतु फैसंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 बच्ची का घटकावार व्यय का विवरण सहित प्रस्तुत प्रस्ताव (असाध अगाध, शीघ्रकाल) सहित प्रस्तुत किया जाए।
- भारी बाहनी / घट्टी घट्टाल हेती बाहनी को सम्मिलित करते हुये वर्तमान एवं प्रस्तावित परियोजना उपनाम (पी.सी.यू. कुल पी.सी.यू.एवं बी.सी.आनुसार सभी गणना कर) ट्रॉफिक अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाए।
- फलोरा (Flora) एवं फौला (Fauna) की विस्तृत पानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा लोक सुनवाई के दौरान सुनाये गये विभिन्न गुददी एवं उनकी नियाकरण की दिशा में किंवदं पाली यात्रा के संक्षय ने सारणीयद्वारा प्रपञ्च अंगूष्ठी (tabular form in english) में एवं जन सामाज्य के सुविधानुसार जावणीयद्वारा प्रपञ्च हिन्दी (tabular form in hindi) में भी प्रस्तुत किया जाए।
- कलकट्टर हेतु जीमन इन्डस्ट्रीजीटेल ग्रेनेजेट प्लान एवं जीमन इन्डस्ट्रीजीटेल ग्रेनेजेट प्लान में परियोजना प्रस्तावक की सहमतिप्राप्त हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

8. मार्गिंग लैज हेल के अंदर समन युक्तारोपण किये जाने एवं सूचित पीछो तथा सरकारीयत रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. सीईआर को अंतर्गत किये जाने वाले युक्तारोपण का 05 वर्षी तक रख-संभाव किये जाने वाले शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. एक्सलिंग का कार्ड और एमएस द्वारा उपलब्ध गिरफ्तारक सार्वजनिक पात्र (Explosive License Holder) हाथा कार्य प्राप्ति वाले वाले शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. प्रतीकारक आदर्श पुनर्वास नीति के लक्ष्य न्यायीय लोगों को रोकागाल दिये जाने वाले शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. परियोजना से जिन-जिन लाली से प्रयुक्तिहीन बहुत उत्तराधिक होगा, उन लाली पर नियमित जल छिक्काव की अवस्था किये जाने वाले शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा निनाम्ला कानूनीशन नियम (Minerals Concession Rule) के लक्ष्य वालकी गिरफ्तारी द्वारा सीधाकान का कार्ड सुनिश्चित किये जाने वाले शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार जल का प्रवाह प्राकृतिक जल संज्ञेत, तालाब, नदी, नाला ने नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाले शब्द पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विषय इस खटान से भंगित करें न्यायालयीय प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लाभित नहीं है।
16. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का नोटरी से साम्यानित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विषय भाला सरकार, पर्यावरण बन और जलवायन परिकर्तन मन्त्रालय की अधिसूचना का ज्ञा. No. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लाभित नहीं है।
17. न्यायीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को common cause vs. Union of India with petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का वालन किया जाएगा। इस वालन अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
18. न्यायीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को with petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये निर्देश का वालन किया जाएगा। इस वालन अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

उपरीका घोषित जानकारी/प्रस्तावक द्वारा होने उपर्युक्त आगामी कार्यवाही की जाएगी।

लालनुसार एसडीएसी, प्रतीकारक के लापन दिनांक 08/01/2024 के परिणाम में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/प्रस्तावक दिनांक 07/03/2024 को प्रस्तुत किया जाया है।

(अ) समिति की 523वीं बैठक दिनांक 08/04/2024:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं बरीकान करने पर निम्न लिखित पाइ गई—

१. एलओआई की ऐतिहासिक बाबत आयाती संचालक, भीमिया तथा उन्निकर्म नवा रायपुर अटल नगर के पुनरीकाप प्रकरण नम्बर ५३/२०२३ द्वारा जारी वारित आदेत दिनांक २०/१२/२०२३ की प्रति प्रस्तुत की गई है जिसके अनुसार “उपरोक्त विवेचन के आधार पर पुनरीकाप प्रकरण इकाइ करने हुए, यह निर्दिष्ट किया जाता है कि छत्तीसगढ़ नीच उन्निकर्म शियम २०१५ की शियम ४२(३) परन्तु के लहर चक्र प्रकरण में वर्धीकरण इकाइ करने एवं उत्तरान्निपट्टा इकाइ की कार्यवाही पूर्ण करने हेतु अधिकारिक समवायषि प्रदान करते हुए प्रकरण कलेक्टर, जिला बरीकार की प्रत्यावर्तिता किया जाता है।” होना चाहिया गया है।
२. लीज क्लैब में जापारी घट्टी की गोदाई १ गोटर है तथा कुल मात्रा ३६.३८० घनमीटर है, जिसका अप्पलाय सहमति द्वारा दी गयी (तात्पात्र अनुकूल २७८, क्षेत्रफल ०.५५ हेक्टेकर) में जिसका जाता उत्तरान्निपट्टा क्लैब की पुनर्मात्रा में उपयोग किये जाने वाले जापारी पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
३. लीज क्लैब के ७.५ गोटर के चारी ओर १.३०० नव दृश्यरोपण किये जाने हेतु प्रकरण कर्म में राशि २,८०,००० रुपये एवं आगामी ५ वर्षों हेतु राशि २,७९,५०० रुपये का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। तथा ही लीज क्लैब के चारी ओर ७.५ गोटर की सीधा पट्टी में किसी जामे वाले दृश्यरोपण एवं सीड़ियां के लहर निर्दिष्ट कार्यों की जानकारी जिसीटेंग फोटोडाप्स सहित अंकीयिक रिफर्नेंस में समाहित कर प्रस्तुत किये जाने वाले लहर ताकथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
४. जारी वाहनों / मल्टीएक्सल ऐक्सी वाहनों को समाहित करते हुये वर्तमान एवं प्रत्यक्षित परियोजना उपलब्ध (पी.सी.यू. कुल पी.सी.यू.एवं की/सी अनुपात वाली मात्रा कर) ट्रैफिक अवधान सिपोर्ट प्रस्तुत किया गया है, जिसको अनुसार वर्तमान में ८६३ पी.सी.यू. प्रतिदिन एवं की/सी अनुपात (WC ratio) ०.०२ है। प्रत्यक्षित परियोजना उपलब्ध ३०० पी.सी.यू. की दृष्टि होगी। लघुसंख्या कुल ८६३ पी.सी.यू. प्रतिदिन एवं की/सी अनुपात (WC ratio) ०.०३ होगी। जिलाकार के उपरांत पी.सी.—नटरियल / प्रोडक्ट्स के वरियेटी हेतु संकेत गार्म की लीज कीसिं शमता निर्दिष्ट मानक (Category 'A') के भीतर है।
५. प्रतीक्षा (Flora) एवं फौजा (Fauna) की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
६. परियोजना प्रस्तावका दूसरा लोक सुनवाई की दीर्घन उठाये नये विभिन्न मुद्दों एवं उनके नियानन्दन की दिशा में किसी जाने वाले उपाय के संबंध में रहानीदाह प्रबन्ध लंगरी (tabular form in english) में एवं जन सामान्य के सुविधानुसार सारणीदाह प्रबन्ध हिन्दी (tabular form in Hindi) में भी प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार अनेकोनवाई के दीर्घन मुख्य काम ही निम्न सुझाव/विचार प्रस्तुत किये गये हैं—
 १. जानी के लोगों को ही जीजागार दिला जाना चाहिए।
 २. बलान्सिंग से नुकसान न हो बलान्सिंग करते कमय जाने वाली यो सुधित किया जाये, किसी प्रकार का ताकलीफ न हो, छोटे नहर पर बलान्सिंग करे तो हमें कोई आपसिं नहीं है।

लोक सुनार्ह के दीर्घ छड़ाये गए क्रिकेट मुद्रों के निरकरण की दिशा में परियोजना प्रस्तावकों की ओर से उपरिलिख ब्रिटिश/कॉम्पानीट का कामन निम्नानुसार है—

1. स्थानीय लोगों को रोजगार दी जाएगी।
2. ब्लास्टिंग को निवारण का कारबॉर्ड से पालन किया जाएगा। ब्लास्टिंग का समय नियंत्रित किया जाएगा। ब्लास्टिंग से पहले शायरन बजाया जाएगा ताकि उस समय पर कोई भी व्यक्ति या व्यक्ति वहाँ पर ना हो और ब्लास्टिंग नियंत्रित समय पर ही की जाएगी।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा कहाया गया कि आवेदित संदर्भ को समिल करते हुए कलस्टर में कुल 12 खदानें आती हैं। अतः कलस्टर में समिल खदानों द्वारा कीमत इन्हायरोमेटल बेनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है। कीमत इन्हायरोमेटल बेनेजमेंट प्लान की तहत निम्न कार्य प्रस्तावित है—

विवरण	प्रधान (करपय)	द्वितीय (करपय)	तृतीय (करपय)	चतुर्थ (करपय)	पंचम (करपय)
इन्हायरोमेटल नियंत्रण हेतु परियोजन के दीर्घ बहुको/पहुंच मार्ग से उत्पन्न कुल चालानों के नियंत्रण हेतु जल विकास पहुंच मार्ग की कुल लम्बाई 3 किमी।	2,88,000	2,88,000	2,88,000	2,88,000	2,88,000
कलस्टर पहुंच मार्ग (3 किमी) के दीर्घ चालान (9,000 नग) कुआरोपण का।	18,00,000	8,10,000	6,75,798	5,40,000	2,70,000
बहुको/पहुंच मार्ग के रख-रखाव हेतु	2,00,000	2,00,000	2,00,000	2,00,000	2,00,000
इत्य संक्षेप कोनका फीस विसेजर्स एवं अन्य खर्च	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000
कुल राशि = 70,35,798	23,88,000	13,88,000	12,83,798	11,28,000	8,58,000

कीमत इन्हायरोमेटल बेनेजमेंट प्लान में परियोजना प्रस्तावक की सहभागिता निम्नानुसार होगी—

विवरण	प्रधान (करपय)	द्वितीय (करपय)	तृतीय (करपय)	चतुर्थ (करपय)	पंचम (करपय)
इन्हायरोमेटल नियंत्रण हेतु परियोजन के दीर्घ बहुको/पहुंच मार्ग से उत्पन्न कुल चालानों के नियंत्रण हेतु जल विकास पहुंच मार्ग की कुल लम्बाई 200 मीटर।	49,500	49,500	49,500	49,500	49,500

राज्यका/प्रदूषक वार्ष के राज्य-राज्यव एवं हेतु विकास कीमत फैर प्रिलेजर्स						
200 ग्रीटर वार्ष के दोनों तरफ, शीन लाइन में (800 नग) कृषारीय (नीच, जागुन, कर्मज, कर्मज-आदि) हेतु	1,20,000	54,000	36,000	21,000	18,000	
कुल राशि = 4,66,500	1,69,500	1,03,500	85,500	70,500	67,500	

कॉमिशन इन्वेस्टिगेटर ने नोटराइज़ एवं लाइन की तहत वार्ष गुर्ण किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

8. मार्डिनिंग रीज शीन के अंदर साधन कृषारीय किये जाने एवं रोपित पौधों का सारणाईवल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. सीईआर के अंतर्गत किये जाने वाले कृषारीय का 05 वर्षी राज-राज्यव गिये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. ब्लास्टिंग का वार्ष शीजीएमएस द्वारा अधिकृत विल्सोटक लाईसेंस वाला (Explosive License Holder) द्वारा कहाँ जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. उत्तीर्णगढ़ आदानी पुनर्जीव नीति के तहत स्थानीय लोगों की रोजगार दिये जाने हेतु शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. परियोजना से विन-विन लकड़ी से प्राप्तिकर्ता कर्स इन्स्टीट्यूट द्वारा उन लकड़ी पर नियमित जल छिक्काव वी व्यवस्था दिये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कन्सेशन नियम (Minerals Concession Rule) के तहत वापर्यही विलक्ष्य द्वारा सीमांकन कर कर्तव्य सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा दियी भी प्रकार का दृष्टिज जल का प्रवाह प्राकृतिक जल रेतों, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसकी संखाल दिये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का अन्डरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विलक्ष्य इस व्यक्ति से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत विस्तीर्णी न्यायालय में लंबित नहीं है।
16. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नीटी से साल्वापिल अन्डरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विलक्ष्य भारत सरकार, पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वी अधिसूचना काला. 804(3), दिनांक 14 / 03 / 2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लंबित नहीं है।
17. माननीय रुद्रीग कोर्ट द्वारा दिनांक 02 / 08 / 2017 की common cause vs. Union of India with petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा। इस वाले अन्डरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

18. सामनीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिल्ली निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस बाबत ऑफटॉकिंग (Undertaking) प्रक्रिया किया गया है।
19. सीईआर, कौनम इन्हायरोमैटल मेनेजमेंट प्लान, कौनम इन्हायरोमैटल मेनेजमेंट प्लान में परियोजना प्रस्तावक की सहमतिगति, ताक़तों के रख-रखाव एवं कुशलतापूर्ण कार्य के मौजिनिरिज एवं परिवेषक हेतु वि-पक्षीय समिति (ओपरेटर/प्रतिनिधि, रान परिवार के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संचालन बोर्ड के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही सीईआर, कौनम इन्हायरोमैटल मेनेजमेंट प्लान, कौनम इन्हायरोमैटल मेनेजमेंट प्लान में परियोजना प्रस्तावक की सहमतिगति, ताक़तों के रख-रखाव एवं कुशलतापूर्ण कार्य का कार्य धूर किये जाने के सुपरतंत्र माउंट वि-पक्षीय समिति से सहयोगित कराया जाना आवश्यक है।
20. सामनीय एन.जी.टी., डिजिटल बैच, नई दिल्ली द्वारा सर्वोदय पार्किंग विलड भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वय अन्य (ओरिजिनल एप्लिकेशन नं. 188 ऑफ 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 यो परियोजना आदेश में सुधार द्वय से निम्नानुसार निर्देशित किया गया है:-
- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SIEAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environmental clearance.
- समिति द्वारा विचार किए हुए सुपरतंत्र सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया:-
- कार्यालय कलस्टर (खानिज खाद्य) जबलपुर, जिला-बसार के पु. जल्दन तामाक 232 / खानिज / ल.लि.4 / 03 / 2021-22 / खानिज / ल.प. / 2022 जबलपुर, दिनांक 15/02/2022 अनुसार आवेदित खदान से 500 बीटर के भीतर अवस्थित 12 खदान, कुल क्षेत्रफल 11.4 हेक्टेयर है। आवेदित खदान (याम-टिकन्याल) का कुल क्षेत्रफल 4.44 हेक्टेयर है। इस प्रकार आवेदित खदान (याम-टिकन्याल) को जिलाकर कुल क्षेत्रफल 15.84 हेक्टेयर है। खदान की लीमां से 500 बीटर की परियोजना में स्थीकृत/संभालित खदानों का कुल क्षेत्रफल 5 हेक्टेयर से अधिक होने वाला यह खदान ही-1 थोरी की मानी गयी।
 - भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारीई.आई.ए. अधिकार्यालय, 2006 (योग्य संस्थायित) के द्वारायानी एवं यानवीय एन.जी.टी. द्वारा जारी आदेश के अनुसार कलस्टर में आने वाली खदानों की उत्थानन संस्थायित्रियों से पर्यावरणीय घटकों पर पहने जाते प्रभावों की रोकथाम हेतु कलस्टर में आने वाले गमस्त खदानों को जामिल करते हुये, कलस्टर हेतु कौनम इन्हायरोमैट मेनेजमेंट प्लान हीयार किये जाने तथा नियान्वित कराने हेतु संचालक, संचालनालय, भीमिकी तथा त्रिद्वायती भवन, नवा नक्कुर अटल नगर, जिला - रायपुर (उत्तीर्णगढ़) के साथ से उपगुप्त कर्मचारी किये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।
 - मेसानी टिकन्याल लाईन बटीन कर्मचारी (प्री.- वी कर्म भानुशाली) की याम-टिकन्याल, लहसीन व जिला-बसार के खासा तामाक 263 / 1, 279 / 1,

279/2, 279/3 एवं 280/1 में सिवल चूना बाथर (गोले खनिज) खदान, कुल क्षेत्रफल—4.44 हेक्टेयर, क्षमता—1,07,100 टन प्रतिवर्ष हेतु परिशिष्ट—03 में समीकृत नस्ती की अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति दिए जाने की अनुशंसा नहीं गई।

सचिव सतर्कीय पर्यावरण प्रभाव आकलन विधिकरण (एसईआईएए), छत्तीसगढ़ को उदानुसार सुचित किया जाए।

3. बेससं स्टील अर्थोरिटी ऑफ इंजिनियरिंग (सीएल), ग्राम—बंडेशीदल्ली, राजाहरा पहाड़, जगहला एवं दल्ली संरक्षित बन, राहसील—हीड़ी, जिला—बालोद (साधिकलय का नस्ती नियंत्रण 3480)

ऑनिलाईन आवेदन — उपरोक्त नम्बर — एसआईए/ सीएल/ एमआईएस/ 430564 / 2023, दिनांक 24/05/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त करने के लिए फाईल ईआईए लिंक प्रस्तुत की गई है।

प्रस्ताव का विवरण — यह अन्तर्वार का प्रकारण है। यह आवरण और (गुच्छ खनिज) खदान है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तावित कार्यकलाप के तहत् खदान ग्राम—बंडेशीदल्ली, राजाहरा पहाड़, जगहला एवं दल्ली संरक्षित बन, राहसील—हीड़ी, जिला—बालोद, कुल क्षेत्रफल 220.42 हेक्टेयर बन भूमि एवं 119.66 हेक्टेयर राजसव भूमि) में आवरण और उत्तरानन क्षमता—2.795 से 3.5 मिलियन टन प्रतिवर्ष (रोम), देस्ट—2.1 मिलियन टन प्रतिवर्ष, ड्राइर मूल्य (प्रतीक की बानता 250 टी.डी.एच.) — 3, कुल उत्तरानन क्षमता — 12.60 मिलियन टन प्रतिवर्ष के लिए पर्यावरणीय स्थीकृति हेतु आवेदन किया गया है। परियोजना की कुल लिंगियोंन 80 करोड़ रुपये होगी।

उदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के जापन नियंत्रण 14/07/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

मैत्रकी वा विवरण —

- (अ) समिति की 478वीं बैठक दिनांक 19/07/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु वी समीन स्वरूप, एकजीक्युटिंग सीयरेक्टर (माईन्स), वी हेमंत दोभी, यनरेल ऐमेजर (माईन्स) एवं पर्यावरण सलाहकार के रूप में बेससं ऐकान टिलिंगटर, विकासनांद पाण्डे, पी.ओ. दीरान्दा, जिला—सीधी, आरक्षांड की ओर से वी शुभमय अदाक उपस्थित हुए।। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न लिखित पार्ह नहूँ—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति संबंधी विवरण— इस खदान को पूर्व में पर्यावरणीय स्थीकृति जारी नहीं की गई है।

- i. The proposal of Mr. Bhilai Steel Plant (BSP), a subsidiary of Steel Authority of India Ltd (SAIL), is for mining of Iron Ore with enhancement of production capacity from 2.0 MTPA to 3.5 MTPA (ROM) in the MLA of 220.42 ha. The mine is located at Iron Ore Complex (IOC) Dandi Raghara, Tehsil Dandi District Balod, Chhattisgarh.
- ii. TOR for the Proposal was accorded by to Ministry of Environment, Forest & Climate Change in its 33rd meeting and issued on 09.06.2015.

- ii. Proposal for EC along with final EIA submitted to Ministry of Environment, Forest & Climate Change on 09.12.2017. EAC (Non-Coal Mining) held on 26th Feb 2018
- iv. EAC rejected the proposal with following comment in Minutes of Meeting and also in letter no. J-11015/167/2015-IA-II (M) dated 26.03.2018. "The proposal was received online and accordingly it was considered by the Expert Appraisal Committee in its meeting held during February 26-27, 2018 wherein the PP informed the Committee that they had never taken EC neither under EIA Notification, 1994 nor EIA Notification, 2006 and mine is operating since 1958. In view of above, EAC mentioned that this is a case of violation as PP had not taken EC under the provisions of the EIA Notification 1994/2006 and the instant proposal may be rejected and appraised as per the provisions of the violation Notification issued by the MoEF&CC vide S.O. 804 (E) dated 14th March 2017. The Committee is also of the view that the Consultant is to be warned that they had to guide properly to the PP so that such case should not have come to this Committee with a letter be written to QCI-NABET for necessary action."
- v. Against decision as taken in the minutes of the 28TH EAC Meeting held on 26TH-27TH February 2018 rejecting the proposal of SAIL for grant of EC, as informed vide letter no. J-11015/167/2015-IA-II (M) dated 26.03.2018, SAIL being aggrieved, have filed Writ Petition (Civil) No. 1734 of 2018 before the Hon'ble High Court of Chhattisgarh at Bilaspur praying, amongst others, to quash the letters dated 26.03.2018 and to issue appropriate directions to the department to consider our proposal of EC for enhancement of production capacity for iron ore complex-Pandridelli and Rajhara Pahar Iron Ore Mines in the District of Balod, Chhattisgarh.
- vi. In view of the approaching deadline of the validity of lease till 27.04.2023, on 16.12.2022, SAIL made an IA in the pending Writ Petition 1734/2018 before Hon'ble Chhattisgarh High Court, to consider the proposal for grant of EC for the purpose of getting the extension of mining lease period of Pandridelli and Rajhara Pahar Mines Lease beyond 27.04.2023 and to maintain continuity of mining operations.
- vii. On order dated 20.12.2022 Hon'ble Chhattisgarh High Court, directed the Chhattisgarh State Government to ensure that the application put forth by the BSP/SAIL for renewal of their lease deed which is coming to an end on 27.04.2023 be processed in accordance with law without insisting for the environmental clearance certificate.
- VIII. कार्यविधय कलेक्टर (संस्थित जारी), पिला-बालोद के द्वापन क्रमांक 393/खनियि./एम.एल./2022 बालोद, दिनांक 24/05/2022 द्वारा जारी प्रभाग पत्र अनुसार लिखा एवं दिये वाये उत्त्वानन वर्गी यानकारी निम्नलिखित है:-

वर्ष	उत्पादन (R.D.M. टन में)	वर्ष	उत्पादन (R.D.M. टन में)
1993-94	27,94,769	2008-09	11,24,190
1994-95	26,68,163	2009-10	16,76,000
1995-96	25,39,338	2010-11	16,38,000

1996–97	22,02,029	2011–12	16,56,030
1997–98	14,36,362	2012–13	13,53,160
1998–99	10,65,000	2013–14	10,27,008
1999–2000	8,82,750	2014–15	17,59,036
2000–01	8,87,100	2015–16	19,67,285
2001–02	8,61,660	2016–17	15,40,031
2002–03	8,33,880	2017–18	17,17,183
2003–04	15,47,860	2018–19	14,59,170
2004–05	13,36,900	2019–20	12,46,821
2005–06	10,87,900	2020–21	13,25,774
2006–07	10,04,660	2021–22	14,03,158
2007–08	11,27,660		

2. जल एवं जागृ सम्मति –

- प्रस्तीतगढ़ पर्यावरण संस्थान मंडल, नवा रायपुर बट्टल नगर द्वारा आयोजित और क्षमता-4.50 मिलियन हेक्टेक्टर उपर जल एवं जागृ सम्मति नवीनीकरण दिनांक 19/03/2021 की जारी की गई है, जो कि दिनांक 31/03/2024 तक वैध है।
 - पूर्व में जारी सम्मति नवीनीकरण के तारीख से पालन में भी गई जारीबाही की विन्दुवार जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। सम्मति का नहा है कि प्रस्तीतगढ़ पर्यावरण संस्थान नवीनीकरण की जारी सम्मति तारीख के पालन में भी गई कार्यकारी की विन्दुवार जानकारी उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान मंडल से प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. उत्तराखण्ड योजना – प्राइवेट प्लान एलाइ विष्य प्रोटोसिय नाहून कलोजर प्लान प्रस्तुत विषय गया है, जो क्षेत्रीय खान विवरक, भारतीय खान व्यूटो के खान अनुसार RPR/BALODIIRON ORE/H374/MMP/2022-23 दिनांक 31/03/2023 द्वारा अनुमोदित है।
4. लीज संकेती विवरण –

- पूर्व में गैरवी हिन्दुस्तान स्टील प्राइवेट लिमिटेड (मिलाई स्टील प्रोसेस) भिलाई के पक्के में काष्यपदेश शासन के आदेश दिनांक 22/04/1980 तक 30 वर्ष अवधीन दिनांक 01/06/1958 से दिनांक 31/05/1988 की अवधीन के लिए चान-पंडीपत्ती, चानहोरा पहाड़ के कुल एकड़ा 720 एकड़ (291.498 हेक्टेक्टर) हीज पर खण्डित सौह अवास का खण्डित पट्टा स्थीरता किया गया था। उत्तराखण्ड नेसस स्टील अपॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सोल), भिलाई स्टील प्लाट, भिलाई के पक्के में 241.76 हेक्टेक्टर (आवेदित हीज में से 120 हेक्टेक्टर शासन व्यूटो, 121.76 हेक्टेक्टर हीज बनन्हीमि है) यन संस्थान अधिनियम 1980 के तहत यन विभान द्वारा लिफ 121.76 हेक्टेक्टर हीज पर खण्डित पट्टा नवीनीकरण की अनुमति दी गई है ० काष्यपदेश शासन के आदेश क्रमांक ३-119/88/12/3/1/5 भीचाल, दिनांक 05/06/1993 द्वारा १० वर्ष हेतु खानिपट्टा का प्रथम नवीनीकरण की स्थीरता प्रदान की गई। जिसकी

अवधि दिनांक 01/06/1993 से 31/05/1998 तक थी। द्वितीय नदीनीकरण मल्लप्रदेश शासन के आदेश दिनांक 04/03/1999 द्वारा 5 वर्ष अर्थात् दिनांक 01/06/1998 से दिनांक 27/04/2003 तक अवधि को लिए विस्तारित की गई थी। द्वितीय नदीनीकरण मल्लीसगढ़ शासन खनिज सामग्री विभाग के आदेश दिनांक 03/01/2006 एवं दिनांक 15/04/2005 द्वारा 20 वर्षीय अर्थात् दिनांक 28/04/2003 से दिनांक 27/04/2023 तक अवधि को लिए बुल रखा 241.76 हेक्टेयर में से 230.42 हेक्टेयर क्षेत्र को लिए विस्तारित की गई।

- अपर फारिंग, मल्लीसगढ़ शासन, खनिज सामग्री मंत्रालय, भारतीय नदा रायपुर अटल नगर के द्वापन क्रमांक एफ 3-21/2022/12 नदा रायपुर अटल नगर, दिनांक 10/07/2023 द्वारा 20 वर्ष के लिए यथा दिनांक 28/04/2003 से 27/04/2043 तक तीव्री अवधि हेतु अधिनियम विस्तारित किया गया है।
5. फॉरेस्ट क्लाररेंस संबंधी विवरण – भारत सरकार, पर्यावरण एवं बन मंत्रालय के द्वापन दिनांक 28/04/1993 द्वारा जारी पत्र की प्रति प्रस्तुत की गई है जिसको अनुसार “साल्य सरकार के प्रस्ताव पर साक्षानीपूर्वक विभाग बनने के बाद और संघर्षक सलाहकार सभिति की विकारिज के आधार पर, केंद्र सरकार 121.76 हेक्टेयर के रायपर्जन के लिए बन (संस्थान) अधिनियम, 1980 की याता 2 के तहत अपनी मंजूरी देती है। जिस दुर्ग में लौह अवस्क के खनन को लिए भिलाई रुटील फ्लॉट को निम्नलिखित राती की अवैत पहुँच पर बन भूमि का आवंटन” होना चाहया गया है। बन विभाग की अनापति 10 वर्षीय अवधि दिनांक 28/04/1993 से दिनांक 27/04/2003 तक जारी की गई थी तथ्यसात् बन विभाग का अनापति प्रभाग पत्र का द्वापन नदीनीकरण भारत सरकार, पर्यावरण एवं बन मंत्रालय के द्वापन दिनांक 28/04/1993 द्वारा जारी पत्र 08/04/2004 द्वारा जारी पत्र अनुसार “साल्य सरकार के प्रस्ताव पर यहन विचारोपन्न एवं संघर्षक सलाहकार सभिति की अनुशंसाओं को आधार पर। केंद्र सरकार इसके द्वारा भिलाई रुटील फ्लॉट को पक्ष में पंडरी कल्पी बाजहरा डिल्ला खदानों के लिए पहते हो ही दूटी हुई 100.76 हेक्टेयर बन भूमि पर खनन पहुँच को नदीनीकरण के लिए बन (संस्थान) अधिनियम, 1980 की याता 2 के तहत अपनी मंजूरी देती है। जिस दुर्ग, छतीसगढ़, निम्नलिखित राती की घुर्णि की अवैत दिनांक 28/04/1993 से 27/04/2023 तक जारी की गई थी।
- भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायी परिवर्तन मंत्रालय के बन संस्थान विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश दिनांक 01/04/2015 के अनुसार “ज्ञान एवं विकास एवं विभिन्न (संस्थान) अधिनियम 1967 को नियम 8(3) के सुधारितम् 1 में निर्दिष्ट खनिजों के लिए अपवर्तित बन भूमि की अवधि के दिसार तीव्र विस्तार अधिनियम द्वारा की तीव्र अवधि को साझ-गिरावी (coterminalous) होगी।” कानूनि का बता है कि विस्तारित अधिनियम अवधि दिनांक 28/04/2023 से 27/04/2043 तक तीव्र अवधि हेतु बन संस्थान अधिनियम, 1980 के तहत फॉरेस्ट क्लीरेंस (Forest Clearance) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
6. बहुत्पूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटतम आवादी बाग जगह 700 मीटर एवं दूसरे नटेशन दूल्ही शालहरा 1.25 किमी. की दूरी पर स्थित है। राजमार्ग 1.24 किमी. दूर है। कुरुम नाला 600 मीटर, सांदुला नदी 2.5 किमी., राजहरा बांध 1.0 किमी., बोरीकोह बांध 6.7 किमी. एवं जगह ८१२ के 300 मीटर दूर है।

7. पारिविश्वासीय/ औद्योगिकता संबंधित क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक इतारा 10 किमी. की परिसीमा में साथीय नाटान, जमायरण, औन्दीय प्रदूषण नियंत्रण क्षेत्र द्वारा घोषित हिन्दूकटी पील्हुड़ेड़ पुरिया, पारिविश्वासीय संबंधित क्षेत्र या धोपित औद्योगिकता क्षेत्र लिखत नहीं होना प्रतीवेपित किया है।
8. लीज क्षेत्र को बफर जौन के अंतर्गत आकृति बन पिक्कोटटा, रापोडीही, उनोचापानी, मगढ़ी जायकना, नाशुर एवं सांकेति बन दल्ली, तिमोडीह, नालडेल, इनदही है। सभिति का बत है कि इन्हे प्राप्ती भवित्वाने योजना का अनुसार एवं प्रयोग द्वारा संखाक (प्रथम ज्ञानी) से कालाकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
9. सनन संघर्षा एवं सनन का विवरण – जिलोलीजिकल रिजर्व 35.67 मिलियन टन एवं नाईनेकल रिजर्व 20.17 मिलियन टन है। लीज की 7.5 मीटर चौड़ी लीमा पट्टी (उत्तरनन के लिए प्रतिशेषित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 16.14 हेक्टेयर है। अंगन फिट नाईनिंग दिय सीवेल एवं डम्पर/टिपर कॉम्पनीजन फुलरी ऐक्साइजन लिपि से उत्तरनन लिया जाता है। पहाड़ी भटाह से उत्तरनन की प्रस्तवित अधिकतम गहराई लजहरा क्षेत्र में लगभग 152 मीटर एवं पहिलम जौवान में लगभग 41 मीटर है। देश की अधिकतम ऊंचाई 30 मीटर है। खाद्य की संवाधित आयु 12 वर्ष है; दिप होल लार्ज काम डिलिंग एवं उन्टोल बसारिटेंस किंव जाता है। खाद्य में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का डिफरेंस किया जाता है। वर्षाकर प्रस्तावित उत्तरनन का विवरण निम्नानुसार है—

Year	RDM Production (Tonnes)	Waste (OB) in Tonne
2023-24	21,40,000	51,44,018
2024-25	21,40,000	51,47,384
2025-26	21,40,000	52,89,231
2026-27	21,70,000	54,15,508
2027-28	35,00,000	91,00,000

10. गैरक डम्प व्यवस्था योजना :-

Dump Area	Present			Conceptual		
	Quantity	Height in meter	Area in Ha.	Quantity	Height in meter	Area in Ha.
Ghatal	38.0 MT	82	38.66	77.0 MT	105	40.00
Kokan West	1.57 MT	18	3.80	-	-	3.80

11. जल आपूर्ति – कर्तगाम में परियोजना हेतु आवश्यक जल की आया 1,166 प्रमाणीटर प्रतिदिन है। अन्ता विस्तार उपरात परियोजना हेतु आवश्यक जल की कुल आया 3,241 प्रमाणीटर प्रतिदिन होगी। जल की आपूर्ति रखोत एवं अनुसृती संबंधी योजनागती/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

12. गृहान्तरण कार्य – परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि कर्तगाम लिखति तक कुल 31.05 हेक्टेयर में लगभग 50,325 नग पौधों का हेतरण किया जाया है, जिसमें से लगभग 40,347 नग पौधों जीवित हैं। परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह 2023-24 से 5 हेक्टेयर में लगभग 12,500 नग पौधों का रोपण किया जाना प्रस्तावित है। सभिति का बत है कि लीज क्षेत्र की लीमा में जहाँ 30 एवं 7.5 मीटर की पट्टी में वृक्षान्तरण हेतु 5 से 6 क्लीट ऊंचाई वाले प्रस्तावित पौधों का रोपण (30 प्रतिशत जीकन दर सहित), सुख्खा हेतु फेलिंग, खाद एवं सिंगार्ड तथा रस-रखाक के लिए 5 कर्तों का घटकवार व्यवहार का विवरण सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

13. अवाम की 7.5 मीटर की सौंदी जीवा घट्टी में उत्तरानन — सौंदी शेज के जारी और 7.5 मीटर की सौंदी घट्टी में उत्तरानन का कार्य नहीं किया गया है।

14. ई.आई.ए. रिपोर्ट का विवरण —

- जल एवं पायु आदि गुणवत्ता वाली जानकारी — भौमिकरिंग कार्य वार्ष 2015 से ग्रृ. 2015 के बाय किया गया है; 10 मिलीमीटर के अंतर्गत 10 सालों पर परिवेशीय पायु गुणवत्ता मापन, 8 सालों पर मृ—जल गुणवत्ता मापन, 10 सालों पर ध्वनि स्तर मापन, 8 सालों पर सालही जल गुणवत्ता गम्य 8 सालों पर मिट्टी के नमूने एकलिंग वर्त विवरण दिया गया है।
- भौमिकरिंग परिणामों के अनुसार पीएम् एसओ, एनओ, का सानदण लेवल—

Concentration level ($\mu\text{g}/\text{m}^3$) of criteria pollutants			
Criteria Pollutants	Minimum ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)	Maximum ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)	CPCB Standard ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)
PM _{2.5}	16	39	60
PM ₁₀	37	66	100
SO ₂	8.2	22.6	80
NO ₂	10.3	28.3	80

- परिवेशना स्तर के आवधास जल सौंदी की गुणवत्ता— ई.आई.ए. के Chapter-3 Description of environment में दर्शाये गये टेबल अनुसार जलौराइवर्स, नाहाट्टा, सल्कर, कार्हीनेटर, लैल, जासीनिक एवं अन्य रसायनिक तालों वाले सानदण लेवल भास्तीय बानक से कम है।
- परिवेशीय ध्वनि स्तर—

Noise level - dB (A)			
Equivalent Noise level	Minimum dB (A)	Maximum dB (A)	CPCB Standard dB (A)
Day L _{dn}	43.4	78.9	75
Night L _{dn}	32.5	67.4	70

जो उक्त ई.ए. की जिलीपित बानक स्तर से अधिक है। परिवेशीय ध्वनि स्तर यह बात जास्तीम प्लाट की समीप (स्टेशन-6) में CPCB Standard (75 डीबी(ए)) से अधिक 78.9 डीबी(ए) है। समिति का मत है कि उक्त स्टेशन के समीप ध्वनि स्तर की CPCB Standard (75 डीबी(ए)) से कम रखे जाने हेतु अपनाये जाने वाले प्रदूषण नियंत्रकों संकेत में जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

- पी.सी.ए. की गणना— भारी बाहुनी / नलीट्टेश्वर ई.ए. बाहुनी की जास्तीहून छानते हुये ट्रैफिक अव्याप्ति रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- भौमिकरिंग कार्य वार्ष 2015 से ग्रृ. 2015 के बाय किया गया है। इस संबंध में समिति का मत है कि भारी सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन प्रोजेक्ट द्वारा जारी ऑफिशियल बैचलेटर्स दिनांक 08/08/2022 में उल्लेखित (iii) The baseline data and Public Hearing shall not be more than three years old at the time of submission of application for consideration of EC. (iv.) At the time of application for EC, in case baseline data is older than three years, but less than five years old in the case of River valley and HEP Projects, or less than four years old in the case of other projects, the same shall be considered, subject to the condition that it is revalidated with one season fresh non-monsoon data collected after

three years of the initial baseline data.” के अनुसार पहला सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।

१४. पूर्व में बेसलाइन डाटा एकलिंग करने का कार्य नार्थ २०१५ से गई, २०१५ के पाय़ किया गया था। उक्त ऑफिस के लोगोंपर्सन के अनुसार बताया गया, पूर्व एकलिंग बेसलाइन डाटा की रैपला गई, २०१५ तक की है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिया गया तथा प्रधान पर्यावरणीय स्थीरता हेतु लायदन किया गया है। अतः जलाल के संबंध में नवीन बेसलाइन डाटा एवं सौकार्य सुनार्दि कराये जाने के संबंध में जानकारी मिलाया जाना आवश्यक है।
१५. समिति का मत है कि परियोजनीय बायु प्रभाव हेतु जीएलसी की गणना कर लगाकरी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
१६. लोक सूचनाई दिनांक २७/१०/२०१७ प्रातः ११०० बड़ी रात्रि – द्वारा विचायत हाथकरनथा, बस्तर जुनाई वार्डसाला के समने, छान-सालो, विलासखाल-झीली, लिलो-कालोद में रापन रुद्धि।
१७. छानीग व्यवस्थन द्वारा लोक सूचनाई की दीर्घ सत्राये गये विभिन्न मुद्राओं एवं उनके विवरकरण की दिग्गज में किये जाने वाले उपाय के संबंध में सारांशद्वारा प्रपञ्च अंगठी (tabular form in english) में प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। समिति का मत है कि जन सामाज्य के सुक्रियानुसार सारांशद्वारा प्रपञ्च हिन्दी (tabular form in hind) में भी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
१८. कौरीट कॉर्पोरेशन राइट (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सम्मानित द्वारा उपरांत विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपर्युक्त विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
१९. माननीय द्वारा न्यायालय, विलासपुर, उ.ग. द्वारा दिनांक १७/०४/२०२० की विषय जारी किया गया है—

“Be that as it may, the fact remains that the petitioner has now moved the application for grant of environmental clearance certificate which is under consideration before the respondent No. 2. Foreseeing the fact the present mining lease that the petitioner has, expires on 27.04.2023 and also taking note of the fact that the respondents do not dispute or take a stand that the petitioner is not entitled for grant of environmental clearance certificate, ends of justice would meet, if the Writ Petition as of now is kept pending with a direction to the respondent No. 2 to ensure that the application for grant of environmental clearance is considered on priority basis taking into consideration the short period of time left for the mining lease period of the petitioner.

Accordingly, the respondent No. 2 is expected to take a decision before the expiry of period of mining lease i.e. on 27.04.2023. The decision of the respondent no. 2 would enable the petitioner to pursue their application for renewal of the mining lease.

The Respondent No. 2 would also consider the far reaching ramifications as a consequence of the environmental clearance not being granted. The Respondent No. 2 would also consider the fact that the petitioner is a “Maharashtra” Company. Subject ofcourse the petitioner meeting all the other requirements under the Rules for obtaining the E.C.

certificate, except the fact of the petitioner not having E.C. certificate for the past years, the effect of which would be subject to the outcome of the present writ Petition.

20. दूर्दीयों, नोनहारे, अवस्था, साम्य स्तरीय विसेषज्ञ मूल्यांकन समिति द्वारा निम्नानुसार जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने सुपरात आगामी कार्यवाही किये जाने का अधिकत है—
- i. विशेषज्ञ वर्ष 1993-94 से विशेषज्ञ वर्ष 2005-06 तक तथा विशेषज्ञ वर्ष 2006-07 से अबतार लिखित रूप परियोजना प्रस्तावक द्वारा कामनी की अडिटेड ऐलेट रिपोर्ट (Annual Report) के अनुसार कार्यक टर्नओवर की जानकारी प्रस्तुत किया जाए। (in THE SUPREME COURT OF INDIA CIVIL ORIGINAL JURISDICTION WRIT PETITION (CIVIL) NO. 114 OF 2014 at Page 56 of 114)
 - ii. उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान द्वारा जारी समति राहीं की पात्रता में की गई कार्यवाही की विन्दुओं जानकारी उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान भद्रता से प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
 - iii. सीईआर, की गणना हेतु परियोजना की कुल सामग्री का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाए।
 - iv. जल की आवृत्ति संबंध एवं अनुमति संबंधी जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
 - v. लौज बोर की सीमा में चारों ओर 7.5 मीटर की पट्टी में कृषीरोपण हेतु 5 से 6 फीट ऊंचाई वाले प्रस्तावित बीचों का नीयम (50 प्रतिशत चौरान दर सहित), सुखा हेतु कौशिक खाद एवं शिंचाई तथा रस-रक्षाव के लिए 5 बर्षी का घटकान्दार व्याप का विवरण सहित प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
 - vi. भारी बाढ़नी/महादीपावाल हेती बाढ़नी की समाहित करते हुये ट्रैफिक अव्यवहार रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाए।
 - vii. परिवेशीय वायु प्रभाव हेतु जीएलसी की गणना कर पानकारी प्रस्तुत किया जाए।
 - viii. उद्धोग प्रबोधन द्वारा लोक सुनवाई के दीर्घन सुनाये गये विभिन्न भुद्वी एवं उनको निरकरण की दिशा में किये जाने वाले उपाय के संबंध में सारणीयद्वारा प्रपञ्च अंग्रेजी (tabular form in english) में एवं जन सामाज्य के सुविधानुसार सारणीयद्वारा प्रपञ्च हिन्दी (tabular form in Hindi) में भी प्रस्तुत किया जाए।
 - ix. गारुडेन्ड्र हेन, यैक डेन एवं जल नियान्त्र के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
 - x. Endangered flora & Fauna Biodiversity conservation plan प्रस्तुत किया जाए।
 - xi. Ground Vibrational Study Report की प्रति प्रस्तुत किया जाए। साथ ही Frequency of Blasting की जानकारी भी प्रस्तुत किया जाए।
 - xii. इन्हापरीटेल मेनेजमेंट प्लान (डी.पी.आर.) प्रस्तुत किया जाए।

- xvi. इनीशियल प्लान के संबंध में ज्ञानीय (स्टेटमेंट-6) में घोषित रूप को CPCB Standard (76 हीरी(ए)) से कम रखा जाने हेतु अपनाये जाने वाले प्रदूषण नियंत्रक के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- xvii. परियोजना प्रस्तावका द्वारा भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी ऑफिशियलोरेप्रेस्स दिनांक 05/06/2022 के अनुसार The baseline data and Public Hearing की अधिकारी ने खेती समाप्ति उपर्यात पर्यावरणीय स्थीरता हेतु आवेदन किया गया है। जहां रक्षा के संबंध में जारी बेशलडाईन डाटा एवं लौह सुनवाई करनाये जाने के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- xviii. भूरीसागढ़ जामन, खगिज स्थान विभाग गवाली भवन, नवा राष्ट्रपुर अटल नगर द्वारा 20 वर्ष के लिए पश्चा दिनांक 28/04/2023 से 27/04/2043 तक की अवधि के लिए जली के अधीन खगिजटटा विस्तारित किया गया है। वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के तहत विस्तारित संत्यादन शामिल एवं विस्तारित खगिजटटा अवधि दिनांक 27/04/2043 तक के लिए वन भूमि के लिए फॉरेस्ट क्लीरेंस (Forest Clearance) प्रस्तुत किया जाए।
- xix. वन्य प्राणी बीजाय पोखना का अनुमोदन प्राप्त मूल्य वन संलग्न (वन्य प्राणी) से गवालर प्रस्तुत किया जाए।
- xx. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपयुक्त विस्तुत प्रस्ताव (ईको पार्क हेतु ली.पी.आर) प्रस्तुत किया जाए।

21. समिति को सादस्यी का निम्नानुसार अभिभाव है—

- श्री डॉ. शहुल बैकर, सदस्य संचिव, राज्य संसदीय विशेषज्ञ भूत्याकान समिति का अभिभाव है कि अध्यक्ष महोदय के अभिभाव विन्दु क्रमांक v, x, xv एवं xx के जब पर्यावरणीय स्थीरता दिये जाने हेतु विशार विषया जाएगा। तब सकारी पर्यावरणीय स्थीरता दिये जाने की अनुमति की जा सकती है तथा अभिभाव विन्दु क्रमांक xiiv के परिपेक्ष्य में जारी बेशलडाईन डाटा एवं लौह सुनवाई करनाये जाने की संकेत में जानकारी मंगाये जाने की आवश्यकता प्रतिपादित नहीं होती है। उक्त विन्दुओं के अनिवार्य अवधि महोदय के अभिभाव के अन्य विन्दुओं पर लाहमती है।

- श्री एन.के. घनदाकर, सदस्य संचिव संसदीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति का अभिभाव है कि अध्यक्ष महोदय के अभिभाव में से विन्दु क्रमांक i के परिपेक्ष्य में पर्यावरणीय स्थीरता पारी करने की संदर्भ में यह जानकारी बेलाया जाना आवश्यक नहीं है।

विन्दु क्रमांक v के परिपेक्ष्य में लौज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर के पहुँचे ने दृश्यारोपण ही कुका है। जिसका उल्लेख माईन प्लान में किया जा चुका है।

विन्दु क्रमांक x के परिपेक्ष्य में लौह अवधि परिवहन व्यावहारिक पहुँच की ओर संग्रहन प्रक्रिया लौज होती ही अंदर से ही ऐसे रैक द्वारा डिस्ट्रीब किया जाता है। यह इसकी अवश्यकता प्रतीत नहीं होती।

विन्दु क्रमांक xx के परिपेक्ष्य में जी. एस. जी. जी नामक ईआईए निपोर्ट में सूचित है कि नियांत्रित गापदण्ड की भौतिक है।

विन्दु क्रमांक x के परिपेक्ष्य में फलोरा एवं फौना का अवधान वन्य प्राणी संरक्षण योखना यदि प्रस्तुत करना आवश्यक हो तो पर्यावरण स्थीरता के

गती ये समाहित करते हुए ६ नाम या १ वर्ष समय दिया जाकर सख्ति हेतु अनुसंधान की जाती है।

विन्दु क्रमांक xv के परिपेक्ष्य में खरीदोजना प्रकल्पक द्वारा माननीय उत्तीर्णांश उच्च न्यायालय द्वारा रिट पिटीजन क्रमांक 1734/2018 में पारित निर्णय दिनांक 27/04/2023 को गारतमा ने दिए गये आदेदन से संबंधित है। जिसमें सनिति को इस प्रकल्प न भावत सहकार द्वारा दिनांक 26/03/2018 तक पूर्ण किये गये कारण को बाद से गूँथाकरन करना है। अतः इस प्रकल्प में जिसमें लोक सुनवाई हो चुकी है। अतः इस निर्णय को ईआईए अधिकृतना 2006 की पैक 7 के अनुसार गूँथाकरन करना है। पुनः लोक सुनवाई एवं बैठक लाईन जाटा करने के बिन्दु को समाहित करने से माननीय उच्च न्यायालय के आदेश की अपनाना जाएगा।

ऑफिस नेगोरिएशन दिनांक 05/06/2022 में रपट है कि बैठा लाईन जाटा एवं लोक सुनवाई की तिथि पर्यावरण स्वीकृति आदेदन की तिथि से तीन वर्ष पूर्णी नहीं होनी चाहिए इस प्रकल्प में पर्यावरण स्वीकृति आदेदन की तिथि एवं 2017 है एवं लोक सुनवाई तिथि वर्ष 2017 है। बैठकमान में किया गया आदेदन बैठक एमओईएक सी.सी. को ऑफिसलाईन से ऑफिसलाईन प्राइवेट में जाने से हुई उपर्योगी परिवर्तन को दृष्टिकोण रखते हुए किया गया है। अतः इस प्रकल्प में जिस वाय (अतः वर्ष 2017) पर्यावरण स्वीकृति के लिए ऑफिसलाईन आदेदन किया गया उस समय बैठा लाईन जाटा एवं लोक सुनवाई की तिथि 3 वर्ष से अधिक पूर्णी नहीं ही। तथा ही यह प्रकल्प जीवा कि पूर्व में इंगित है माननीय उत्तीर्णांश उच्च न्यायालय के निर्देश से संबंधित है, जिसमें खरीदोजना प्रस्तावका को प्रकल्प को भावत सहकार द्वारा दिनांक 26/03/2018 तक पूर्ण किये गये कारण को बाद से गूँथाकरन करना है, जिसमें लोक सुनवाई एवं बैठा लाईन जाटा पूर्ण की जा चुकी है।

विन्दु क्रमांक xv के परिपेक्ष्य में जिसलिए जाने पड़ा अद्यति तक के लिए फारेस्ट निलगिरी प्रस्तुत करने के संदर्भ में शापथ पत्र के आधार पर सातां पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अनुसंधान करना सुनित होगा।

विन्दु क्रमांक xv के परिपेक्ष्य में बन्द प्रान्ती संस्करण योजना को पी.सी.सी.एफ. सी.एनुगोदन करतायार प्रस्तुत करने के संदर्भ में शापथ पत्र के आधार पर सातां पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अनुसंधान करना सुनित होगा।

न्यूज़ विन्दुओं की अतिरिक्त अध्या गहोदय के अधिनता के अन्त विन्दुओं पर कानूनी है।

iii. सी.संस्करण कुमार चौधरी, सदस्य, राज्य सत्रीय विशेषज्ञ गूँथाकरन समिति का अधिकार है कि अध्या गहोदय के अधिनता विन्दु क्रमांक xv के परिपेक्ष्य में नवीन बैठालाईन जाटा एवं लोक सुनवाई कराये जाने की संभवत में यहांतकाली बंगाली जाने की अवश्यकता प्रतिवादित नहीं होती है। यद्यपि पर्यावरणीय स्वीकृति पारी करने के प्रधान वर्ष में अतिरिक्त ईआईए स्टील कम्पना जाए। इससे सतात पर्यावरणीय अनुभालन और निगरानी सुनिहित होगी।

उपरोक्त तथ्यों को समाहित करते हुए विन्दु क्रमांक xv एवं xv की ऊपर पर्यावरणीय स्वीकृति दिये जाने हेतु दियार किया जाएगा तथा सातां पर्यावरणीय स्वीकृति दिये जाने की अनुसंधान की जा रही है।

करता बिन्दुओं की अतिरिक्त अवधारणा की अभिनवता की ऊंची बिन्दुओं पर सहजति है।

उक्त उम्मीदों के चरिपेश्य में समिति की अवधारणा द्वारा लिए गए निर्णय से सदस्य समिति, एस.ई.ए.सी., छ.ग. एवं सदस्यों एस.ई.ए.सी., छ.ग. की अभिनवता में मिलता होने के कारण बहुमत की आवार पर निर्णय लिया गया—

1. बिन्दु नम्रांक 20 के (ii) से (xvi) तक की पांची वह जानकारी परियोजना प्रस्तावक द्वारा एस.ई.आई.ए.ए., छ.ग. में प्रस्तुत किया गया।
2. प्रकरण की एस.ई.आई.ए.ए., छ.ग. की सम्भा वर्चा हेतु प्रेषित लिखा जाए।

प्राधिकरण द्वारा बैठक में विचार — उपरोक्त प्रकरण पर प्राधिकरण की दिनांक 11/10/2023 को साफ्ट 100वीं बैठक में विचार किया गया। प्राधिकरण द्वारा नस्ती/जानकारी/दस्तावेज का अवलोकन किया गया। माननीय उच्च न्यायालय, विलासपुर के नामक WPC No. 1734 of 2018 विचाराधीन है। माननीय उच्च न्यायालय, विलासपुर द्वारा प्रकरण में समय—समय पर जारी आदेश का पालन सुनिश्चित किया गया।

प्राधिकरण द्वारा विचार विभी उपरांत सर्वसम्मति से समरोक्त तथ्यों के चरिपेश्य में प्रकरण पर परीक्षण उपरांत उपयुक्त अनुशंसा किये जाने हेतु एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ की सम्भा प्रस्तुत किये जाने का निर्णय लिया गया।

नादानुसार एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ की 156वीं बैठक दिनांक 11/10/2023 के चरिपेश्य में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 18/10/2023 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(b) समिति की 456वीं बैठक दिनांक 09/11/2023:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्पत्ति याहूँ वाहूँ—

1. माननीय सर्वीस न्यायालय के रिट्रिटिलन (रिट्रिल) क्र.114/2014 में पारित निर्णय दिनांक 02/08/2017 के पृष्ठ नं. 86 में पैरा 3 में वर्ष 1993–94 से साधारण निष्पत्ति तक सरपादन की जानकारी का उल्लेख होता है। आकिटेड बैलेट रीट रिपोर्ट (Annual Report) प्रस्तुत करने का उल्लेख प्रतीत नहीं होता है। वास्तव ही वर्ष 1993–94 से सरपादन को आकड़े औन्नलाइन आवेदन के द्वारा संप्रस्तुत किये जा रहे हैं। समिति का मत है कि उल्लंघन के प्रकरण में आकिटेड बैलेट रीट रिपोर्ट (Annual Report) प्रस्तुत करने से वार्षिक टनकोवर की जानकारी प्राप्त होगी।
2. शोधीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ परावरण संस्थान बैठक, बिलाई-दुर्ग के द्वारा दिनांक 1427, दिनांक 18/08/2023 द्वारा जारी समिति तातों के पालन में की गई कार्यवाही की बिन्दुवार जानकारी प्रस्तुत किया गया है, जिसकी अनुसार नस्ती तातों का पालन पूरी रूप से किया जाना बताया गया है।
3. सी.ई.आर. ती गणना हेतु परियोजना की कुल लागत 80 करोड़ रुपये का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है।
4. जल की आपूर्ति खूं-खाल से की जाएगी। इस कार्यत सैन्ट्रल चालून बाटर अधीक्षिती से 1974.a गिसोलीटर प्रतिदिन हेतु ई-मेल के बाह्यम से परियोजना प्रस्तावक को प्राप्त अनुमति (Approval memo) की प्रति प्रस्तुत की गई है।

6. हैंडल की सीधा में चारी और 7.5 मीटर की पट्टी में पुकारोपण हेतु विस्तृत प्रस्ताव के संकेत में परियोजना प्रस्तावका का कथन है कि खूँकि यह खनिपट्टा वर्ष 1988 से संभालित है। अब भारतीय सान बूँदों के सानका अनुसार लीज कोव की सातों और 7.5 मीटर की पट्टी में पुकारोपण (खोमन बालचुनी को छोड़कर) किया जा चुका है। इस संकेत में समिलि का मत है कि 7.5 मीटर की पट्टी में किये गये पुकारोपण की संख्या, प्रजाधिकार विवरण तथा आगामी वर्ष में रक्ष-रक्षाव के लिए ज्यादातर विवरण सहित विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
6. भारी बाहुनी/मल्टीएवलाल हेतु बाहुनी की समाहित करते हुये ट्रैफिक अव्यवस्था रिपोर्ट के संकेत में परियोजना प्रस्तावका का कथन है कि लीह अवस्था का परिवहन खनिपट्टे के भीतर ही किया जाता है। खनिपट्टे से बाहर लीह अवस्था को रेलवे ट्रैक द्वारा शिरौर्च किया जाता है।
7. विवेशीय यात्रु प्रवाह हेतु जीएलसी की वापसी कर जानकारी प्रस्तुत किया गया है, जो निम्नानुसार है—

Air Environment in core zone – Post project scenario ($\mu\text{g}/\text{m}^3$) 24 hourly concentrations	Suspended Particulate matter (PM ₁₀) (max)
Baseline scenario (max)	83
Predicted ground level concentrations (max)	8.8
Resultant concentrations	59.5
NAAQ Standards	100

8. उद्धीग प्रबंधन द्वारा लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये विभिन्न सुदूरों एवं उनके निराकरण की दिशा में किये जाने वाले उपाय के संकेत में सारणीयद्वय प्रपञ्च अंगीरी (tabular form in english) में एवं जेन सामान्य के सुविधानुसार सारणीयद्वय प्रपञ्च हिन्दी (tabular form in hindī) में भी प्रस्तुत किया गया है। विभावी अनुसार जनन्तुनवाई को दौरान सुखा रूप से निम्न लुप्ताव/विकार प्रकल्प किये गये हैं—
- स्वास्थ्य के कारण हृदयपर्याप्ति का उपयोग करने पर लाल रंग का दूषित जल आ रहा है। यांकीनी द्वारा 5 एच.पी. की कमता का बोर्डेल एवं टंकी का निर्माण किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। ताकि समस्त घरों ने पानी की उपयोगता ही करें।
 - जामसदा वीं और बहने काले लीह अवस्था मुख्य मिट्टी के संकलान मल्कुबर जलाशय से मिट्टी की सफाई एवं सौत में लाल पानी की शिकायत की लिए उपाय किये जाए।
 - प्रतिक्रिया बैरोजमार्ट की दौम्यता के अनुसार उपाई नीकारी दिया जाए।
 - पोर्टलकीह जलाशय से सिंचाई हेतु विकानी दो पानी दिया जाए।
- लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये विभिन्न सुदूरों के निराकरण की दिशा में परियोजना प्रस्तावकों की ओर से उपरिक्त प्रतिनिधि/कंसलटेंट का कथन निम्नानुसार है—
- पूर्वित जल के उपाय हेतु लाले गांव ने सीर आरओ, प्लांट समाप्ति किया गया है। सीर आर के तहत दो वर्षों के भीतर एक और सीर आरओ, प्लांट समाप्ति किया जाएगा।

- i. प्रबंधन द्वारा गांव की ओर बहने वाले लौह प्रयोग मुकम्म मिट्टी के रोकथान की लिए 4 स्टेप योग की विवरण किया गया है तथा जहाँ मुकम्म मिट्टी के डिस्ट्रिक्टिंग का कार्य गी नियमित काप से किया जा रहा है।
- ii. शैक्षणिक योग्यता के अनुसार चुली विकापन के माध्यम से सैल भौमी नीति के अनुरूप बोजबार प्रदान किया जाता है।
- iii. बोईचलीह योग (बी.एस.पी. का बैंटिंग योग) में उपलब्ध पानी का उपलब्धी की एकान्ती नाईना टाउनशीप इल्लीशाजहार में थीने व चरेत् उपयोग और राजहारा व दस्ती छातिंग संघर्ष में औद्योगिक उपयोग के लिए किया जा रहा है। सिंचाई के उपयोग से पानी किसानों को दिये जाने हेतु अधिकारिक पानी योग में उपलब्ध नहीं रहता है।
- iv. नास्तेष्ट ढुन, एक ढुन एवं पाल विकास के संबंध में विस्तृत प्रस्ताव सहित जानकारी के संबंध में परियोजना प्रस्तावक वा काव्यन है तो तृकि यह खनियटटा वर्ष 1985 से संचालित है। गवर्नेण्ट ढुन, एक ढुन एवं यल विकास की जानकारी अनुमोदित नाईनीन प्रदान वा प्रशोधन प्रदान में उल्लेखित है। नाईनीन प्रदान का अनुमोदन औनसाईन होने के काल आई.बी.एन. की हील प्रदान पर नहीं दियती है।
10. Endangered flora & Fauna Biodiversity conservation plan प्रस्तुत किये जाने हेतु समय सीधा प्रदान करते हुये सातां पर्यावरणीय स्थीरता दिये जाने का अनुरोध किया गया है।
11. Ground Vibrational Study Report की प्रति प्रस्तुत नहीं रही है। साथ ही Frequency of Blasting की जानकारी भी प्रस्तुत की रही है।
12. इन्हायटोटेल मैनेजमेंट प्लान (ई.पी.आर.) प्रकल्प किया गया है।
13. ड्रेसिंग प्लान की समीक्षा (स्टैंडार्ड-6) में स्वामी रत्न की CPCB Standard (75 ग्रीवी(ए)) से कम रखे जाने हेतु अपनाये जाने वाले प्रदूषण नियंत्रक के संबंध में जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलवाया परिवर्तन भवालय द्वारा जारी ऑफिश ऐवेरेष्यम दिनांक 08/06/2022 के अनुसार The baseline data and Public Hearing की अवधि की वैधता समाप्ति उपलब्ध पर्यावरणीय स्थीरता हेतु आवेदन किया गया है। अतः नक्ता के संबंध में नवीन वेसलाईन डाटा एवं लोक सुनवाई कराई जाने के संबंध में परियोजना प्रस्तावक का विम्बानुसार काव्यन है—
 - 1) यह प्रस्ताव परियोजना प्रस्तावक द्वारा माननीय इल्लीशाजहार तथा न्यायालय द्वारा रिट प्रिटीजन नं. 1734 / 2018 में पारित विवरण दिनांक 27/04/2023 के सालान्य में दिए गये आवेदन से संबंधित है, जिसमें समिति को इस प्रकरण में भारत सरकार द्वारा 26/03/2018 तक पूर्ण किये गये स्वर के बाद से मूल्यांकन करना है। अतः इस प्रकरण में जिसमें लोक सुनवाई (public hearing) हो चुकी है। अतः इस समिति नामे ईआई.ए. अधिसूचना 2006 के पैदा ? के अनुसार मूल्यांकन (appraisal) करना है। मूल लोक सुनवाई एवं वेसलाईन डाटा कराने के बिन्दु की सामाजिक करने से माननीय तथा न्यायालय के आदेश सीधे अवहेलना होगी।

2) इसके अलिंगित इस संकेत में जानकीय मद्दता जब्ता न्यायालय द्वारा रिट पिटीहन अ. 11189/2017 में पारित निर्णय दिनांक 13/10/2017 के निर्णय जिसमें लोक सुनवाई को निविदित कर से एक ही बार करने को निर्दिशित है, जो भी दृष्टिगत रखना होगा। इस निर्णय के लाठील को निष्पानुसार चलाता किया है।

Conclusion

We record the submissions of the learned Additional Solicitor General that (a) public hearing can be read into paragraph 5 of the impugned notification and (b) this shall certainly and clearly be a one-time measure.

इसी निर्णय के अनुसार सेत की ओरींजिया जब्ता में सिवत लौह आपलक खनि पहुंचो पुनः लोक सुनवाई से छुट की गई है। सुनवाई सन्दर्भ में सेत की डिलिंगटुक-1 खादान, जिसकी लोक सुनवाई 2016 में पूरी हो गयी थी, ToR संशोधन पर्यंत 2022 के दौरान पुनः लोक सुनवाई को जाननीय मद्दता जब्ता न्यायालय के इसी निर्णय को अनुसार सन्दर्भ स्कूट प्रदान की गई।

3) प्रस्तुत आफिला गेलोरेहम दिनांक 08/06/2022 में वर्णित है कि बैस लाइन जाटा एवं लोक सुनवाई की तिथि, पार्सेवरन स्वीकृति आवेदन की तिथि से तीन वर्ष पूर्णनी नहीं होनी चाहिए, इस प्रकार जब्ता में पार्सेवरन स्वीकृति आवेदन की तिथि वर्ष 2017 है एवं लोक सुनवाई की तिथि भी वर्ष 2017 है। बर्तमान में किया गया अवैदन माध्य MoEFCC के Offline esa Online प्रक्रिया में जाने से हुई ताकनीकी परिवर्तन को दृष्टिगत रखते हुए किया गया है। यह प्रकारण, जैसा की पूर्व में इनित है जाननीय उत्तीर्णगढ़ उच्च न्यायालय के निर्देश ही संबंधित है, जिसमें परियोजना प्रकल्पक को प्रकल्प को भासता जारीकर द्वारा 26/03/2018 तक पूरी कियी गयी सार के बाद से नुस्खावान करना है, जिसमें लोक सुनवाई (public hearing) एवं बैसलाइन जाटा पूर्ण की जा चुकी है। इस प्रकारण को जाननीय मद्दता उच्च न्यायालय द्वारा रिट पिटीहन अ. 11189/2017 में पारित निर्णय दिनांक 13.10.2017 की सन्दर्भ में भी देखा जाना चाहित होगा।

4) इस संकेत में सभिति के 3 जाननीय सदस्यों द्वारा दिया गया अग्रिमत सहायात्रामुक्त है। उपरोक्तानुसार एसईएसी के इस बिन्दु को विस्तृत करने का अनुरोध किया गया है।

सभिति का मत है कि यह खनिपट्टा वर्ष 1960 से संबंधित है एवं बैसलाइन जाटा एवं लोक सुनवाई को कठारे अधिक समय ही चाही। बर्तमान में आवेदन अनुसार जामता में चृड़ि ही रहा है। आगे अध्यात्म नियति में बैसलाइन जाटा जलसेवान का कार्य किया जाना आवश्यक है।

15. उत्तीर्णगढ़ जाटा, खानिज साधन विभाग न्यायालय, नवा रायपुर अठल नगर द्वारा 20 वर्ष को लिए पक्षा दिनांक 28/04/2023 से 27/04/2043 तक की अवधि के लिए जाती थे अधीन खनिपट्टा विस्तारित किया गया है। इन संख्यान अधिकार्य, 1960 के तहत विस्तारित जलसाधन जामता एवं विस्तारित खनिपट्टा अवधि दिनांक 27/04/2043 तक के लिए इन भूमि के लिए फॉरेस्ट क्लीरेंस (Forest Clearance) के संकेत में परियोजना प्रकल्पक का जामन है कि खनिपट्टे के विस्तारीकरण की स्थिति ने पृथक से फॉरेस्ट क्लीरेंस (Forest Clearance) की आवश्यकता नहीं है। इस जामता जाटा सदकार, पार्सेवरन, इन और फॉलवायु परिवर्तन संबंधी नई विली

द्वारा जारी आदेश दिनांक 01/04/2015 की प्रति प्रस्तुत की गई है। इस संकेत में समिति का बना है जो दिनांक 28/04/2023 से 27/04/2043 तक की अवधि हेतु खानेपट्टा विस्तारित किया गया है। चूंकि एन संस्कारण अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत उन हेतु में कार्य नहीं किये जाने का नामांकन है। अतः फॉरेस्ट कलीपरेस (Forest Clearance) की कैफता दृष्टि की प्रति प्राप्त होने वाली है उन हेतु में कार्य किया जाना है।

16. वन्य प्राणी संरक्षण योजना का अनुमोदन प्रधान मुख्य बन संस्कार (वन्य प्राणी) से कठाकर प्रस्तुत किये जाने हेतु समय सीमा प्रदान करते हुये सभी वर्दीवर्धीय स्वीकृति दिये जाने का अनुरोध किया गया है। चूंकि इस प्रतियोगी में समय ज्ञान सकारा है।
17. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपयुक्त प्रस्तुत प्रस्ताव (ईको पार्क हेतु सी.पी.आर) प्रस्तुत किये जाने हेतु समय सीमा प्रदान करते हुये साथी पर्यावरणीय स्वीकृति दिये जाने का अनुरोध किया गया है।

समिति द्वारा तत्कालीन संवैधानिक से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था—

1. सुन्तोषघन के प्रकरण में आडिटेक ऐलेन ग्रीट रिपोर्ट (Annual Report) आधिक टनडोवर की जानकारी हेतु प्रस्तुत किया जाए।
2. 7.5 मीटर की पट्टी में किये गये वृक्षारोपण की संख्या, प्रधानिकान विवरण तथा आगामी वर्षी में उच्च-उच्चाव लिए गयाहार विवरण सहित प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
3. Endangered flora & Fauna Biodiversity conservation plan प्रस्तुत किया जाए।
4. चूंकि वह खानेपट्टा की 1980 की संवालित है एवं बेसलाईन बाटा एवं लोक गुणवाई की कारबी आधिक समय ही गया है। वर्तीमान में आवेदन अनुसार समता में वृद्धि ही रहा है। अतः अलगन स्थिति में बेसलाईन बाटा बालोकलम का कार्य किया जाए।
5. फॉरेस्ट कलीपरेस (Forest Clearance) की कैफता दृष्टि की आदेश प्रति प्रस्तुत किया जाए।
6. वन्य प्राणी संरक्षण योजना का अनुमोदन प्रधान मुख्य बन संस्कार (वन्य प्राणी) से कठाकर प्रस्तुत किया जाए।
7. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपयुक्त प्रस्तुत प्रस्ताव (ईको पार्क हेतु सी.पी.आर) प्रस्तुत किया जाए।
8. माननीय सचिव न्यायालय, बिलासपुर के समक्ष, WPC No. 1734 की 2018 विवारणीन है। माननीय सचिव न्यायालय, बिलासपुर द्वारा प्रकरण में आदेश जारी किये जाने उपर्योग आगामी कार्यकारी सुनिश्चिता किया जाए।

उपरोक्त वाधित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने वाली आगामी उल्लंघनी की जाएगी।

तदानुसार एतद्देह सी. सलीमाण के द्वारा दिनांक 05/01/2024 के परिषेक में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज दिनांक 15/03/2024 की प्रस्तुत किया गया है।

(स) समिति की 523वीं बैठक दिनांक 08/04/2024:

समिति द्वारा नक्सी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिफारिश गई है:-

1. उत्तराखण्ड के प्रबन्ध में आडिटेड ऐलेट रीट रिपोर्ट (Annual Report) सार्विक उत्तराखण्ड के संबंध परियोजना प्रशासन का द्वारा निर्भायुसार जानकारी प्रस्तुत की गई है:-
 - i. पर्यावरण एवं बन संवर्धन द्वारा जारी आफिस मेलोरिंग दिनांक 07/07/2023 के बिन्दु 12 की (पर्यावरण में यह जानकारी भविष्य के लिए भीगा जाना चाहीत होता है। इस सम्बन्ध में सेख है कि उपरोक्त आफिस मेलोरिंग की परीक्षण में जानकारी संबंधी व्यावाहारिक द्वारा दिनांक 02/01/2024 में जारी निर्देश द्वारा इसके प्रबलन को story किया गया है।
 - ii. यह खानि पहुँच कंट्रोल सुपरिंग के लिए प्रयुक्त होता है एवं उत्तराखण्ड में इस खानि पहुँच का संबंध रूप से आडिटेड ऐलेट एवं उन्हें ओवर नहीं बनाया जाता है। समिति के निर्णयानुसार इस खानि पहुँच का संबंध रूप से आडिटेड ऐलेट एवं उन्हें ओवर बनाये जाने हेतु सम्बन्धित तालाशी जा रही है।
 - iii. गोल भावत सरकार का सार्वजनिक शीष का सुपक्षम है एवं भविष्य में जानकारी पर्यावरण उत्तराखण्ड अन्न कोई न्यायिक निर्देश के परिवर्तन में देने की आवश्यकता पहुँचे पर जांकड़ी ये बुझता रखने को गोल ब्रह्मद्वारा है।
2. लौज कंच की जीभा में जारी और 7.5 ग्रीटर की पट्टी में 3.05 हेक्टेयर क्षेत्र में 7,625 नन पीड़ी (पुलियपट्टा, अस्त्रोसिया, शिशी, पेलटापीर्न, करंज, अकाशिया) का संपर्क किया गया है, जिसमें से 6,104 नन पीड़ी जीवित है, जिस हेतु विष-पर्यावरण युनियन (Society Environment & Integrated Development Raipur) ने संव्याप्त कराया जाना बताया गया है।
3. Endangered flora & Fauna Biodiversity conservation plan प्रस्तुत किये जाने के संबंध में शाय्य सरकार के कट्टे कॉरिएट रिसर्च एवं ट्रेनिंग इनिटियूट से 25,00,000/- रुपये का Budgetary offer संकेत कर्तव्य प्राप्त कर दिया है एवं आगामी 4-5 महीनों में यह कर्तव्य सम्पन्न होने के पश्चात अनुमोदन हेतु प्रधान मुख्यमंत्री के संसद विस्तृत विभाग द्वारा जारी गया है।
4. वेसस्टाईन जाटा कलेक्शन का कार्य अद्यतन रिकॉर्ड मार्च 2022 से मई 2022 के मध्य किया गया है।
5. कॉरिएट विलयरेस की वैधता दृष्टि कारण बन जिमान, छलांगभाड़ जामान ने आवेदन किया गया है। चूंकि कॉरिएट विलयरेस की वैधता दृष्टि कार्य Deeming provision में है। यह परिवर्तन दिनांक 02/11/2021 को जान एवं उत्तराखण्ड शिकायत एवं शिकायत अधिनियम 1957 को अंतर्गत बनाये गये खण्डित (परमाणु एवं हाइड्रोकार्बन खण्डित से भिन्न) रियायत नियम 2016 को नियम 72 के अंतर्गत 'सरकारी कर्म्मनी द्वारा खण्ड' को समिलित करने के पश्चात किया गया है। इस नियम में सरकारी कर्म्मनी जो विशेष अधिकार ढेर हुये 50 वर्ष की आयि सम्भाषित पश्चात एक समय में अरिदिका 20 वर्षी जा अधिक विशेषाधीकरण Deeming provision के अंतर्गत रखा गया है।
6. Endangered flora & Fauna Biodiversity conservation plan प्रस्तुत किये जाने के संबंध में जानकारी उपरोक्त बिन्दु क्रमांक 03 में उल्लेखित है।

7. सीईआर हेतु वार्षीय वैधानिक प्रक्रियाओं की बुरा करने के लिए सेल चलाना चाहता है। उपरोक्त बिन्दु तात्पात्रक 3 में दिये गए वार्ष्य चालकाव को प्रस्ताव में भी इसके पार्श्व हेतु डी.पी.आर. सम्मिलित है।
8. वार्षीय चला चलाकाला, विलासपुर के सम्बन्ध WPC No. 1734 of 2018 विचारात्मीय है।

समिलि द्वारा विचार दिग्दर्शी उपरोक्त सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. बन कार्यक्रम अधिनियम, 1990 के तहत फारेस्ट विलासरेस नवी वैधान युक्ति संकीर्ण जानकारी / वर्तावेज को एसईआईए.ए. छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन वर्षीयरप्तीय स्वीकृति की सतत अनुशंसा की जाती है।
2. 7.5 वीटर की पट्टी में दिये गए बूझीपन की वार्ष्या प्रजासत्तिगार विचारण तथा अगामी वर्षी में रख-रखाव के लिए व्यवसार विचारण सहित प्रस्ताव एसईआईए.ए.ए. छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन वर्षीयरप्तीय स्वीकृति की सतत अनुशंसा की जाती है।
3. सीईआर के तहत इको पार्क का निर्माण हेतु पूर्ण रूपरूप प्रस्तुत करे एवं इको पार्क का निर्माण कार्य ती प्रभाति अवैयाकिक पालन प्रतिकेदन की साथ प्रस्तुत किये जाने वायन् वापर वत्र एसईआईए.ए.ए. छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन वर्षीयरप्तीय स्वीकृति की सतत अनुशंसा की जाती है।
4. वार्षिक द्वारा विचार दिग्दर्शी उपरोक्त सर्वसम्मति से आवेदक — मेसर्स स्टील अवैयाकिक और इडिया लिपिटेक (सेल) को प्राम-पैकीटलसी, राजहरा वहाव, जमलता एवं दल्ली संस्किन कम, तहसील-जीडी, जिला-बालोद के कुल क्षेत्रफल 220.42 हेक्टेयर (100.76 हेक्टेयर बन भूमि एवं 119.66 हेक्टेयर राजस्व भूमि) में उत्थान और (बुख्य खनिया) उत्थान शमता-2.795 से 3.5 निर्णियन टन प्रतिवर्ष (सेल), वेस्ट-9.1 मिलियन टन प्रतिवर्ष, क्रांत यूनिट (प्रत्येक की शमता 250 टी.पी.एच.) — 3. कुल उत्थान शमता — 12.60 मिलियन टन प्रतिवर्ष हेतु परिषिष्ठ-04 में नवीन वर्षीयरप्तीय स्वीकृति दिए जाने की अनुशंसा की गई।

साथ ही यह भी अनुशंसा की जाती है कि उत्थान दो भाँड़े में वार्षीय चला चलाकाला, विलासपुर के WPC No. 1734 of 2018 की निर्णय आने पर जारी वर्षीयरप्तीय स्वीकृति निर्णय अनुसार प्रभावित होगी।

वार्ष्य सतीरीय पर्यावरण प्रभाव अकलन प्राधिकरण (एसईआईए.ए.), छत्तीसगढ़ को तादानुसार सूचित किया जाए।

4. मेसर्स वित्तीय क्रांत इटोन कारी (प्री- श्री कलाव चूमार चतुर्वेदी), शाम-वित्तीय, तहसील-वैकुन्ठपुर, जिला-कोटिया (वर्तमान में तहसील-मनेन्द्रगढ़, जिला-मनेन्द्रगढ़-विर्तमिही-भलापुर) (वार्षिकालय का गठनीय तात्पात्र 2403)

ऑपरेटर आवेदन — प्रधानमंत्री नाम्बर — एसआईए/ सीजी/ एनआईएन/428141/2023, दिनांक 07/03/2023 द्वारा वर्षीयरप्तीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रवाह का विवरण — यह पूर्ण से वाचातित प्रवाह (शीण चानिया) चालान है। चालान शाम-वित्तीय, तहसील-वैकुन्ठपुर, जिला-कोटिया (वर्तमान में तहसील-मनेन्द्रगढ़, जिला-मनेन्द्रगढ़-विर्तमिही-भलापुर) स्थित चालान क्रमांक 137/1, कुल क्षेत्रफल-0.45 हेक्टेयर में है। चालान की आवेदित उत्थान शमता-3.301 टन प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 06 / 06 / 2023 हाला प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

बैठकों का विवरण –

(अ) समिति की 465वीं बैठक दिनांक 13 / 06 / 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक को पञ्च दिनांक 13 / 06 / 2023 हाला सूचना दी गयी है कि जानकारी अद्युत होने के समय से समिति के सभा बैठक में प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित होना समव नहीं है। अतः आगामी आयोजित बैठक में सभाय प्रदान करने हेतु अनुरोध किया गया है।

समिति हाला तत्कालीन सर्वसम्मति को निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व में जारी नहीं गई बातिल जानकारी एवं समस्त युक्तिगत जानकारी / वस्तुवेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 02 / 11 / 2023 हाला प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 466वीं बैठक दिनांक 09 / 11 / 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी एनएस परमार अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति हाला नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अधलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न कियते पाई गई-

i. पूर्व में घटार खासन छाता छाता 137 / 1, कुल क्षेत्रफल-0.45 हेक्टेयर, क्षमता-1,231 चम्बीटर (3,201 टन) प्रतिवर्ष हेतु जिला सर्वीस पर्यावरण सम्बाद सिविल प्राधिकरण बोरिङ हाला पर्यावरणीय स्वीकृति दिनांक 22 / 03 / 2017 को जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष तक वैध थी।

परियोजना प्रस्तावक हाला बताया गया कि भारत सरकार, गन और जलवायु परिवर्तन संत्रास्य, नई दिल्ली हाला पारी अधिसूचना दिनांक 18 / 01 / 2021 अनुसार-

"9A. Notwithstanding anything contained in this Notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this Notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

उपरोक्त अधिसूचना के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की वैधता जारी दिनांक से दिनांक 21 / 03 / 2023 तक वैध थी।

ii. परियोजना प्रस्तावक हाला पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के जली के पालन में की नई कार्रवाली की स्व-इन्सिट जानकारी प्रस्तुत नहीं गई है। समिति हाला नोट किया गया कि पूर्व में एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन छाता 1413, दिनांक 13 / 06 / 2023 हाला "Clarification Requested on Requirement of Certified Compliance Report (CCR) in Non-Coal Mining Proposals without Expansion." के संबंध में भारत सरकार, पर्यावरण, गन एवं जलवायु परिवर्तन संत्रास्य, नई दिल्ली को सार्विकीन के लिए पड़ प्रतिष्ठित किया गया था, इस परिवेद्य में मार्गदर्शन प्राप्त नहीं हुआ है। मार्गदर्शन प्राप्त होने पर तदानुसार अप्रश्नक कार्यगाही की जाएगी।

- iii. नियमित अनुसार 100 नग छात्रोंपर किया गया है।
- iv. कार्यालय कलेक्टर (खानिज शाखा), जिला—एम.सी.बी. के आपन द्वारा 19/खानिज/उ.वी.अनु./2023 एम.सी.बी. दिनांक 10/04/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार गिराव वर्षी में किये गये उत्तरानन की जानकारी निम्नानुसार है—

वर्ष	माइमिंग घटान में प्रस्तावित उत्पादन (घनमीटर)	प्रासादिक साधादन (घनमीटर)
2017–18	869	ग्रेक
2018–19	1,074	मिलक
2019–20	1,159	200
2020–21	1,163	80
2021–22	1,189	40
2022–23	1,192	मिलक

2. नगर पालिक निगम का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्तरानन एवं छात्र की स्थापना के संबंध में नगर पालिक निगम, खिरमिरी का दिनांक 15/10/2010 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्तरानन घोषणा — कार्यालय एसांग विष क्षारी पलोचन घटान मिथ हृन्हारोमेट मेनेजमेट घटान प्रस्तुत किया गया है, जो खानि अधिकारी, जिला—मनेम्टमढ—विर्टमेट—भरतपुर के पू. आपन द्वारा 20/खानिज/उ.वी.अनु./2023 एम.सी.बी. दिनांक 10/04/2023 द्वारा अनुमोदित है।
4. 800 मीटर की परिधि में खिता खादान — कार्यालय कलेक्टर (खानिज शाखा), जिला—एम.सी.बी. के आपन द्वारा 21/खानिज/उ.प./2023 एम.सी.बी. दिनांक 10/04/2023 के अनुसार आवेदित खादान से 800 मीटर की भीतर असंविधान आना सखानी वाली साझा निरेक है।
5. 200 मीटर की परिधि में खिता सार्वजनिक क्षेत्र/संरचनाए — कार्यालय कलेक्टर (खानिज शाखा), जिला—एम.सी.बी. के आपन द्वारा 21/खानिज/उ.प./2023 एम.सी.बी. दिनांक 10/04/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खादान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे निदेश, मनिमाद, मनधाट, मुल, नदी, रेल लाइन, अस्पताल, रक्कूल, एमीकट वांग एवं जल आपूर्ति आदि प्रतिबन्धित क्षेत्र निर्धारित नहीं है।
6. गूमि एवं लौज का विवरण — यह शासकीय गूमि है। लौज भी अक्षर कुगार छतुरी के नाम पर है। लौज ढीऱ 5 वर्ष अवधीन दिनांक 26/06/2012 से 24/06/2017 तक की अवधि हेतु फैल थी। तत्पश्चात लौज ढीऱ 25 वर्ष अवधीन दिनांक 26/06/2017 से 24/06/2042 तक की अवधि हेतु विस्तारित की गई है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्व रिपोर्ट — वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्व रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. बन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र — कार्यालय बननपड़नाधिकारी, कोरिया दनमण्डल, बैकुण्ठपुर के आपन द्वारा /मार्गि./783 बैकुण्ठपुर, दिनांक 15/04/2010 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित क्षेत्र से बन सीमा से 04 किमी की दूरी पर है।

9. महत्वपूर्ण संरक्षणात्मकी की दृष्टि – परियोजना प्रस्तावक द्वारा आवेदित खदान से महत्वपूर्ण संरक्षणात्मकी की दृष्टि लाभार्थी जानकारी नहीं ही गई है। समिति का यह है कि खदान से महत्वपूर्ण संरक्षणात्मकी की दृष्टि लाभार्थी जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
10. पारिसंरक्षणीय/जैवविविधता संवेदनशील शीत – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की घोटी में अतिरिक्तीय शीता, ताप्टीय उदान, अमरारप्पी, कैन्टीय प्रदूषण नियंत्रण थोड़े दूरा प्रतिक्रिया द्वारा प्रस्तुत किए गए और पारिसंरक्षणीय संवेदनशील शीत पा प्रतिक्रिया द्वारा नहीं होना प्रतिबंधित किया गया है।
11. खदान लोपया एवं खुनन का विवरण – जियोबोटिकल रिजर्व 70,200 टन, महानीयल रिजर्व 29,004 टन एवं रिक्कहरेयल रिजर्व 28,103 टन है। लीज की 7.5 मीटर ऊँची शीता पट्टी (खदान को लिए प्रतिवर्षित शीत) का क्षेत्रफल 1,826 वर्गमीटर है। ओपन कार्ग लोगों ग्रेननाईज़िड वित्ती शी उत्थानन किया जाता है। उत्थानन की प्रस्तावित अविकलन गहराई 8 मीटर है। लीज शीत की घीतर ऊपरी मिट्टी अवस्थित नहीं है। वेष की ऊंचाई 1.5 मीटर एवं ढीकाई 1.5 मीटर है। खदान की संभावित आयु 10 वर्ष से अधिक है। लीज शीत में ग्राहर स्थापित है जिसका क्षेत्रफल 0.03 हेक्टेयर है। जैक हिमर से ड्रिलिंग एवं कंट्रोल स्टार्टिंग किया जाता है। खदान में तापु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का छिपकाव किया जाता है। वर्षावर प्रस्तावित उत्थानन का विवरण निम्नानुसार है—

क्रम	प्रस्तावित उत्थानन (टन)	क्रम	प्रस्तावित उत्थानन (टन)
प्रथम	2,519.4	पाँटम	3,100.5
द्वितीय	2,792.4	सप्तम	3,198
तृतीय	3,014.7	आठम	3,201.9
चौथा	3,038.1	नवम	2,542.6
पंचम	3,092.7	दशम	2,472.6

12. जल अनुमति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 5 चन्नीटर प्रतिदिन हीरी है। जल की अनुमति बोरडेक की मात्रम से की जाती है। इस बाबत रोक्टल राष्ट्रीय बोर्ड अधीक्षिती से अनुमति प्राप्त नहीं प्रस्तुत किया गया है।
13. पृष्ठारोपण कार्य – लीज शीत की शीता में जारी और 7.5 मीटर की पट्टी ने पृष्ठारोपण की संरचना में जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है। समिति का यह है कि लीज शीत की शीता में जारी और 7.5 मीटर की पट्टी ने जम से जम 500 नवा पृष्ठारोपण जल पीढ़ी का दौषण, फॉसिल, खाद एवं शिंचाई रुचा रख-रखाव के लिए 5 कर्षी का घटकावर जल के विवरण का विस्तृत प्रस्ताव (खादय क्रमांक, ढोकाल) सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
14. खदान की 7.5 मीटर की ऊँची शीता पट्टी में उत्थानन – लीज शीत के जारी और 7.5 मीटर की ऊँची शीता पट्टी में उत्थानन कार्य नहीं किया गया है।
15. कौर्पीट पर्यावरणीय दावित (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा शीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सम्मान विस्तार से यथा उपरान्त निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
24	27%	0.48	Following activities at Village-Chitghor	
			Plantation around village Pond	0.48
			Total	0.48

16. सीईआर के अंतर्गत याम-वित्तीयों के तालाब के बारी और मूलाशोपण हेतु (भौम, जान, अर्जुन, हीक्सन आदि) प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 100 नग पीढ़ी के लिए राशि 2,000 रुपये, फैलिंग के लिए राशि 30,000 रुपये, खाद के लिए राशि 3,200 रुपये तथा शिंचाई एवं रख रखाय आदि के लिए राशि 48,000 रुपये, इस प्रकार प्रस्ताव वर्षे ने कुल राशि 83,200 रुपये तथा आगामी 4 वर्षे में कुल राशि 1,99,200 रुपये हेतु घटकवाह याम का विवरण प्रस्तुत किया गया है। समिति का मत है कि मूलाशोपण के तहत याम पश्चायत के सहमति उपरांत यामाशोपण रक्खन (खासता क्रमांक एवं क्रीड़फल सहित) संबंधी जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा तरलमय सर्वेत्यापति से निम्नानुसार विवेद किया गया था—

- खदान से भातपूरी संरक्षना जैसे— विकटतम आवादी शैव याम, रक्खन, अस्पताल, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं नान्यमार्ग आदि जै दूरी संबंधी जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- मूलाशोपण कार्य हेतु प्रस्तावित दीज शैव की दीमा में बारी और 7.5 मीटर की पट्टी में नग से नग 500 नग मूलाशोपण तन पीढ़ी का रोपण, फैलिंग, खाद एवं शिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों का घटकवाह व्यय का विवरण का प्रस्तुत प्रस्ताव (खासता क्रमांक, क्रीड़फल सहित) सहित प्रस्तुत किया जाए।
- सीईआर के अंतर्गत याम वित्तीयों के तालाब के बारी और मूलाशोपण के तहत याम पश्चायत के सहमति उपरांत यामाशोपण रक्खन (खासता क्रमांक एवं क्रीड़फल सहित) संबंधी जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- आधिकारिक रक्खन हेतु प्रस्ताव अनुसार राशि का उपयोग करते हुए मूलाशोपण किया जाएगा। सेमित पीढ़ी का 6 वर्षों तक उचित देखभाल व रख-रखाव करते हुए न्यूनतम 90 प्रतिशत जीवन संरक्षित सुनिश्चित किया जाएगा। इस आवाय का शास्त्र यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- पदोन्नतीय स्थिरत्व का बायक ही जाने के बख्तात् प्रथम वर्ष के अन्दर सीईआर प्रपीड़न वर्षी राशि का प्रस्तावित कार्य में उपयोग करते हुए माननीय समिति के सम्मान प्रस्तुत किये गए प्रपोजल में ही सार्व किये जाने वाले वापर वापर पञ्च (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
- ब्लास्टिंग का कार्य द्वीपीय एमएस द्वारा अधिकृत विस्फोटक लार्डरीव यारक (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाला वापर वापर पञ्च (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

7. एकलीसामढ़ अदायी पुनर्वास नीति के तहत स्थानीय लोगों को सेवारार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. परियोजना से जिन-जिन स्थानों से पश्चिमिय उत्कृष्ट सरकारी होमा, उन स्थानों पर नियमित जल विकास की व्यवस्था किसे जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खानिय विधी के तहत बाहुण्डी पित्तरसे द्वारा दीमालान का कर्त्ता सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यानिय विधी के तहत बाहुण्डी पित्तरसे द्वारा दीमालान का कर्त्ता सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का अंडरटैकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके पिलट्ट इस व्यापार से संबंधित कोई न्यायालीन प्रकरण देश के लंबागत किसी भी न्यायालय में लाभित नहीं है।
12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का लोटी से शाल्याधित अंडरटैकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके पिलट्ट भवति सरकार, पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन व्यावाय की अधिसूचना करआ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 की अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लंबित नहीं है।
13. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India जूती petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटैकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिसा निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटैकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाइट जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने तकरीत आगामी कार्यवाही की जाएगी।

तदानुसार एवड़ी, एकलीसामढ़ के ज्ञापन दिनांक 09/01/2024 की परियोजना में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज दिनांक 15/03/2024 को प्रस्तुत किया गया है।

(स) लम्बित की 523वीं बैठक दिनांक 08/04/2024
लम्बित द्वारा नली, परियोजना का अकलीकम एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठियाँ घाँटे गईं—

1. छादन से बहत्यपूर्ण संरक्षण दैसे— निकटतम आवादी होत 2 किमी, समूल 2.3 किमी, अख्याल 2.5 किमी, राष्ट्रीय राजमार्ग 2.5 किमी, एवं राज्यमार्ग 7 किमी दूर है।
2. कुलांगण कर्त्ता हेतु प्रस्तावित नीति संज्ञ की रैमा में चारी ओर 7.5 नीटर की बट्टी में एम 500 नग गीधों के लिए राशि 10,000 रुपये, ट्री-गार्ड के लिए राशि 40,000 रुपये, राज गीध के लिए राशि 4,000 रुपये, तिंबाई तथा रक्ष-रक्षाव के लिए राशि 48,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि

1,00,000 रुपये एवं आगामी 4 वर्षों में कुल राशि 2,00,800 रुपये हेतु घटकधार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

3. सीईआर. के अंतर्गत याम विलब्लॉर में एक भी तालाब नहीं होने के कारण रासानीय उच्चतर नायनीक विवाहित व्यय का कार्य किये जाने का उल्लंघन है। नियमित का यह है कि आपके हाल ही वर्ते में याम विलब्लॉर के तालाब में सीईआर. कार्य प्रस्तावित बताया गया था। यहांमान में कोई भी तालाब नहीं होना बाधा गया है। अतः इस संबंध में रासानीकता नभाया जाना आवश्यक है। याम ही रासानीय उच्चतर नायनीक विवाहित व्यय में सीईआर. के अंतर्गत युक्तारोपण किये जाने हेतु यींको का रोपण, प्रेसिंग, खाद एवं निरोद्धारी तथा रस—रसायन के लिए 5 वर्षों का घटकधार व्यय का विवरण का विस्तृत संहित प्रस्ताव (वाराता क्रमांक, छोड़फल) नभाया जाना तथा रासानीय उच्चतर नायनीक विवाहित व्यय की सहमति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
4. अविवित खदान हेतु प्रस्ताव अनुसार याकि वह उपयोग करते हुए युक्तारोपण किया जाएगा। नीयित यींको का 5 वर्षों तक अविवित देखभाल व रस—रसायन करते हुए नहुनतन 90 घण्टिया जीवन संरक्षित सुनिश्चित किया जाएगा। इस आवाय का राप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाया है।
5. पर्यावरणीय रवैचूहि ग्राम ही जाने के पश्चात् प्रथम वर्ष के अन्दर सीईआर. प्रयोजन वी राशि वह प्रस्तावित कार्य में उपयोग करते हुए भानीय समिति के साथ प्रस्तुत किये जए प्रयोजन में ही तर्हा किये जाने वाले शाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया जाया है।
6. ब्लास्टिंग का कार्य डी.जी.एम.एस. द्वारा अधिकृत विस्फोटक लाईसेंस धारक (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाला शाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
7. अलीगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत रासानीय लोगों की रोजगार दिये जाने हेतु शाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. परियोजना से जिन—जिन वस्तुओं से प्रहृष्टिय रूप संलग्न होता, उन वस्तुओं पर नियमित जल छिरकाय की व्यवस्था किये जाने वाले शाप्त शाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खानिक नियमों की तहत बाठझी विलसी द्वारा भीमाकृन का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शाप्त शाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दुष्प्रिय जल का ग्राहण प्राकृतीक जल बर्फी, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाले शाप्त शाप्त पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा हस आवाय का अंदरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विलक्ष इस खदान से संबंधित कोई व्यायालयीन ग्राहन देश के अंतर्गत किसी भी व्यवस्था में लक्षित नहीं है।
12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का नोटरी से सर्वाधिक अंदरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाया है कि उसके विलक्ष भारत सरकार, धर्यावान, बन और जलदायु परियोजन ग्रंथालय की अधिसूचना कान्मा. 304(अ), दिनांक 14 / 03 / 2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का घकरण लक्षित नहीं है।

13. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India wrt petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटैकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 की wrt petition (5) Civil No.114/2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिया निर्देश का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटैकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा विधार लिखत संघर्ष समिक्षण समिति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. यूर्जे में ग्राम विकासोर के ताजाव ने सीईआर कार्य प्रवर्तनित कराया गया था। उत्तराखण में ग्राम विकासोर में कोई भी ताजाव नहीं होना चाहिया चाहिया गया है। अतः इस संघर्ष में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।
2. जातिकीय उच्चतर मानवाधिक विधालय में सीईआर के अंतर्गत कूलरीपन किये जाने हेतु पौली का रोपण, कोरिंग, खाद एवं लिंबाई तथा रख-रखाव को लिए 5 वर्षी का पटकवार व्यव के विवरण का विस्तृत सहित प्रस्ताव (खातरा छनाक, बीजकल) प्रस्तुत किया जाए। जाए ही जातिकीय उच्चतर मानवाधिक विधालय के प्राचार्य जी की सहमति प्रस्तुत किया जाए।
3. परिवर्तनीय स्वीकृति द्वारा ही जाने के पश्चात प्रथम वर्ष के अन्दर सीईआर प्रयोजन की वासी का प्रस्तावित वर्ष में उच्चदोष बनवी तुए नामीय समिति को सम्पूर्ण प्रस्तुत किये गए प्रयोजन में ही वर्ष किये जाने वाले संघर्ष पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

परिवर्तना प्रस्तावक को तदानुसार सुचित किया जाए।

6. मैत्री साक्ष इस्टर्न कोर्ट औल्ड लिमिटेड (सरावाली कौनकास्ट एक्सप्रेस ब्रोडबैट), कोरका एरिया, ग्राम-मुख्यमंडल, लालसील-पाली, जिला-कोरका (जातियालय का नम्बरी क्रमांक 2286)

ओनलाइन आवेदन — प्रपोज्य नम्बर — एसआईए/सीए/सीएनआईएन/457326/2024, दिनांक 01/01/2024 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु ओनलाइन आवेदन किया गया।

प्रस्ताव का विवरण — यह दृगता विस्तार का प्रकरण है। परिवर्तना प्रस्तावक द्वारा जापान विस्तार के तहत कोरका एरिया, ग्राम-मुख्यमंडल, लालसील-पाली, जिला-कोरका विधि कुल बीड़फल-279 हेक्टेएक्ट में ओपनकास्ट कोरक माईन क्षमता-1.68 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ावान् 1.96 मिलियन टन प्रतिवर्ष (Stage II Expansion, 40%) करने के लिये पर्यावरणीय नवीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

तदानुसार परिवर्तना प्रस्तावक को एसईएसी, घरतिहामद के ज्ञापन दिनांक 08/02/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

वैधती का विवरण —

(अ) समिति वी 512वी वैधत किया गया।

प्रस्तुतीकरण हेतु भी बीको. जेना, जनरल नैनेपार दीपक यंकुया, जनरल नैनेपार, कोरका एरिया एवं पर्यावरण सलाहकार के सभ में मैत्री सेन्टरल माईन प्लानिंग एन्ड विजाइन इम्प्रिट्यूट लिमिटेड, रायी की ओर से शीमली यापिनी लिंड उपसिंधा तुए।

सार्विक द्वारा नसीबे प्रवर्तन उत्तरकारी का आलोचन एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिति पाई गई—

- भारत सरकार के पर्यावरण बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 11/04/2022 को जारी ऑफिस कॉमेंटेटर्स में उल्लेखित तथा निम्न है—

"Guidelines for granting Environmental Clearance (EC) under para 7 (II) (a) of EIA Notification, 2006, for expansion up to 50% within the existing premises/mine lease area, without additional land acquisition"

Project proponent shall apply in the requisite form on the PARIVESH Portal under para 7 (II) of EIA notification, 2006, along with EIA/EMP reports based on standard TORs and public consultation report, if applicable. The concerned EAC/SEAC shall appraise the project proposal and it may prescribe additional sector specific and/or other environmental safeguards after due diligence, as required."

- भारत सरकार के पर्यावरण बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 30/05/2022 को जारी ऑफिस कॉमेंटेटर्स में उल्लेखित तथा निम्न है—

"In order to avoid undue delay in obtaining requisite clearance and ensure that due environmental safeguards are in place, it is hereby clarified that the revised EIA/EMP report based on standard TORs, may be prepared for a maximum of 50% expansion of the original EC capacity for which public hearing has been held, in order to avail the benefit of the above-said OM dated 11th April 2022. However, the EC shall be granted in phases of 20%, 40% and 50% capacity expansion, based on the above mentioned revised EIA/EMP report, subject to submission of Certified Compliance Reports for ECs granted at each stage."

3. पूर्व पर्यावरणीय स्वीकृति का विवरण —

- पूर्व में भारत सरकार, पर्यावरण और बन मंत्रालय, नई दिल्ली के ज्ञापन दिनांक 21/03/2007 द्वारा कुल क्षेत्रफल— 279.0 हेक्टेयर में ऑफिसकार्ट कोल माइन क्षमता—1.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की गई है।
- कृष्ण रामेश पर्यावरण प्रभाव आकर्षण प्राप्तिकरण, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 2679 /एन.ई.आई.ए.ए. ओरीसागढ़/खादान/2285 नवा रायगुर अटल नगर, दिनांक 23/03/2023 को कुल क्षेत्रफल—279 हेक्टेयर में कोल माइन क्षमता—1.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष की बढ़ाकर 1.58 मिलियन टन प्रतिवर्ष (20% Expansion) हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जारी की गई है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा उक्त जारी ऑफिस कॉमेंटेटर्स दिनांक 11/04/2022 एवं दिनांक 30/05/2022 की अनुमति में 1.4 मिलियन टन प्रतिवर्ष की बढ़ाकर 1.58 मिलियन टन प्रतिवर्ष हेतु आवेदन दिया गया है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में ऑफिसकार्ट आवेदन दामांक एसआईए/सीटी/सीएफआईएन/ 416366/2023, दिनांक 21/01/2023 में 50 प्रतिशत हेतु कार्डिनल ई.आई.ए./ई.एम.पी. एवं 50 प्रतिशत हेतु मार्किनिय प्लान प्रस्तुत किया गया है।
- प्रस्तुतीकरण की दीर्घन परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के पालन प्रतिवेदन हेतु एकीकृत होशीय गम्भीलिय भारत

सरकार योग्यता, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में आवेदन किया गया है, जो प्रतिवासीन है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा 29 फरवरी 2024 तक एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, योग्यता, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किये जाने वाला शपथ पत्र (undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

- ii. समिति का मत है कि भारत सरकार को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 30/05/2022 को जारी ऑफिस मैनोरेप्यून के अनुसार 40 प्रतिशत जमता विस्तार हेतु स्टिकार्ड कम्पनीज़ रिपोर्ट (CCR) प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य है।

समिति द्वारा सत्त्वाय चार्टरमेंटों से निर्णय लिया गया था कि भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 30/05/2022 को जारी ऑफिस मैनोरेप्यून के अनुसार 40 प्रतिशत जमता विस्तार हेतु स्टिकार्ड कम्पनीज़ रिपोर्ट (CCR) प्राप्त कर प्रस्तुत किये जाने के उपरान्त आगामी कार्यकारी की जाएगी।

तदानुसार एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के 512वीं पैठक दिनांक 12/02/2024 के परियोजने में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज़ दिनांक 19/03/2024 को प्रस्तुत किया गया है।

(b) समिति की 523वीं बैठक दिनांक 08/04/2024:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परिकल्पना करने पर मिम सिध्दि याहु गहु:-

1. भारत सरकार को पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 30/05/2022 को जारी ऑफिस मैनोरेप्यून के अनुसार 40 प्रतिशत जमता विस्तार हेतु एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा राष्ट्रपुर अटल नगर द्वारा दिनांक 19/03/2024 पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्टीकूलियों का पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार-

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा जारी पर्यावरणीय स्टीकूलियों के संपरिवर्तिक जर्त जमांक (iv), (v), (vi), (vii), (xvi), (xxvi) एवं जनरल जर्त जमांक (i), (ii), (iii), (iv), (v), (vi), (vii), (xv) तथा अंतिरिक्त जर्त जमांक (vi), (vii), (xi), (xii), (xvi) का आधिक एवं अपूर्ण पालन किया जाना चाहिए।
- लकड़ान क्षेत्र में निर्मित रिटेलिंग बौद्ध की उभार्ह वशवा जाना चाहिए।

2. एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा राष्ट्रपुर अटल नगर से प्राप्त आधिक एवं अपूर्ण प्रतिवेदन के परियोजने में परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकम टेकम रिपोर्ट तैयार कर दिनांक 04/04/2024 में प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा विवार दिनांक उपरान्त सार्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया-

1. भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी हुआई अधिसूचना, 2006 (पर्यावरणीय) एवं जारी ऑफिस मैनोरेप्यून दिनांक 11/04/2022 तथा दिनांक 30/05/2022 के अनुसार Para 7 (II) (a) की उपर खाद्यान कोरका एविध, पान-पुकार, तहसील-पाली, जिला-कोरका विधि

कूल टोटल-279 हेक्टेक्स में ओपनपार्क कॉल स्टाइन कम्पा-1.68 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ावन् 1.86 मिलियन टन प्रतिवर्ष (Stage II Expansion, 40%) हेतु पर्यावरणीय स्थीरता दिए जाने की अनुशासा की गई। इसके अधीरित विन लटी के अन्तर्गत पर्यावरणीय स्थीरता दिए जाने की अनुशासा की गई:-

- i. Project proponent shall obtain CTE/CTO from Chhattisgarh Environment Conservation Board for Coal production capacity 1.68 MTPA.
- ii. The project proponent shall submit the Corporate Environmental Responsibility project work completion report issued by the concerned authority.
- iii. The company shall have a well laid down environmental policy duly approve by the Board of Directors. The environmental policy should prescribe for standard operating procedures to have proper checks and balances and to bring into focus any infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions. The company shall have defined system of reporting infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions and / shareholders / stake holders. The copy of the board resolution in this regard shall be submitted to the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi / SEIAA, Chhattisgarh as a part of six-monthly report.
- iv. The project proponent shall submit the wildlife conservation plan duly approved by the PCCF (Wildlife) and the project money to be deposited in State CAMPA Fund.
- v. Project proponent shall ensure to develop a Greenbelt consisting of 3-tier plantation of width not less than 7.5 meter all along the mine lease area. Project proponent shall do plantation over reclaimed area as per the above proposal. The green belt comprising a mix of native species (endemic species should be given priority) shall be developed all along the major approach/ coal transportation roads.
- vi. Project proponent shall form a tripartite committee (Representative of Industry, Representative of District administration/CECB and Member of Gram panchayat) which will monitor the compliance of Green Belt within the premises, Corporate Environmental Responsibility activities etc and submit a report at every 06 months.
- vii. The project proponent shall used the maximum surface water. Project proponent shall not use ground water without prior permission from the Central Ground Water Authority (CGWA). Ground water shall be used only for domestic purpose.
- viii. Provision for monitoring of vehicles by installation of closed-circuit cameras (CCTV) at suitable locations i.e. entry gate, weigh bridge, internal parking area etc. shall also be made to ensure the incoming and outgoing vehicles are mechanically covered.
- ix. The project proponent shall make provision for carryout Ambient Air Quality monitoring for common / criterion parameters relevant to the main pollutant released (e.g. PM10 and PM2.5 in reference to PM emission, and SO₂ and NO_x in reference to SO₂ and NO_x emissions) within and outside the plant area (at least at four locations one within and three outside the plant area at an angle of 120° each), covering

upwind and downwind directions and connected to SPCB and CPCB online server.

- x. Project authorities shall provide Occupational health surveillance records and submitted in six-monthly monitoring report.
- xi. The project proponent shall conduct the Biodiversity study of the project area and submit the report.
- xii. Environment clearance will be valid as per the provision of EIA Notification, 2006 (as amended).

पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृतियों में अधिकृत भारी वर्धमान हुई है।

वर्तमान कार्रवाय पर्यावरण प्रभाग आकलन प्राचीनकारण (एसईआईएए), छत्तीसगढ़ के लदानुसार सुविधा किया जाए।

6. मैसारी सिंधानिया इंटरप्राइजों (रोहांसी लाईस स्टोर नाईन, पार्टनर की रोहित सिंधानिया), चाम-रोहांसी, राहसील-पलारी, जिला-बलीदाबाजार-भाटापारा (संविधानिय का नमूना क्रमांक 2510)

जीनलहाँन आवेदन — प्रधानमंत्री — एसआईए / श्रीजी / एमआईए / 432470 / 2023, दिनांक 09 / 06 / 2023 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह प्रस्तावित चूना पत्थर (ग्रीष्म समिति) खुदान है। चाम-रोहांसी, राहसील-पलारी, जिला-बलीदाबाजार-भाटापारा सिंधा खसना क्रमांक 476 / 1, 476 / 2, 476 / 3, 476 / 4, 476 / 5, 476 / 6, 476 / 7, 476 / 11, 476 / 12, 476 / 13, 476 / 14, 476 / 15, 476 / 16, 476 / 17, 476 / 19, 476 / 20, 476 / 21, 476 / 22 एवं 476 / 23 चूल हीत्रफल-3652 हेक्टेयर में प्रस्तावित है। खदान की 30वेंदिन उत्तरानन कामता-1,50,123 दन प्रतिवर्षी है।

लदानुसार पर्यावरण को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 02 / 06 / 2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुविधा किया गया।

मैत्रकी का विवरण —

(अ) समिति की 48वीं बैठक दिनांक 11 / 06 / 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु की मनोज सिंह, अधिकृत प्रतिनिधि उपसंचार हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत ज्ञानकारी का अनुरोधन एवं परीक्षण करने पर विभूति सिंधीरी पाई गई—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण— इस खदान की पूर्व में पर्यावरणीय स्वीकृति जारी नहीं की गई है।
2. यान पर्यावरण का अनापरित प्रभाव यत्र — उत्तरानन एवं ज्ञानर की संकेत में यान पर्यावरण रोहांसी का दिनांक 21 / 04 / 2022 का अनापरित प्रभाव पर प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्तरानन योजना — कारी प्लान, इनज्यूटरीसेट मैनेजमेंट प्लान एवं क्षारी वलोजर प्लान प्रत्युत किया गया है, जो एफ-संचालक (शानिप्रसा), जिला-बलीदाबाजार-भाटापारा के ज्ञापन अ. 950 / शी.03-3 / न.क्र.10 / 2022 कारी प्लाबाजार, दिनांक 17 / 06 / 2023 द्वारा अनुमोदित है।

4. 500 बीटर की परिवि में स्थित घरान - कार्यालय कलेक्टर (खानिज शास्त्र), जिला-बलीदाबाजार-भाटापार के इकान क्रमांक १९२/वी ३-३/नक्का १०/२०२२ बलीदाबाजार, दिनांक १९/०५/२०२३ से अनुसार आवेदित घरान वी ५०० बीटर के भीतर अवस्थित अन्य घरानों की राखा निरंक है।
5. 200 बीटर की परिवि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/सार्वजनिक - कार्यालय कलेक्टर (खानिज शास्त्र), जिला-बलीदाबाजार-भाटापार के इकान क्रमांक ६८२/वी ३-३/नक्का १०/२०२२ बलीदाबाजार, दिनांक १९/०५/२०२३ द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार घरान से 200 बीटर की परिवि में क्षेत्र भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे पुल, राष्ट्रीय राजमार्ग, बांध एवं जल आपूर्ति आदि प्रतिबन्धित क्षेत्र निर्मित नहीं है।
6. भूमि एवं एलओआई संकेती शिवाय - भूमि एवं एलओआई मेसर्सी शिवायिका इटरप्राईजेस के नाम पर है। एलओआई कार्यालय कलेक्टर (खानिज शास्त्र), जिला-बलीदाबाजार-भाटापार के इकान क्रमांक २२८/वी ३-३/नक्का १०/२०२२ बलीदाबाजार, दिनांक ०६/०२/२०२३ द्वारा जारी की गई, जो जिला दिनांक से १ दर्द तक की अवधि हेतु दिया गया है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट - वर्ष २०१० की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. बन शिवाय का अनावलि प्रमाण पत्र - कार्यालय बनमान्डलाधिकारी, बलीदाबाजार बनमान्डल, जिला-बलीदाबाजार के इकान क्रमांक/एक्टनीकी/खानिज/०१ बलीदाबाजार, दिनांक ०२/०१/२०२३ की जारी अनावलि प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित क्षेत्र निकटतम बन क्षेत्र के क्षेत्र वी २४० बीटर की आवालीय दूरी पर है।

क्षेत्र के संकेत में परिवारिजना प्रस्तावक द्वारा स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया है जो निम्नानुसार है—

मध्यप्रदेश शासन, बन विभाग के इकान क्रमांक १४७/९०/१०-३ दिनांक १२/०१/२००० से द्वारा मिल प्राप्तान जारी किया गया है—

“प्रत्येक जिलाध्यक्ष द्वारा उत्थनन की वरीकृति जारी करनी के पूर्व संबंधित क्षेत्रीय बनमान्डलाधिकारी से अनावलि प्रमाण पत्र प्राप्त करेंगे, जो कि बनमान्डलाधिकारी बनमान्डल न होने की दशा में ही जारी करेंगे।”

मध्यप्रदेश शासन, बन विभाग के इकान क्रमांक/एफ ५/१०/०१/१०-३ दिनांक ०७/१०/२००२ के मिल (ख) में मिल प्राप्तान है—

“यदि प्रस्तावित क्षेत्र बन क्षेत्र में नहीं है तथा बनक्षेत्र को न होने के साथ भी बनक्षेत्र की शीमा के २५० बीटर की दूरी के भीतर नहीं है, तभी शिवित में क्षेत्रीय बनमान्डलाधिकारी अनावलि प्रमाण पत्र जारी करेंगे।”

मध्यप्रदेश शासन, बन विभाग के इकान क्रमांक /एफ ५/१०/६१/१०-३ दिनांक १७/०८/२००८ के द्वारा बनक्षेत्र से २५० बीटर को ऊंचार यदि खानिज के महत्व एवं उपलब्धता जो देखते हुये शानियपट्टा संविहार करने के संबंध में विचार किया जाना है, तो इस संकेत में अनुसारा करने के लिए समिति का गठन किये जाने का पत्र में सल्लोख है।

मध्यप्रदेश राज्य में अंतिम सत्रानन की नियंत्रण हैं तु मध्यप्रदेश सत्रान द्वारा पञ्च दिनांक 27/08/2008 में दिये गये निर्देश मध्यप्रदेश राज्य से संबंधित हो तथा मध्यप्रदेश सत्रान द्वारा जारी किये गये हों। अतः यक्षा निर्देशों का संज्ञान नहीं किया जाता है तु अपर प्रवान मुख्य वन संरक्षण (संस्थापन) सत्तीसगढ़ अटल नगर नाम राष्ट्रपुर के ज्ञानन इमारत/स-02/2022/150 राष्ट्रपुर, दिनांक 02/02/2022 द्वारा जारी पञ्च की प्रति विविधोंका प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत की गई है।

उक्त के संकेत में संबंधित का मत है कि जारी निर्देश मध्यप्रदेश सत्रान से उही किये गये हैं। सत्तीसगढ़ सत्रान से उक्त के संदर्भ में कोई निर्देश प्राप्त नहीं किये गये हैं। अतः बन्होत्र की सीमा से 250 मीटर की वृद्धान दूरी छोड़ते हुये खनन कर्म किया जाना आवश्यक है।

8. महत्वपूर्ण संरक्षणकी सी दूरी - निकटतम आवादी साम-कीरा 880 मीटर, एकल दूरी-टीकारी 1.25 किमी, एवं अपस्ताल सोनार दूरी 5.75 किमी, जी दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय सामानी 9.05 किमी, एवं राज्यानी 18.30 किमी, दूर है। सदानदी 2 किमी, तालाब 480 मीटर, नाला 860 मीटर एवं नहर 2 किमी, की दूरी पर है।
9. पारिविविकीय/पौधविविता संवेदनशील क्षेत्र - परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किमी की परिसे में अतराज्यीय नीमा, राष्ट्रीय उद्घान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण की द्वारा प्रोतिकाली पौधाएँ दरिया, पारिविविकीय संवेदनशील क्षेत्र का प्रतिक्रियता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
10. खनन संघरा एवं खनन का विवरण - जियोलॉजिकल रिपोर्ट 26,47,700 टन, माइग्रेशन रिपोर्ट 14,45,752 टन एवं रिक्वरेशन रिपोर्ट 13,73,464 टन है। सीमा की 7.5 मीटर दूरी सीमा फट्टी (सत्त्वानन के लिए प्रतिविवित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 6,235 वर्गमीटर है। औपन क्षेत्र सीमा मैकेनाइज़ विधि से सत्रान किया जाएगा। उत्तरान की प्रस्तावित अधिकातम यहराई 30 मीटर है। सीमा क्षेत्र में उपरी मिट्टी की भौटाई 0.25 मीटर है तथा कुल मात्रा 7,478.25 घनमीटर है। प्रस्तुत प्लान प्रिसियर ने कुल 8928.25 घनमीटर क्षमता मिट्टी जगति होगी। लीज क्षेत्र में औल्डर घट्टन की भौटाई 0.75 मीटर है तथा कुल मात्रा 22,434.75 घनमीटर है। प्रस्तुत प्लान प्रिसियर में कुल मात्रा 20,784.75 घनमीटर औल्डर घट्टन का जगति होगी। देव की ऊंचाई 1.5 मीटर एवं चौकट्टी 1.5 मीटर है। उदान की संभावित गायु 30 वर्ष है। लीज क्षेत्र में नोवार्डल स्टोन ग्रावर स्थापित किया जाना प्रस्तावित है, जिसका क्षेत्रफल 372 वर्गमीटर है। जीक हेसर से ड्रिलिंग एवं कॉटोल ब्लास्टिंग किया जाएगा। उदान में गायु प्रदूषण नियंत्रण है तु जल का विकाय जाएगा। उदान प्रस्तावित सत्त्वानन का विवरण निम्नानुसार है—

वर्ष	प्रस्तावित उत्तरान (टन)
प्राचीन	1,50,019
ट्रितीय	1,50,062
तृतीय	1,50,016
चतुर्थ	1,50,123
यवम	1,50,088

12. जल कापूर्ति – परियोजना हेतु जलवायक जल की मात्रा 7 घनमीटर प्रतिदिन होगी। जल की कापूर्ति बोर्डेल के नामांग से की जाएगी। इस वायन संचाल संस्थान बीटर अधीक्षित का अनापूर्ति प्रबन्ध पत्र प्रस्तुत किया गया है।
13. बृक्षारोपण कार्य – लोप होने की सीमा में जारी और 7.5 फीटर की पट्टी में 1,239 नये बृक्षारोपण किया जाएगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा लोप होने के बीतर पर्यावरणीय प्रबन्धन मोजना के लिए निम्नानुसार कार्य प्रस्तावित हैः—

विवरण	प्रधान (लाख) परिवहन के लोगों/चालकों से उत्पन्न बूल उत्साहीन के विवरण हेतु यात्रा डिक्काद	प्रधान (लाख) बृक्षारोपण हेतु राशि	प्रधान (लाख) फैसिंग हेतु राशि	प्रधान (लाख) खाद्य हेतु राशि	प्रधान (लाख) शिवार्ड, रक्षा-रक्षाव आदि हेतु राशि	प्रधान (लाख) मूल राशि = 15,42,850	प्रधान (लाख) लिंगी	प्रधान (लाख) लुकाए	प्रधान (लाख) भरुच	प्रधान (लाख) वंचन
स्वाधान के बाह्यन्दी में (1,239 नय)	—	1,23,900	—	—	—	—	—	—	—	—
बृक्षारोपण हेतु	—	1,04,000	—	—	—	—	—	—	—	—
		1,56,000	1,56,000	1,56,000	1,56,000	1,56,000	1,56,000	1,56,000	1,56,000	1,56,000

14. जलान की 7.5 फीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्खनन — लोप होने के बाहे और 7.5 फीटर की सीमा पट्टी में उत्खनन कार्य नहीं किया गया है।
15. कोर्पोरेट पर्यावरणीय दावित (C.E.R.) — परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु रामिति के सम्बन्ध में वर्ती संघर्ष निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया हैः—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
71.54	2%	1.43	Following activities at, Village- Rohansi Plantation around village pond & maintenance for 5 year	1.50 Total 1.50

16. सीईआर के अंतर्गत लालाव पर (आम, जामुन, कटहल आदि) बृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 71 नये पीलों के लिए राशि 7,100 रुपये फैसिंग के लिए राशि 10,650 रुपये, खाद्य के लिए राशि 3,560 रुपये, शिवार्ड तथा रक्षा-रक्षाव आदि के लिए राशि 27,000 रुपये, इस प्रकार प्रबन्ध वर्ष में कुल राशि 48,310 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,02,200 रुपये हेतु घटकवार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा

साथ प्राक्षयक रोहांसी के सहमति संपर्क सम्बन्धीय स्थान (खासरा ज़िला के 543, हेडफल 3,804 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

17. लीज लैंड में कपरी मिट्टी की मोटाई 0.25 मीटर है तथा कुल मात्रा 7,478.25 घनमीटर है। प्रस्तुत प्लान पिरियड में कुल मात्रा 0.938.25 घनमीटर कपरी मिट्टी जनित होगी, जिसमें से 2,188 घनमीटर कपरी मिट्टी की लीज की 7.5 मीटर लैंडी सीमा पट्टी (उत्तरनन के लिए प्रतिवर्तित लैंड) में फैलावत् दुकारोपण हेतु उपयोग किया जाएगा एवं शेष 4,742.25 घनमीटर कपरी मिट्टी को भाईनिंग स्कीम के तहत लैंड लैंड के दक्षिण भाग (प्रस्तुत प्लान पिरियड के अनुसार ऐसे नाईनिंग) के 2,200 कर्ममीटर लैंड में व्यवस्थित कर संरक्षित रखा जाएगा एवं आगामी भाईनिंग स्कीम के तहत इस मिट्टी का उपयोग पुनर्मान में किया जाएगा अबता लीज लैंड को बाहर स्वयं की चूषि (खासरा ज़िला के 502/1, 502/2, 503/1, 503/2, 503/3, हेडफल 0.283 हेक्टेयर) में व्यवस्थित कर संरक्षित रखा जाएगा। यदियति का भत्ता है कि 4,742.25 घनमीटर कपरी मिट्टी की लीज लैंड की मोटाई 2.300 कर्ममीटर लैंड में व्यवस्थित कर संरक्षित रखे जाने हेतु गुरुता कारणी से कपरी मिट्टी की छापाई तथा अन्य लैंड में स्तरीय वी मण्डा कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
18. लीज लैंड में ओवर बर्ड की मोटाई 0.75 मीटर है तथा कुल मात्रा 22,434.75 घनमीटर है। प्रस्तुत प्लान पिरियड में कुल मात्रा 20,784.75 घनमीटर ओवर बर्ड जनित होगी, जिसमें से ओवर बर्ड का उपयोग आयोदित लैंड के भीतर बहार ईम निर्माण, हील लैंड की विकास आदि कार्य में किया जाएगा। यदियति का भत्ता है कि ओवर बर्ड बर्ड ब्रॉडबैंड योजना का प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
19. कपरी मिट्टी की लीज लैंड के बाहर भवारित कर संरक्षित रखे जाने हेतु मिट्टी का दुरुपयोग न करने, जिसमें न करने एवं अन्य कार्यों में उपयोग नहीं किये जाने एवं इस मिट्टी का उपयोग पुनर्मान हेतु किये जाने, इस प्रकार व्यवस्थित उपरी मिट्टी का निरीक्षणकर्ता/ अधिकारी की उनके निरीक्षण/ अमन के द्वारा निरीक्षण करने जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
20. ब्लास्टिंग का कार्य दी.जी.एम.एन. द्वारा अधिकृत विस्फोटक लाईसेंस वारक (Explosive License Holder) द्वारा करने जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
21. नाईनिंग लीज लैंड के अंदर साधन गुकारेपण किये जाने एवं सोपित पौधों का सारवाईवल रेट (Survival rate) 50 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
22. परियोजना से गिन-गिन स्थली से पुर्जिटिव रस्ट रातराजन होगा, उन स्थली पर विशेषित जल विकास की व्यवस्था किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
23. परियोजना प्रस्तावक द्वारा विनाशन कानूनीकरण नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बाधावारी पिलासी द्वारा नीचाकरण या कठोर सुभितिकरा जिसे जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
24. उत्तीर्णगढ़ आदर्श पुनर्नीति के तहत ल्यानीय लौगी को रोपनार दिये जाने हेतु शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

25. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सापड़ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि संसाक्षण भारत सरकार, पर्यावरण, जल और जलवाया परिवहन बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराया गया 804(ज), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई संशोधन वा प्रकारण अद्वितीय नहीं है।
26. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सापड़ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि खदान से किसी भी प्रकार जल दूषित जल (यदि उत्पन्न होता है तो) वा प्रवाह किसी भी प्राकृतिक जल स्रोत, तालाब, नदी, नाला वे नहीं किया जाएगा, खदान के संचालन के दौरान तालाब एवं झन्य निकालम जल निकाली जी जिसी प्रकार की कोई शक्ति नहीं पहुंचाई जाएगी एवं प्राकृतिक जल स्रोत, नाला, नदी, तालाब के संचालन व संरक्षण उत्तु निम्न तथाय किये जाएंगे—
- आवेदित खदान से किसी भी प्रकार जल दूषित जल उत्पन्न नहीं होता है अर्थात् किसी भी प्रकार के दूषित जल का प्रयाग किसी भी प्राकृतिक जल स्रोत मई नहीं किया जावेगा।
 - खदान कार्यालय से उत्पन्न घरेलू अपरिहार्य के निपटान के लिए सेटिंग ट्रैक और सीख वर्क्स प्रदान किये जाएंगे।
 - सतही जल के संरक्षण के लिए खदान के चारों ओर गार्डेन फ्लैट एवं सेटलिंग ट्रैक के द्वारा उपचारित करके ही ऊपर स्रोतों में छोड़ा जावेगा।
 - खदान के आंदर वर्षा द्वारा उत्पन्न जल को उपचारित यानवों आवासकानानुसार सामीक्षा को उपलब्ध कराया जावेगा।
 - खदान वालु वाली तालाब के चारों ओर संधन सूखारीपन किया जावेगा।
 - खदान वालु तालाब के चारों ओर वालु सूखारीपन किया जावेगा। प्रस्तुत आवेदन में आवेदित स्थल वी तालाब 480 मीटर तथा नहर की दूरी पर है जो कि सर्वीसगढ़ गोप राजनिय अधिनियम, 2015 में वर्णित नामक दूरियों से अधिक है। अतः खदान संचालन के दौरान सापेटॉल बिन्दु क्रांति। वी भ के पालन से तालाब एवं नहर वह प्रभाव ले रखता जा सकता।
27. आवेदक द्वारा नियमित किये जाने वे रक्ती हुए नियमानुसार नियारित मुख्यता तथा सीजामार की प्राप्तिकर्ता का अवशार भूमि सामियों को संपलबा कराया जाएगा। इस आवाय वा सापड़ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
28. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सापड़ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि आवेदित स्थल से स्थूल 1.25 कि.मी., अस्पताल 5.75 कि.मी. एवं आवादी शेत्र 680 मीटर की दूरी पर है जो कि इग. गोप राजनिय अधिनियम, 2015 में वर्णित नामक दूरियों से अधिक है। अतः स्थूल, अस्पताल एवं आवादी शेत्र में प्रभाव नहाय होता। इनक कार्य से स्थूल, अस्पताल एवं आवादी शेत्र में होने वाले जन वासनावादी का निराकरण हेतु निम्न तथाय किये जाएंगे—
- खदान के माईन वालुन्ही में चारों ओर संधन सूखारीपन किया जावेगा जिससे स्थूल, अस्पताल एवं आवादी शेत्र में प्रभाव नहाय होता।
 - घुल (ठस्ट) को निराकरण के लिए ट्रैकर के द्वारा फानी का निरुक्ताय किया जाएगा जिससे स्थूल, अस्पताल एवं आवादी शेत्र में प्रभाव नहाय होता।

- viii. हमारे द्वारा जिसी का परिवहन संकूल एवं आवादी कोर में शुल्क नहीं किया जावेगा जिसी संकूल, अस्पताल एवं आवादी कोर में परिवहन का प्रभाव नगण्य होगा।
- ix. हमारे द्वारा संकूल एवं आवादी कोर में कौम्प लगाकर सार्वज्ञ परीक्षण करता है जावेगा।
- x. हमारे द्वारा संकूल में परिवोजना तारात 2 प्रतिशत रीटुआर के लहल लाभ किया जावेगा।
- xi. यूल एवं ब्लास्टिंग आदि से होने वाले प्रभावों के लिए DOMS के रजिस्टर्ड ब्लास्टर द्वारा नियमानुसार एवं लीजिया वाले नियंत्रित विशेषज्ञ की तरफ़ीक आपनाकर कर किया जाएगा। जिसी ब्लास्टिंग के कारण आवादी कोर, संकूल एवं अस्पताल पर पड़ने वाला प्रभाव नगण्य होगा।
- xii. संप्रतीक का उचित सख्तरखाल एवं यूल आदि से सुख्खा हेतु नियंत्रित जल किहवाय किया जावेगा, जिसी संकूल, अस्पताल एवं आवादी कोर में यूल का प्रभाव नगण्य होगा।
29. परिवोजना प्रस्तावका द्वारा जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके गिरफ्त इस परिवोजना/सुख्खा से जीवित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अलगत किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं है।
30. परिवोजना प्रस्तावका द्वारा जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि माननीय मुद्रीन कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 214 में दिए गए दिला निर्देशों का गेरे द्वारा पालन किया जावेगा।
31. परिवोजना प्रस्तावका द्वारा जापव यज्ञ (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि माननीय मुद्रीन कोर्ट द्वारा दिनांक 06/01/2020 को Writ Petition (S) Civil No. 114/2014 Common Cause vs. Union of India & Ors. में दिए गए दिला निर्देशों का गेरे द्वारा पालन किया जावेगा।

कामिति द्वारा तत्त्वावधि सर्वशाम्ली से नियंत्रित किया गया था—

1. निकटतम बम कोर की तरफ़ लीज कोर की भीतर कम से कम 10 मीटर की ऊँचाई तक के कोर को गैर मार्फतिंग कोर रखायन अद्यतान सिवाति में रिजर्वी नी गणना कर संशोधित अनुमोदित न्यायिक प्रकार प्रस्तुत किया जाए।
2. छपरी मिट्टी (मात्रा 4,742.25 घनमीटर) को लीज कोर की भीतर 2,300 घनमीटर कोर में अप्लाई कर संशोधित रहो जाने हेतु सुख्खा यारनी से उपरी मिट्टी की ऊँचाई तथा ताप कोर में संशोधित कर जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
3. ओवर बहन (मात्रा 20,784.75 घनमीटर) प्रकार बोडाना का विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।

कामीकरण वाचित जानकारी/दस्तावेज़ प्राप्त होने सम्मत आगामी कार्यवाही की जाएगी।

राज्यानुसार एसडीएसी.. उत्तीर्णगढ़ के द्वापन दिनांक 18/10/2023 की परिकल्पन में परिवहनजन्मा प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज दिनांक 02/04/2024 को प्रस्तुत किया गया है।

(ब) समिति की 523वीं बैठक दिनांक 08/04/2024:

समिति द्वारा नवीनी प्रस्तुत जानकारी का अपलोडन एवं परीक्षण करने पर निम्न निष्ठा पाई गई:-

1. निकटसम यम लीज के तरफ लीज लीज के भीतर कम से कम 10 मीटर की खीड़ ताक को 350 वर्गमीटर लीज को गैर माहौलिक लीज रखा जाया है। उगत लीज में पृष्ठारेपन किया जाना प्रस्तावित है।
2. 15वीं मिट्टी भाजा 4,742.25 घनमीटर में से 2,200 घनमीटर ऊपरी मिट्टी की लीज लीज के भीतर 2,200 वर्गमीटर खाली जगह पर 2 बीटर की कमाई एवं 9 डिग्री के रूपाय में छाप किया जाएगा जब्तक 2542.25 घनमीटर ऊपरी मिट्टी की खाली क्षमाता क्रमांक 503/1, 503/2, 503/3, 502/1 एवं 502/2 के 1700 वर्गमीटर लीज में 3 बीटर की कमाई एवं 10 डिग्री के रूपाय में छाप किया जाएगा।
3. ओरहर बर्फन भाजा 20,784.75 घनमीटर में से 5,000 घनमीटर ओरहर बर्फन को ऐप निर्माण, 13,500 घनमीटर छहार के हीपर ऐप निर्माण, 800 घनमीटर ओरहर बर्फन को छहार की क्षमापना हेतु उपचार किया जाएगा। ऐप 1,354.75 घनमीटर की क्षमाता क्रमांक 503/1, 503/2, 503/3, 502/1 एवं 502/2 के 1700 वर्गमीटर लीज में अप्लाई किया जाएगा।
17. समिति का भए है कि सीईआर एवं पृष्ठारेपन कार्य के नीतिशिविषय एवं परीक्षण हेतु डि-प्लाइ नियमिति (डीपराईटर/ड्रिलिनियर) याम प्रशासन के प्रदर्शिकारी/प्रतिनियिति एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संबंधी नामकों के प्रदर्शिकारी/प्रतिनियिति गतिश किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं पृष्ठारेपन का कार्य पूरी किये जाने के संपर्कत गठित डि-प्लाइ समिति से जल्दापित कराया जाना आवश्यक है।
18. महानीय एन.जी.टी., प्रिसिपल ऐप, नई दिल्ली द्वारा सत्येंद्र पाण्डेय विकास भास्त वस्त्रकार, पर्यावरण, चन और जलवायु परिवर्तन बचाव एवं नई दिल्ली एवं झज्या (ओरिजिनल एप्लिकेशन नं. 185 ऑफ 2016 एवं ज्ञान) में दिनांक 13/09/2018 को परिवर्त आदेश में नुस्ख रूप से निम्नानुसार निर्देशित किया गया है:-
 - a) Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - b) If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha. EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विचार किए हुएसात सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्देशित किया गया:-

1. जार्डिनी कलेक्टर (समिति लाई), जिला-कलीदारापार-भाटापार के द्वापन क्रमांक 992/वी 3-3/नं. 10/2022 वलीदाराजार, दिनांक 19/05/2023 को अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर की भीतर अवलोक्त अन्य खदानों की संख्या निर्धारित है। आवेदित खदान (जाम-लोहारी) का बोरेक्स 3,852 हेक्टेयर है। खदान की सीमा से 500 मीटर की परिधि में स्थीरकृत/संचालित खदानों का कुल

क्षेत्रफल ५ हैक्टेयर वा लगाती कम होने के कारण यह सदान बी-२ श्रेणी की मानी गई।

२. गोपनीय शिखानिया बृंदाबन्दीयोग (गोपनीय लाईन एटोल गोपन्द, पाटनर और शिखानिया) को शाम-ऐश्वरी, रातसील-बलरी, जिला-कलीदास्यापार-भाटाबाट के खण्ड क्रमांक ४७६/१, ४७६/२, ४७६/३, ४७६/४, ४७६/५, ४७६/६, ४७६/७, ४७६/११, ४७६/१२, ४७६/१३, ४७६/१४, ४७६/१५, ४७६/१६, ४७६/१७, ४७६/१९, ४७६/२०, ४७६/२१, ४७६/२२ एवं ४७६/२३ में शिख घूना पर्यावरण (गोपनीय रुद्धिनिया) सदान, कुल क्षेत्रफल-३.८५२ हैक्टेयर, क्षमता - १,५०,१२३ उन प्रतिवर्ष हेतु पर्शियन-०५ में पर्याप्त शाली के अधीन पर्यावरणीय स्थीरता दिए जाने की अनुमति नी गई।

राज्य सतर्कीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रणिकल्प (एसडीआईएए), छत्तीसगढ़ की तदानुसार सुनित शिखा जाए।

कैफ क अन्वयाद ज्ञापन की साथ संधन हुई।

(कल्पदिकुल शिखी)

भाद्रस्य शिखि

राज्य सतर्कीय विशेषज्ञ सूचीकरण समिति
छत्तीसगढ़

(का. बी.पी. नोन्हारे)

अधिक

राज्य सतर्कीय विशेषज्ञ सूचीकरण समिति
छत्तीसगढ़

मेससी योन्दूम सेण्ट कम्पनी (ली-५) (सरपंथ, खाली पंचायत पोन्दूम) की खदान क्षेत्रकि-३५०(पाली), कुल क्षेत्रफल - ५ हेक्टेअर के गहर ८० प्रतिशत क्षेत्रफल में ही ऐत उत्थानम्, राम-योन्दूम, तालवील-दंठेवाहा, जिला-दक्षिण कर्नाटक दंठेवाहा, मे अक्टूबर तीसी से ऐत उत्थानम् तीनला ३०,००० घनमीटर प्रतिवर्ष हेतु प्रस्तुतिप्रति पर्यावरण कीवृत्ति में दी जाने वाली थी।

यह पर्यावरणीय स्वीकृति नियन्त्रित राती के अधीन ही जा रही है। अतः इन राती को बहुत खाली से पढ़ा जावे ताकि कम्हाई से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय स्वीकृति उत्थान पट्टी के नियादन की तारीख से पालन की तक भी अधिक हेतु विष्य होगी।
2. पालेनेवल सेण्ट माईनिंग गाईडलाइन्स, २०१० (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2010) एवं इन्फोसेन्ट एण्ट मॉनिटरिंग गाईडलाइन्स कोर सेण्ट माईनिंग, २०२० (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार पालन सुनिश्चित किया जाए।
3. इन्फोसेन्ट एण्ट मॉनिटरिंग गाईडलाइन्स कोर सेण्ट माईनिंग, २०२० (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के गहर ८० प्रतिशत क्षेत्र में ही उत्थान करने किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
4. गाव उत्थान (सिलेक्शन स्टडी) रिपोर्ट - परियोजना प्रस्तावक ऐत उत्थान क्षेत्र में आगामी १.५ वर्ष में विस्तृत गाव अव्ययन (Saturation Study) कारबो, ताकि ऐत के पुनर्भरण (Replenishment) बाबत सही जानकारी, ऐत उत्थान का नदी, नदीतल, स्थानीय बनवायित, जीव एवं सूक्ष्म जीवों पर प्रभाव तथा नदी के पानी की गुणवत्ता पर ऐत उत्थान के प्रभाव की जानकारी प्राप्त हो सके। उक्त स्टडी रिपोर्ट की प्रति जिला नियन्त्रित अधिकारी एवं एसईआईएए, छाग में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत ही जाएगी। उक्त स्टडी रिपोर्ट के अधार पर ही आगामी उत्थान की यात्रा एवं उत्थान की अवधि प्रभावित होगी।
5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज क्षेत्र की मुख्य प्रक्रिया द्वारा पर सूखना पटल (लीज बालक या नाम, खदान या क्षेत्रफल आदान एवं देशांतर सहित उत्थान की भाजा, स्वीकृति अधिक) लगाया जाए।
6. लीज क्षेत्र के बाहे कीनो तथा लीज लाईन के क्षय में लीजेट के तूमे गहरना आवश्यक है ताकि लीज क्षेत्र नदी में स्थग दृष्टिगोचर हो सके।
7. यदि खदान नियन्त्रित दिमाग द्वारा अधिकृति किसी वलस्टर में है, अथवा ५०० मीटर के भीतर स्वीकृत ऐत उत्थानी का कुल रकमा ५ हेक्टेयर से अधिक होता है तो पर्यावरण स्वीकृति मानद नहीं होगी।
8. गाईनिंग घटना अनुसार विष्य उत्थान क्षेत्र ५ हेक्टेयर के कुल ८० प्रतिशत क्षेत्रफल से अधिक नहीं होगा। योग ४० प्रतिशत क्षेत्र में उत्थान नहीं किया जाएगा। ऐत का उत्थान सतह से १ मीटर नहराई तक ही किया जाएगा, उससे अधिक नहीं। इसी प्रकार खदान से ऐत का अधिकतम उत्थान ३०,००० घनमीटर प्रतिवर्ष ही अधिक नहीं होगा।
9. गान्धीय एनजीटी के आदेश दिनांक २८/०२/२०२१ के अनुसार घटेवार द्वारा गाईनिंग प्राप्त एवं पर्यावरणीय स्वीकृति के राती का पालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु परियोजना प्रस्तावक की पर्यावरण विस्तृत नियुक्त करता होगा।

10. रेत उत्खनन प्रारंभ करने के पूर्व उपरीवरानुस्थल नियंत्रित पिण्ड बिन्दुओं पर चढ़ी रेत की सतह की स्तरों (Levels) का सबै बदल रुसके आंकड़े तालिका एसईआईए ए. छत्तीसगढ़ की प्रस्तुत किये जायें। पीसट-मानसून (अक्टूबर/नवम्बर माह में रेत उत्खनन प्रारंभ करने के पूर्व) इनी दिव बिन्दुओं में नाईंगिं लीज कोड तथा लीज कोड के अपर्स्ट्रीम एवं बाहनस्ट्रीम में 100 मीटर तक तथा उन्न लीज के बाहर / नदी तट (दोनों ओर) से 100 मीटर तक की कोड में नदी सतह की स्तरों (Levels) का सबै पूर्व नियंत्रित पिण्ड बिन्दुओं पर किया जायेगा। इसी प्रकार रेत उत्खनन उपरीत मानसून के पूर्व (मई माह के अंतिम सप्ताह/जून के प्राप्तम सप्ताह) इनी पिण्ड बिन्दुओं पर रेत सतह की लेवल्स (Levels) का नापन किया जाएगा। रेत सतह की पूर्व नियंत्रित पिण्ड बिन्दुओं पर रेत सतह की लेवल्स (Levels) का नापन का कार्य आगामी 5 वर्ष तक निरंतर किया जाएगा। पी-मानसून के आंकड़े अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पीसट-मानसून के आंकड़े दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक अनियार्य रूप से एसईआईएए. छत्तीसगढ़ की प्रस्तुत किए जायेंगे।
11. रेत की खुदाई एवं भवाई अभिकों द्वारा (Manusby) की जाएगी। इस प्रयोजन के लिये किसी उपकरण बांधन (Machinery) आदि का उपयोग नहीं किया जाएगा। निवार केता ने भारी बाहनों लैसे- जैसीकी मशीन, पानकलींग, लोडर, ग्रीनमाउण्टेड मशीन, हट्टिंग आदि का प्रयोग प्रतिक्रिया रहेगा। लीज कोड में नियत रेत खुदाई पद्धति (Excavation pits) से लोडिंग प्लाईट तक रेत का परिवहन ट्रैक्टर ट्रॉली द्वारा किया जाएगा।
12. रेत का उत्खनन कोलत किन्हीं, सीमोंपिण्ड एवं शोकित कोड में ही किया जाएगा। रेत उत्खनन की अधिकतम खुदाई तात्त्व से 1 मीटर अधिक वर्तमान जल स्तर की उपरी सतह से 1 मीटर छोड़कर दोनों बोंझों के बीच जम तो से अधिक नहीं होगी। रेत का उत्खनन किसी भी परिस्थिति में जल स्तर के बीच नहीं किया जाएगा। न्यूनतम 2 मीटर भवाई तक की रेत नदी तट (हाई रीफ) की ऊपर छोड़ा जाना आवश्यक है।
13. रेत उत्खनन नदी तटी से जम से जम 7.5 मीटर अधिक नदी की खुदाई के 10 प्रतिशत की दूसी जो भी अधिक हो छोड़कर ही किया जाएगा। ताकि नदी तटी का काशन न हो। किसी भी पुलिया, स्टापहेम, बांध, एनीकट, जल प्रदाय अवधारणा एवं जन्म नदायी संरक्षणात्मी से खुदान के जबर्दस्तीम में न्यूनतम 600 मीटर तथा बाहनस्ट्रीम में न्यूनतम 350 मीटर सुरक्षित कोड छोड़ा जाना आवश्यक है।
14. यह सुनिश्चित किया जाए कि रेत उत्खनन की काला नदी जल का बग, ट्रैक्टिली एवं जल बहाव के स्वरूप पर कोई विपरीत इन्हाव न रहे। नदी के रुपांत्र बहाव (Free flow of river) को प्रतिक्रिया नहीं किया जाएगा।
15. यह सुनिश्चित किया जाए कि उत्खनन केवल उसी कोड में किया जाए जिसमें तथा जिसके आस-पास के कोड पर कोई भी सीधे-छान्ह प्रपञ्चन हेतु निर्भर न हो। काषुओं के उत्खनन इकाईयों / कोडों का संरक्षण आवश्यक है, जहाँ इन कोडों की आस पास रेत उत्खनन नहीं किया जाए।
16. रेत उत्खनन एवं भवाई / परिवहन दिन के समय (सूर्योदय और सूर्योत्सर के बीच) ही किया जाए। यह कार्य रात्रि के समय नहीं किया जाए। रात्रि में उत्खनन करना यार्थ बनने की स्थिति में अग्रज उत्खनन भरना जाएगा तथा परियोजना प्रस्तावक के विशद नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। पर्यावरणीय स्थीकृति विवरण भी की जा सकेंगी।

17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा ऐति संस्थानन विभिन्न प्रभागों का लोडिंग / अपलोडिंग आदि से सहमन होने काले प्रक्रियाएँ इस जल विकास अवयव क्षेत्र संपर्क का बहु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्थाएँ जैसे जल विकास अवयव क्षेत्र संपर्क का जाए। ऐति संस्थान क्षेत्र में परिवेशीय वायु की गुणवत्ता भारत सरकार, पर्यावरण बन और जल वायु परिवर्तन, मन्त्रालय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित मानकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
18. ऐति का परिवहन सारपीलिन अवयव क्षेत्र संपर्क का बहु बाहन से किया जाए, ताकि ऐति बाहन से बाहर नहीं गिरे। खानिज तथा परिवहन कार वाहनों को कानून से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
19. संस्थानन क्षेत्र में स्टेनि प्रदूषण न हो, वह सुनिश्चित किया जाए।
20. प्राथमिकता के आधार पर खाद्यान प्रबन्धन द्वारा वर्ष 2024-25 में नदीसाट के कटाए को दोगने हेतु लौज दीव की अनुसार अर्जुन, खड्ग, बह, दीपल, नीम, कर्णज, सीता, आम, इमली, सीरस आदि अन्य स्वानीय प्रजातियों को कुल 1,000 नन घोषी का रोपण नदी तट पर संप्रित किया जाए। रोपण की सुरक्षित रखने के लिये संपर्क का एवं पश्चात व्यवस्था (यथा काटिदार ताप की बाह का उपचार) किया जाए। 5 फीट से 6 फीट तक वाले घोषी का ही रोपण किया जाए। उपरोक्त वृक्षारोपण प्रबन्ध वर्ष में पूर्ण किया जाए। रोपित घोषी की सुरक्षा एवं रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्षों तक करने का उत्तरदायित्वा लेने वाली आवाय नन शपथ पत्र प्रक्रूतुप दिया जाए। रोपित घोषी की सुरक्षा एवं रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्षों तक करने का उत्तरदायित्वा परियोजना प्रस्तावक का रहेगा।
21. रोपित किये जाने वाले घोषी में संखाचन (Numbering) एवं घोषी के नाम का छलोला करने हेतु कोटीशास्त्र संस्कृत जानकारी अर्थात् रिपोर्ट के साथ जमा करें। ऐसा नहीं करने पर व्यावरण स्वीकृति निरस्त की जा सकेगी।
22. वृक्षारोपण का रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्षों तक सुनिश्चित रखने हेतु नन घोषी को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए।
23. किये गये वृक्षारोपण की पुरी हेतु डी.पी.एस. (Differential Global Positioning System) से एवं कोटीशास्त्र अर्थात् रिपोर्ट में समाहित करने हेतु छत्तीसगढ़ एवं द्वितीय भूमि एवं एस.ई.आर्टी.ए.ए. छत्तीसगढ़ की प्रेषित किया जाए।
24. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर कार्य पर्यावरण प्रक्रम योजना के आगंत किया जाए—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
Following activities at, Village-Pondum-2				
10	2%	0.20	Pavitra Van Niman	5.528
			Total	5.528

25. सीईआर के तहत प्रायोरित करकी गई 06 गांव में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। सीईआर की उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण द्वारा उपरोक्त संघित द्वारा पर्यावरण

तो कार्यपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर अंतर्राष्ट्रीय लिपेट में सम्बोधित करती हुये प्रस्तुत किया जाए। साथ ही जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आए, तब उन्हें खाद्यान्/उद्योग/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सीईआर के तहत आपके द्वारा करायी गयी कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से करना आपकी जिम्मेदारी होती।

26. सीईआर के ऊर्ध्वांत एवं दान निरीक्षण के तहत (बड़ा, पीछा, नीचे, ऊपर, इनसी, अर्जुन, कर्ज आदि) यूकारीपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 405 नग धीरों के लिए राशि 40,780 रुपये, कोरिंग के लिए राशि 85,200 रुपये, छात ले लिए राशि 3,000 रुपये, चिकित्सा के लिए राशि 48,000 रुपये, रख-रखाव के लिए राशि 34,000 रुपये तथा अन्य के लिए राशि 10,000 रुपये, इस प्रकार प्रधान वर्ष में कुल राशि 2,11,040 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 3,41,784 रुपये हेतु घटकबार चाह का विवरण प्रस्तुत किया जाया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्राप्त पंचायत चौकुम-2 की सहमती उपरांत यथायोग्य स्थान (खड़सरा गांवों का ३३, क्षेत्रफल 1.55 हेक्टेयर में से 0.40 किलोमीटर) के संघर्ष में प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कराई पूर्ण करें।
27. सीईआर एवं यूकारीपण कर्ता के नोनिटरिंग एवं पर्सोनल हेतु कि-प्रतीक्षा समिति (प्रोपर्टीहाउटर/प्रतिनिधि, प्राप्ति एवं यथायत के कार्यालयकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन का छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचालन मण्डल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही सीईआर एवं यूकारीपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरांत यथायत कि-प्रतीक्षा समिति से सत्यापित करना जाए।
28. जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आए, तब उन्हें खाद्यान्/उद्योग/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सीईआर के तहत आपके द्वारा करायी गयी कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से करना आपकी जिम्मेदारी होती।
29. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर के तहत प्रस्तावित कार्य करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्थीरता करने की कारबाही की जाएगी।
30. परियोजना प्रस्तावक वांचित केन्द्र/राज्य शासन के विभागों, संघटनों एवं अन्य संस्थानों से ऐत उत्तरानन्द आर्म करने की पूरी आवश्यक तभी अनुमतियां प्राप्त करेंगा। परियोजना प्रस्तावक द्वारा जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण तथा पर्यावरण संस्थान हेतु साथ-समय पर केन्द्र/राज्य सरकार, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचालन मण्डल द्वारा जारी निर्देशों/प्रारंभिक का कारबाही से प्राप्त सुनिश्चित किया जाए।
31. छत्तीसगढ़ नीय नियम, 2015, राज्य शासन द्वारा ऐत उत्तरानन्द हेतु जारी अधिनियम दिनीक 2/3/2006 के द्वारावानी/सती एवं लदनुसार जारी दिया निर्देशों अनुसोदित उत्तरानन्द योजना एवं पर्यावरणीय प्रबंधन योजना का गवाही से प्राप्त सुनिश्चित किया जाए।
32. कार्य स्थल पर यदि कोई अनियंत्रित कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसी अग्रिमी के आवास की स्थिति बदलन्तरा परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। आवासीय बदलन्तरा अस्वायी संरचनाओं के स्थल में हो सकती है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात हटाया जा सके।
33. अग्रिमी के लिए स्थगन स्थल पर स्थग्न प्रबंधन चिकित्साकीय त्रुपिता, गोसाइल ट्रायलर आदि भी बदलन्तरा परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए। साथ ही नदी गत मूल विसर्जन अवयव जल सामग्री के पैकेट, प्लॉटरिक आदि का विसर्जन प्रतिबंधित रहेगा। नदी एवं नदी जल की स्थग्नता का जलान स्थग्न जावें।

34. अधीकारों का समष्टि-समय पर आकृपेशनल ईलव संचितेस कराया जाए।
35. उत्कृशन की लकड़ीक, काढ़े क्षेत्र एवं अनुग्रहित उत्कृशन योजना के अनुरूप वार्षिक योजना में किसी भी प्रकार का परिवर्तन एसईआईएए, छत्तीसगढ़ / भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन संबंधी, नई दिल्ली की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
36. इस पर्यावरणीय स्वीकृति को जारी करने का आवश्यक जिसी व्यक्तिगत अधिकारी सम्पत्ति पर उपरिकार दस्तीमें का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्वीकृति किसी निजी सम्पत्ति को मुक्तजाहन पर्हेजाने अथवा अविकाश अधिकारी को अधिकारीपण अथवा केन्द्र राज्य एवं स्थानीय कानूनी / विधियों के उत्कृशन द्वारा अधिकृत करता है।
37. एसईआईएए, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संख्या की दृष्टि से, परियोजना की सम्बन्धी में परिवर्तन अधिकारी के संशोधन परिवर्तन अधिकारी नहीं जारी जोड़ने अथवा जारी जारीपर्तन / नियन्त्रण के नामकों को और सख्त करने का उपरिकार मुख्यकृत रखता है।
38. परियोजना प्रस्तावक व्यूनाम 2 पर्यावरण बाधाओं परी में, जो कि परियोजना क्षेत्र के आस-पास व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने के 7 दिनों के भीतर इस आवश्यकीय सूचना प्रसारित करेगा कि परियोजना को शाही पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्वीकृति पर जीविती आवश्यक जाती सहित संचियालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संख्या बन्धन में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। याथ ही इसका अवलोकन भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन संबंधी, नई दिल्ली एवं एसईआईएए, छत्तीसगढ़ की वेबसाइट panvesh.nic.in पर भी शिखा या रखता है।
39. पर्यावरणीय स्वीकृति में दी गई जाती के पालन हेतु की गई कारबोही की अंतर्गत रिपोर्ट छत्तीसगढ़ पर्यावरण संख्या बन्धन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-कायमुर, कोटीय कर्बलाय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संख्या बन्धन, जागदलपुर, एसईआईएए, छत्तीसगढ़ एवं एकीकृत कोटीय कायालय, नवा रायपुर अटल नगर को प्रेषित किया जाए। एकीकृत कोटीय कायालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में दबाता जाती के पालन की नानिटरिंग की जाएगी।
40. एसईआईएए, छत्तीसगढ़, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी, नई दिल्ली/एकीकृत कोटीय कायालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन संबंधी, नवा रायपुर अटल नगर/कोटीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छत्तीसगढ़ पर्यावरण संख्या बन्धन के रिकानिको/अधिकारियों को जाती के अनुपालन की संवेदन में जी जाने वाली बीमिटरिंग हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विभिन्न जाती का अनुपालन करना नहीं यारे जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति नियन्त्रण की जा सकेगी।
41. परियोजना प्रस्तावक छत्तीसगढ़ पर्यावरण संख्या बन्धन एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई जाती का अभिवार्य रूप से पालन करेगा। ये जाती जल (प्रदूषण नियालय तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 वायु (प्रदूषण नियालय तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संख्या) अधिनियम, 1986 तथा इनके तहत कराये गये जियानी, परिसकटग्राम अधिनियम (प्रदूषण हास्यालन एवं सीमावार संचलन) नियम, 2008 (यथा

संशोधित) तथा लोक दायित्व दीना अधिनियम 1991 (जल संशोधित) को उद्धीर्ण
प्रभित्विष्ट की जा सकती है।

42. प्रस्तुति परिक्षेपन के कारे में एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में प्रस्तुत विवरण में
कोई भी विवरण अवधार परिवर्तन होने की दस्ता में एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ को
युन. नवीन जानकारी सहित सूचित किया जाए ताकि एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़
इस पर विवार कर जाती ही उपयुक्तता अवधार नवीन जाते निकिट करने बाबत
निर्णय ले सके। गवाहान में कोई भी विवरण अवधार उन्नयन एस.ई.आई.ए.ए.,
छत्तीसगढ़ / भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन नियामन नई
दिल्ली की पूर्व झगुमति के बिना नहीं किया जाए।
43. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संलग्न पालांवरसीय स्थीरता की प्रति को उनके क्षेत्रीय
कार्यालय, जिला—व्यापार एवं सांस्कृतिक केन्द्र एवं कलेक्टर/सहस्रीतदाम कार्यालय से
30 दिवस की अवधि के लिये प्रदर्शित करेगा।
44. पर्यावरणीय स्थीरता के विशद अपील नेशनल ग्रीन ट्रीबूनल के सम्म. नेशनल
ग्रीन ट्रीबूनल एकट 2010 की आर 16 में दिए गए ग्राम्यानी अनुसार 30 दिन की
उमर अवधि में की जा सकती।


सुरेश कुमार, एस.ई.ए.ए.


भृपेन्द्र सिंह, एस.ई.ए.ए.

मैलरी एनएस के द्वारा किया (जो— श्री रामेश्वर यहु नंदनिया सेप्ट मार्फेन) को पार्ट ऑफ खासा क्रमांक 1/1, कुल क्षेत्रफल — 4.59 हेक्टेयर के कुल 60 प्रतिशत शेअरफल में ही ऐत उत्थनन, गाम-नंदनिया, तालील-कमठोल, जिला—बलीदाबाजार-भाटापारा, में बहानदी से ऐत उत्थनन क्षमता 44,910 घनमीटर प्रतिवर्ष हेतु प्रस्तावित पालन क्षमता स्वीकृति में ही जाने वाली हो।

यह पर्यावरणीय स्वीकृति नियन्त्रिति शर्तों के अन्तर्गत ही जा सकती है। अतः इन शर्तों को बहुत ध्यान से यहां जारी रखा करकर्त्ता से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय स्वीकृति उत्थन पट्टे के नियादन की तारीख से पाँच वर्ष सक की अवधि हेतु दी गई होगी।
2. सास्टेनेबल सेप्ट मार्फेनिंग मैनेजमेंट गार्डलाइन्स, 2016 (Sustainable Sand Mining Management Guidelines 2016) एवं ईन्फोर्मेंट एवं बीमिटरिंग गार्डलाइन्स पौर सेप्ट मार्फेनिंग, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के अनुसार पालन सुनिश्चित किया जाए।
3. ईन्फोर्मेंट एवं बीमिटरिंग गार्डलाइन्स पौर सेप्ट मार्फेनिंग, 2020 (Enforcement & Monitoring Guidelines for Sand Mining) के ताल् 60 प्रतिशत शेअर में ही उत्थनन करते किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
4. गांद अध्ययन (सिलेटेशन रिपोर्ट) रिपोर्ट — परियोजना प्रस्तावक ऐत खदान होते ही आगामी 1.5 वर्ष से विस्तृत गांद अध्ययन (Sediment Study) करायेगा, ताकि ऐत के पुनर्भरण (Replenishment) बाबत काही आकर्षे, ऐत उत्थनन का नहीं नदीतल, सम्पन्नीय बनस्पति, जीव एवं सूखम जीवों पर प्रभाव ज्ञान नहीं के पानी की गुणवत्ता पर ऐत उत्थनन के प्रभाव की काही ज्ञानकारी प्रक्रिया हो सके। उक्त रिपोर्ट की प्रति जिला खनिज अधिकारी एवं एसईआईएर, छग, मे अधिकारी कल से प्रस्तुत की जाएगी। उक्त रिपोर्ट के अन्वार पर ही आगामी उत्थनन की जाता एवं उत्थनन की अवधि प्रभावित होगी।
5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज होव के मुख्य प्रवेश द्वार पर सूखना पटल (लीज खाल का नाम, खदान का क्षेत्रफल आहोत एवं देशांतर ताहित, उत्थनन की पात्र, स्वीकृति अवधि) लगाया जाए।
6. लीज होव के चारों कोनों तथा सीमा लाईन के मध्य में सीमेट के सम्म गहाना अवश्यक है ताकि लीज क्षेत्र नहीं में स्पष्ट नूटिगोवर हो सके।
7. यदि खदान खनिज विभाग द्वारा अधिकृति दिली उत्थनर में है, अध्या 500 बीटर के भीतर स्वीकृत ऐत खदानों का कुल शक्ति 5 हेक्टेयर से अधिक होता है तो पर्यावरण स्वीकृति मान्य नहीं होगी।
8. मार्फेनिंग प्राप्त अनुसार ऐत उत्थनन क्षेत्र 4.59 हेक्टेयर के कुल 60 प्रतिशत शेअरफल से अधिक नहीं होगा। ऐत 40 प्रतिशत शेअर में उत्थनन नहीं किया जाएगा। ऐत का उत्थनन सातह से 1.5 बीटर गहराई तक ही किया जाएगा, उससे अधिक नहीं। इसी प्रकार खदान से ऐत का अधिकतम उत्थनन 44,910 घनमीटर प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा।
9. माननीय एनजीटी के आदेश दिनांक 26/02/2021 के अनुसार पट्टेदार द्वारा मार्फेनिंग प्राप्त एवं पर्यावरणीय स्वीकृति के अन्ते का पालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु परियोजना प्रस्तावक को उत्थनर विशेषज्ञ नियुक्त होगा।

10. ऐत सत्त्वानन प्रारंभ करने के पूर्व उपरीलानुसार निर्दिष्ट शिल बिन्दुओं पर नदी में ऐत की सतह के साथी (Leveling) का सर्व कार उसके आकड़े तत्काल एसईआईए.ए. उपरीसागढ़ को प्रस्तुत किया जाये। पोर्ट-गानसून (प्रकटूर/नवम्बर गढ़) में ऐत सत्त्वानन प्रारंभ करने के पूर्व इन्ही शिल बिन्दुओं में माझीगंग लोध छोड़ तथा हीज छोड़ के अपरस्ट्रीम एवं गानसरस्ट्रीम में 100 मीटर तक तथा सत्त्वानन लोध के बाहर / नदी तट (टीनों ओर) से 100 मीटर तक के बीच में जटी सतह के साथी (Leveling) का सर्व पूर्व निर्दिष्ट शिल बिन्दुओं पर किया जायेगा। इसी प्रकार ऐत सत्त्वानन सपरात गानसून के पूर्व (यह माह के अंतिम सप्ताह/जून के प्रथम सप्ताह) इन्ही शिल बिन्दुओं पर ऐत सतह के लेवल्स (Leveles) यम नापन किया जाएगा। ऐत सतह के पूर्व निर्दिष्ट शिल बिन्दुओं पर ऐत सतह के लेवल्स (Leveles) का नापन का कार्य आगामी 5 वर्ष तक नियंत्र किया जाएगा। डी-गानसून के आकड़े अगस्त 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 एवं पोर्ट-गानसून के आकड़े दिसम्बर 2024, 2025, 2026, 2027, 2028, 2029 तक उपरीसागढ़ राय से एसईआईएए-उपरीसागढ़ को प्रस्तुत किए जायेंगे।
11. ऐत की खुदाई एवं भराई अनियों हात (Manually) की जाएगी। इस प्रयोजन के लिये किसी उपकरण संग्रह (Machinery) आदि का उपयोग नहीं किया जाएगा। लियर बैक में भारी बाहनी लैंसे— लैंसीबी बैक, पोकारेन्ट, लोडर, ऐनलाइफ्टर मशीन, हर्डेक आदि का प्रयोग प्रतिक्रिया रहेगा। लोज छोड़ में विधि ऐत सुदाई बहड़े (Excavation pits) की लैंडिंग घटाई तक ऐत का परिवहन ट्रैक्टर ट्रॉली हात किया जाएगा।
12. ऐत का उत्तरानन कैवल नियंत्र, सीमित एवं घोषित छोड़ में ही किया जाएगा। ऐत उत्तरानन की असियातम गहराई सतह से 1.5 मीटर तथा बहाव जल रेत की ऊपरी सतह से 1 मीटर छोड़कर दोनों में ही यो कम ही, तो अधिक नहीं होगी। ऐत का सत्त्वानन किसी भी परिस्थिति में जल सार के नीचे नहीं किया जाएगा। न्यूनतम 2 मीटर बोटाई तक की ऐत नदी तल (हर्डी टीक) के काफ़र छोड़ का आवश्यक है।
13. ऐत उत्तरानन नदी तटी से जल से जल 7.5 मीटर अलग नदी की खीड़ाई की 10 प्रतिशत की दूरी तक भी अधिक हो स्थूलता ही किया जाएगा, ताकि नदी तटी का काला न हो। किसी भी खुलिया, स्टापहैम, बॉर, एनीकट, जल प्रदात्य व्यवस्था एवं अन्य स्थानी सरकारी द्वारा उत्तरानन के अपरस्ट्रीम में न्यूनतम 500 मीटर तथा गानसरस्ट्रीम में न्यूनतम 250 मीटर सुरक्षित छोड़ छोड़ा जाना अनिवार्य है।
14. यह सुनिश्चित किया जाए कि ऐत उत्तरानन के नापण नदी जल का बैग, टर्बिनी एवं जल बहाव के स्थान पर कोई विषयीत प्रभाव न पहुँचे। नदी के स्थानी बहाव (Free flow of river) की प्रतिक्रिया नहीं किया जाएगा।
15. यह सुनिश्चित किया जाए कि उत्तरानन कैवल उसी छोड़ में किया जाए पिछमे तथा जिसके आस-पास की छोड़ पर कोई भी धीर-जन्म प्रजनन उत्तु निर्भर न हो। कछुओं के प्रजनन हड्डाईयों / छोड़ी का सामाजिक आवश्यक है, अतः इन छोड़ों की आस पास ऐत उत्तरानन नहीं किया जाए।
16. ऐत उत्तरानन एवं भराई / परिवहन दिन के समय (सूर्योदय और सूर्योस्त के बीच) ही किया जाए। यह कार्य ताजि के समय नहीं किया जाए। ताजि में उत्तरानन करना यही जारी की विधि में अधिक उत्तरानन गाना जाएगा तथा परियोजना प्रस्तावक की विकल्प नियमानुसार कराई जाएगी। पर्यावरणीय रक्षाकृति नियम भी की जा सकती है।

17. परिवोजना प्रकाशक द्वारा ऐति उत्तरानन विभिन्न प्रभागी यथा लौहिंग / जनलौहिंग आदि से उत्पन्न होने वाले चालूजिटिय बस्ट उत्सर्जन के विवेत्रम हेतु उपयुक्त वायु प्रदूषण नियंत्रण योगस्थाएँ जैसे जल छिकाया अथवा अन्य उपयुक्त व्यवस्था की जाए। ऐति उत्तरानन क्षेत्र में परिवेशीय यांत्र जैसे गुणवत्ता याता साधारण पर्यावरण, यथा और जल वायु परिवर्तन, गत्तालय, नहू विल्सी द्वारा अधिसूचित मानकों से अलग नहीं होनी चाहिए।
18. ऐति यथा परिवहन तात्परतिन अथवा अन्य उपयुक्त माध्यम से इके हुए बाहन से किया जाए, ताकि ऐति बाहन से यात्र नहीं गिरे। खनिज का परिवहन कम रहे बाहनी को बास्ता से अलग नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
19. परवानगा द्वेष में व्यक्ति प्रदूषण न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।
20. प्राथमिकता की आधार पर साधार प्रबंधन द्वारा वर्ष 2024-25 में नदीतट के बाटाव को दोकने हेतु लौज क्षेत्र के जनुसार जर्जुन, जामुन, बह, धीम, नीच, कर्ण, शीम, आम, डुमली, सीरस आदि अन्य रसानीय प्रजातियों के कुल 1,500 नग पौधों का रोपण नहीं हट पर रोपित किया जाए। रोपण को सुरक्षित रखने के लिये उपयुक्त एवं पर्याप्त व्यवस्था (यथा काटेवार तार की बाक का संवर्धन) किया जाए। 5 फीट से 6 फीट ऊंचाई वाले पौधों का ही रोपण किया जाए। उपरोक्त बृक्षारोपण व्यवस्था में पूर्ण किया जाए। रोपित पौधों की सुख्ता एवं रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्षी तक करने का सततरायित विवरण द्वारा दर्शाया जाना चाहिए। रोपित पौधों की सुख्ता एवं रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्षी तक करने का सततरायित परिवोजना प्रकाशक का रखना।
21. रोपित किये जाने वाले पौधों में संख्याक्रम (Numbering) एवं पौधों के नाम का सहनेव करते हुये फोटोयाप्स सहित जानकारी अधिकारिक रिपोर्ट के साथ जमा करें। ऐसा नहीं करने पर पर्यावरण इकीकृत नियम की जा सकेगी।
22. बृक्षारोपण का रक्ष-रक्षाव आगामी 5 वर्षी तक सुनिश्चित करते हुये मृत पौधों की प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए।
23. किये गये बृक्षारोपण की जुड़ी हेतु जी.पी.एस. (Differential Global Positioning System) सर्वे एवं फोटोयाप्स क्षेत्रावधि रिपोर्ट में समाहित करते हुये छत्तीसगढ़ पर्यावरण संश्ळेषण नक्कल एवं एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ को प्रेसित किया जाए।
24. बी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर काम पर्यावरण प्रबंधन योजना की अंतर्गत किया जाए—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
			Following activities at, Village- Pansada	
25.81	2%	0.5162	Plantation around Pond	0.543
			Total	0.543

25. सीईआर के तहत निर्माणित कार्रवाई ०६ जाह में अनिवार्य संघर्ष से पूर्ण किया जाए। सीईआर के उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण संपूर्ण संबंधित साम पंचायत से कार्रवाई प्रतिवेदन प्राप्त कर अविवार्यिक रिपोर्ट में समालित करते हुये प्रस्तुत किया जाए। साथ ही जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आये, तब उन्हें खदान/उद्धोग/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सीईआर के तहत आपके द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य संघर्ष से जबाना आपकी किम्बेदारी होगी।
26. सीईआर के अंतर्गत तालाब के चारों ओर दृक्कारीपण (ओम, कट्टडल, जानुन आदि) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार खुल २३ नग पीठी के लिए राशि २,३०० रुपये, फीसिंग के लिए राशि ३,४५० रुपये, खाद के लिए राशि १,७२५ रुपये एवं सिंचाई तथा रस-रखाद आदि के लिए राशि १२,००० रुपये हुस प्रबाद प्रश्न तर्फे ने खुल राशि १९,४७५ रुपये तथा जागाई ५ वर्ष में खुल राशि ३५,००० रुपये हेतु घटकावल व्यवहार का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावका द्वारा साम प्रस्ताव के अंतर्गत तालाब पर दृक्कारीपण (खाता अमर्तक ३२४, शेअफल ०.९६७ हेक्टेयर) के संकेत में प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कार्य पूरी करें।
27. सीईआर एवं दृक्कारीपण कार्यों के नीनिटिंग एवं पर्सीय राखियाँ (प्रोप्राइटर/प्रतिनिधि, छात्र पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण संलग्न मण्डल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही सीईआर एवं दृक्कारीपण वर्ष कार्य पूर्ण किये जाने के उपरांत निर्माण त्रिपायित कराया जाए।
28. जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आये तब उन्हें खदान/उद्धोग/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सीईआर के तहत आपको द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य संघर्ष से कराना आपकी किम्बेदारी होगी।
29. परियोजना प्रस्तावका द्वारा सीईआर के तहत प्रस्तावित कार्य करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय वर्दीकृति को निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।
30. परियोजना प्रस्तावका संबंधित केन्द्र/संघ राजन के लियाँ, मण्डली एवं अन्य संस्थानों से ऐत उत्तरानन अनुरूप करने के पूर्व जायश्वर तभी अनुमतियाँ प्राप्त करेगा। परियोजना प्रस्तावका द्वारा जल एवं जाय प्रदूषण नियन्त्रण तथा पर्यावरण संलग्न हेतु समय-समय पर केन्द्र/संघ राजकर, केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड/छत्तीसगढ़ पर्यावरण संलग्न मण्डल द्वारा जारी निर्देशी/भार्गदर्शिका का कार्रवाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
31. छत्तीसगढ़ नीय राजित नियम, २०१५, साम्य जातन द्वारा पैत उत्तरानन हेतु जारी अधिसूचना दिनीक २/३/२००६ के द्वावधानी/हाती एवं उद्दनुसार जारी दिल निरेशी, अनुसूचित उत्तरानन जोडना एवं पर्यावरणीय प्रबोधन योजना का कार्रवाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।
32. कार्य कथल पर छादि केन्द्रिय अग्रिक कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसी अग्रिको के आपात की उचित व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। आवासीय व्यवस्था अवधारी संरक्षनको तौ स्थ में हो सकती है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात हटाया जा सकते।
33. अग्रिको के लिए उत्तरानन कथल पर उच्च फैक्टर विनियानीय सुविधा, मौजाइल टायलेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए। साथ ही नदी में

मह मुख विश्वविद्यालय, भारतीय सामाजिक कार्यक्रम का नियन्त्रण प्रतिबंधित रहेगा। यदी एवं यदी यसकी स्वतंत्रता का ध्यान रखा जावे।

34. अधिकारी या सामाजिक सम्बन्ध या आवासप्रश्नम संबंध संविधान कराया जाए।
35. सरकारने तो राजनीति, कार्य क्षेत्र एवं अनुसंधान संस्थानों के अनुसूची सारिक योजना में किसी भी प्रकार का विवरण एसईआईएए, छातीसगढ़ / भारत सरकार, पर्यावरण, कला और जलवायु परिवर्तन संचालन, नई दिल्ली की पूर्व अनुसूची के बिना नहीं किया जाए।
36. इस पर्यावरणीय स्वीकृति की जारी करने का आत्म विस्तृत अध्ययन सम्बलित पर अधिकार दशाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्वीकृति विस्तृत नियंत्रित को नुकसान पहुंचाने अथवा उत्क्रियता अधिकारों के अतिक्रम अध्ययन केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय कानूनों / विधियों के सत्त्वर्थन हेतु अधिकृत करता है।
37. एसईआईएए, छातीसगढ़ पर्यावरण संस्थान की दृष्टि से, परियोजना की स्वप्रत्यक्ष में परिवर्तन अध्ययन विभिन्निक्षण शर्तों के संतोषप्रद रूप से पालन न रखने की दशा में किसी भी शर्त में संशोधन / नियन्त्रण करने अथवा नई शर्त जोड़ने अथवा उत्सर्जन / नियन्त्रण के बानहों को और राज्य करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
38. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 2 स्थानीय समाचार पत्रों में, जो कि परियोजना क्षेत्र के आस-पास व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने के 7 दिनों के बीतर इस आत्म योग्यता की सूचना प्रसारित करेगा कि परियोजना को सार्वतं पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्वीकृति पत्र की प्रतिक्री ऋणव्यक्त शर्ती सहित संविधालय, छातीसगढ़ पर्यावरण संस्थान भृष्णु में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। साथ ही इसका अग्रसरोकरन भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन संचालन, नई दिल्ली एवं एसईआईएए, छातीसगढ़ की वेबसाइट pariveshi.nic.in पर भी किया जा सकता है।
39. पर्यावरणीय स्वीकृति वे दी गई शर्तों के पालन हेतु की गई कार्यकारी की अर्थ वार्षिक विपोरी छातीसगढ़ पर्यावरण संस्थान भृष्णु, नवा रायपुर अटल नगर, बिज्जत-रायपुर, कोकीलीय कार्यालय, छातीसगढ़ पर्यावरण संस्थान भृष्णु, रायपुर, एसईआईएए, छातीसगढ़ एवं एकीकृत कोकीलीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन संचालन, नवा रायपुर अटल नगर को विभिन्न किम्बा जाए। एकीकृत कोकीलीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन संचालन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति वे इदला शर्तों के पालन की मानिटरिंग की जाएंगी।
40. एसईआईएए, छातीसगढ़, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन संचालन, नई दिल्ली/एकीकृत कोकीलीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन संचालन, नवा रायपुर अटल नगर/कोकीलीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छातीसगढ़ पर्यावरण संस्थान भृष्णु के वैधानिकों/अधिकारियों की शर्तों की अनुपालन को संकेत में जी जाने वाली मानिटरिंग हेतु पूरी सहयोग प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विभिन्न शर्तों का अनुपालन करना नहीं पाये जाने पर वर्यावरणीय स्वीकृति नियन्त्रण की जा सकेगी।
41. परियोजना प्रस्तावक प्रस्तावक छातीसगढ़ पर्यावरण संस्थान भृष्णु एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई शर्तों का अनियन्त्रय रूप से पालन करेगा। ये शर्त जल (प्रदूषण नियान्त्रण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 कानू (प्रदूषण नियान्त्रण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संचालन) अधिनियम, 1986 तथा इनके तहत बनाये गये नियमों

परिसंकरण अधिकारी (प्रधान सचिव एवं लोगोपाल सचिव) नियम, 2008 (कला शास्त्रीयता) तथा होक दायित्व कीमा अधिनियम, 1991 (कला शास्त्रीयता) के अधीन विभिन्न बीजी जा सकती है।

42. प्रस्तावित परियोजना के बारे में एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ में प्रस्तुत विचार में कोई भी विवाद अधिक परिवर्तन होने की दस्ता में एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ को पुनः नवीन जागराती सहित सुचित लिया जाए ताकि एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ इस पर विचार कर जाती भी चयनकालात् अधिक नवीन जागराती विभिन्न कामों वापत निर्णय ले सके। यद्युपन में कोई भी विस्तार अधिक उन्नापन एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ / भास्ता साकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मञ्चालय, कई विषयों की पूरी अनुभावों के बिना नहीं किया जाए।
43. उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान अम्बल पर्यावरणीय स्थीरता की प्रति को लगके केन्द्रीय कार्यालय, जिला-जापार एवं ज़िलों कोम्ह एवं कलेक्टर/लाहसीलदार कार्यालय में 30 दिवस की अवधि के लिए प्रदर्शित करें।
44. पर्यावरणीय स्थीरता के विषय अपील मेंसनल ग्रीन ट्रीब्यूनल के समक्ष, नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल एडट 2010 की घासा 16 में दिए गए प्राक्षयानी अनुसार, 30 दिन की समय अवधि में भी या सकती है।

भास्ता भविष्य, एस.ई.ए.सी.

विवर, एस.ई.ए.सी.

मेसरी टिकनपाल लाईंग कटोन चारी (जो- श्री करण मानुषाली) को ग्राम पालन कार्यक 263/1, 279/1, 279/2, 279/3 एवं 280/1, कुल लौज लोज 4.44 हेक्टेयर, पाप-टिकनपाल, तहसील ब ज़िला-बलराम ये चूना पत्थर (शीर्ष स्थिति) उत्तराखण्ड - 1,07,100 टन प्रतिवर्ष हेतु वर्धीवरणीय स्थीकृति में दी जाने वाली जाते

वह पर्यावरणीय स्थीकृति नियन्त्रिति जाती के लाइन दी जा रही है। अतः इन जाती को बहुत ध्यान से पढ़ा जावे तथा कम्हाई से ग्राम पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. वह पर्यावरणीय स्थीकृति अधिकातम उत्तराखण्ड क्षेत्रफल (लौज लोज) 4.44 हेक्टेयर ज्ञाया उत्तीर्णगढ़ ग्रामपाल खनिज आसन निभाग हावे स्थीकृत लौज लोज (दोनों में से जो कम हो) हेतु जाना होगा। इसी प्रकार सदान से चूना पत्थर का अधिकातम उत्तराखण्ड 1,07,100 टन प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा। लौज लोज की शीमाओं का सीमांकन करकर पकड़े गुनारे लगाया जाए।
2. पर्यावरणीय स्थीकृति की वैधता भारत सरकार की पर्यावरण बन और जलवाय परिवर्तन नियामन द्वारा जारी हुआईए. नीटिकोर्पन 2006 (या संशोधित) की आवायानी के सहरु रहेगी।
3. परियोजना प्रस्तावक सुना लौज लोज के गुरुत्व प्रवेश हावे पर सूखना पटल (लौज घारक तह नाम, लदान का क्षेत्रफल छाँका एवं दैत्यांतर सहित, उत्तराखण्ड की नामा, स्थीकृति अधिक) लगाया जाए।
4. बलरटर हेतु प्रत्युत कीमन हृच्छायरोडेटर गेनेजेटर प्लान के अनुसार गुरुत्वान्वय एवं परिवर्तन सदृशी एवं लदान से परिवहन साक्षक एक पहुंच मार्गों के संकारण तथा कार्य 6 नाह में पूर्ण किया जाए।
5. बलरटर हेतु तेजार हुआईए. रिपोर्ट गे जिन स्थलों पर नीटिकोर्पन कर्तव्य किया गया है। सकल स्थलों पर प्रतिनाम नीटिकोर्पन नाम (गांगु, जल तथा निदर्ती) किया जाए। नीटिकोर्पन रिपोर्ट उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संक्षापन मण्डल, अटल नगर, लोटीव उत्तराखण्ड उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संक्षापन मण्डल, जगदलपुर, एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ एवं एसीकृत श्रीवीष कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण बन एवं जलवाय परिवर्तन मण्डलय, नाम रायपुर अटल नगर की अधिकारीय (Half yearly Monitoring Report) प्रेषित की जाए।
6. मानवीय एन.जी.टी. के अदेश दिनांक 26/02/2021 के अनुसार पटटेवार द्वारा माईनिंग प्लान एवं पर्यावरणीय स्थीकृति के लाली का फालन सुनिश्चित बनाये जाने हेतु परियोजना प्रस्तावक को पर्यावरण विभाग नियुक्त करना है।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लदान से उत्पन्न जल एवं घोरलू दूषित जल (जोड़ी होई हो), तो सुपरवार की संचित एवं पर्याप्त व्यवस्था की जाए।
8. औद्योगिक प्रक्रिया एवं लदान से उत्पन्न किसी भी प्रकार से दूषित जल को किसी नहीं अध्याता सही जल स्त्रोतों में जिसी भी पर्यावरणीय नियस्तानित नहीं किया जाए। अधिकृत हेतु प्रक्रिया में अध्या झुकासान्वय हेतु पुनःउपयोग किया जाए। घोरलू दूषित जल के उत्पादन की लिए संयुक्त टैक एवं सोकफीट की व्यवस्था की जाए एवं जल को किसी नहीं अध्या सही जल स्त्रोतों में किसी भी पर्यावरणीय नियस्तानित नहीं किया जाए। दूषित जल एवं वर्षांड्यु जल जल आपल में ज खिलने देने हेतु भी व्यवस्था की जाए। उपर्याप्त दूषित जल की गुणवत्ता भारत सरकार, पर्यावरण, बन

और जलवायु बदलावन, मक्कलय, नह दिल्ली का अधिसूचित नामक अस्त्रा प्रतिरक्षण वर्षावरण संलग्न गंडल द्वारा अधिसूचित नामक (जो भी कठोर हो) के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

9. यानि पट्टा धरक साथ संचालन बंद करने के उपरांत (after ceasing mining operations) खनन को एक विषी भी अन्य कोश यों कि उनकी खनन विधियों के कारण प्रभावित (disturbed due to their mining activities) होते हैं, उनकी री-ग्रासिं (re-grassing) की जाएगी एवं भूमि का पुनर्व्याप्ता इस लिये तक किया जाएगा, जिससे यह खनन बनावलीयों, जीवों आदि के लकड़ियों हेतु उपयुक्त हो। परियोजना प्रस्तावक द्वारा सहम प्राधिकारी से अनुमोदित गाड़ीन बलोंजर प्लान एक बाहु के भीतर प्रत्युत किया जाए।
10. भू-जल के उपरोक्त हेतु कोन्ट्रीव भू-जल बोर्ड से उत्खनन आरंभ करने की पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए। साथ ही अन्य स्तरों से जल वा उपरोक्त जिसे जाने वी सिद्धि में संबंधित विभाग से उत्खनन आरंभ करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए।
11. विषी विमनी / बैट / बाईट फोर्स की गार्ड-कूलेट बैटर उत्खनन की भाँति 50 मिलीमीटर / बहान्य घनमीटर से कम सुनिश्चित किया जाए। इसके उत्खनन, ट्रॉलफर प्लॉइट्स (जोड़े कोई हो) में यायु प्रदूषण विवरण हेतु डर्ट एक्सट्रॉक्शन विस्टम के साथ उच्च दक्षता का बैट विल्टर प्राप्ति किया जाए। छागिया उत्खनन विधियों के विभिन्न स्त्रीलों से उत्खनन प्लॉइटिंग डर्ट उत्खनन का नियंत्रण प्रभावी एवं नियन्त्रित रूप से किया जाए। पहुंच गार्ड, रैप, साप्रहण क्लैव, खलई एवं अन्य डर्ट उत्खनन विन्डुओं डर्ट कॉटेनर्स कम साप्रहण विस्टम एवं जल विरुद्धकारी की व्यवस्था की जाकर दृसका सात् संचालन / संचारण सुनिश्चित किया जाए। विष्व हेलिकोप्टर वीज का नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए।
12. वाहनी, सुनन एवं अन्य प्रक्रिया वा उत्खनन वायु प्रदूषण की पर्यावरण संख्या अधिनियम, 1986 एवं वायु (प्रदूषण नियंत्रण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1981 के तहत विनियोग कानूनों के अनुसार कर्ता जाएगा। उत्खनन क्षेत्र में परियोगीय वायु की मुख्यता भासा सारकार की पर्यावरण बन और जल वायु परिवर्तन भंजालय, नह दिल्ली द्वारा अधिसूचित नामकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उदान के बारी तरक कोरिंग का जरूर जिसे जाने के उपरांत ही उत्खनन वायु प्रारंभ किया जाए।
14. लीज क्लैव के बारी तरक छोड़ी गई 7.5 मीटर की बीड़ी पट्टी में कोई ऐसा क्षेत्र / मण्डारण नहीं किया जाए तथा इस पट्टी से ऊपरीयण किया जाए। ऐसा करना नहीं याद जाने पर पर्यावरणीय स्थीरता किसी भी समय तत्काल प्रभाव से निरहु जी जा सकेगी।
15. उत्खनन प्रक्रिया के दीर्घ फैलाई गई तुफी विट्टी (ट्रॉप सॉर्फ़िल) का उपरोक्त उत्खनन हेतु उपरोक्त में न जाने वाली भूमि के पूर्व उद्धार हेतु अथवा बाहरी ओवरहॉर्न को लिये (ट्रॉपिलाईव) करने में किया जाए।
16. ऊपरी विट्टी को लीज क्लैव की बाहर प्रस्ताव अनुसार नियांसित स्थान पर नियांसित बन संरक्षित रखा जाए। विट्टी का दुरुपयोग, विकाय एवं अन्य कार्यों में उपरोक्त नहीं किया जाए। इस विट्टी का उपरोक्त उदान के पुनर्जनन के लिए किया जाए।
17. ओवरहॉर्न एवं अनुपयोगी / विषी अधोग्य खनिया (डर्ट रीक) को पूर्ण से पूर्व से विनियोग तथा पर मन्दारण किया जाएगा। इस प्रकार की मण्डारण तथा जीवित प्रकार से सुरक्षित रखे जाएं ताकि अप्पारिश प्रदार्थ आस-पास की भूमि पर

प्रियंका प्रभाव न माल रहती। इन्हें की जैसाहि 3 गीटर एवं स्टोप 25 दिनों से अधिक न हो। औपरबढ़ने वायर का कारण कोवाने हेतु रिहायिक लंबीके से कुआंतोपय किया जाए।

18. यहाँ तक समय हो औपरबढ़न एवं उच्च अनुपयोगी / विश्वी अद्योग खनिज (विल्ट रौक) को खनन के पश्चात बने गद्दी में पुनर्वरण (विक फिलिंग) हेतु उपयोग किया जाए। ताकि भूमि का कुल उपयोग अवधि विलिंग वैकल्पिक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि खनन प्रक्रिया से उत्पन्न रिल्ट लीज लीज को आस-पास के साथी जल स्रोतों में प्रवाहित न हो। इसी रीकामे हेतु महान फीट लंबा छाप लीज में रिटेनिंग बैल / बारलेण्ड फ्लैट की व्यवस्था की जाए।
20. खनिज का परिवहन काही बाहर से किया जाए। ताकि खनिज बाहर से बाहर नहीं निर। खनिज का परिवहन कर रहे बाहरी बोकारो से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
21. कीमन इन्हायरोमेट्टल मेनेजमेंट प्लान ने परियोजना प्रस्तावक नी लहरागिरा हेतु प्रस्तावित कार्य 5 वर्ष के लिए राशि 70,35,795 रुपये के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार बताये गये गये।
22. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर कार्य पर्यावरण प्रबंधन योजना के अनुरूप किया जाए—

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
Following activities at nearby Village-Tikampal				
31	2%	0.62	Pavitra Van Nirman	2,908
			Total	2,908

23. सीईआर को तहाँ नियांनित कार्यालयी 06 माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। सीईआर को उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण उपस्थित सबधित द्वारा प्रवाहित से कार्यपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर अर्थात् रिपोर्ट में समाप्तिकरण हुये प्रस्तुत किया जाए। सीईआर कार्यों की सफलता सुनिश्चित करना आवश्यक उत्तरवादीयत होगा। कुआंतोपय अत्याफल होने पर पर्यावरण कीकृति निरस्त की जायेगी।
24. सीईआर को अनुरूप 'परिवर्त बन निर्माण' के तहन (जीवला, बड़ा, पीपल, नीम, आम, अर्जुन, बेल आदि) पुष्टारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 200 नग गैलों के लिए राशि 4,000 रुपये, फिल्सिंग की लिए राशि 40,000 रुपये, खाद के लिए राशि 1,000 रुपये, नियांनित रखा रखा-रखाप ऊदि के लिए राशि 53,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम तरी में कुल राशि 95,000 रुपये रखा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,92,000 रुपये हेतु घटकवार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा द्वारा प्रवाहित टिक्कनपाल के सहगत उपर्युक्त व्यवायोग्य स्थान (खाली) क्रमांक 28

सीमनल 3.14 हेक्टेयर में भी 0.4 हेक्टेयर) के संकेत में प्रस्तुत प्रस्तावक अनुसार कार्य पूर्ण करें।

25. श्रीड्वारा, कोगन इन्डियालोगोटेल मैनेजमेंट प्लान, कोगन इन्डियालोगोटेल मैनेजमेंट प्लान में परिवोजना प्रस्तावक की सहभागिता, सहकारी के रख-रखाव एवं कृषारोपण कार्य के भीमेट्रिंग द्वारा परिवेशम हेतु कि-पक्षीय समिति (प्रोफेशनल/प्रतिनिधि, साम पौधायत की पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचाय नगरकाल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाए। साथ ही श्रीड्वारा, कोगन इन्डियालोगोटेल मैनेजमेंट प्लान, कोगन इन्डियालोगोटेल मैनेजमेंट प्लान में परिवोजना प्रस्तावक की सहभागिता, सहकारी के रख-रखाव एवं कृषारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के संपर्कत गठित कि-पक्षीय समिति से सत्प्रतिपत्ति कालगत जाए।
26. यह भी निरीक्षण यत्न/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आये तब उन्होंने स्थान/लहोग/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ श्रीड्वारा के तहत आएके द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनियाय संघ से कराना आवश्यक जिम्मेदारी होगी।
27. सरकारने हेतु निर्धित क्षेत्र (याती तरफ 7.5 मीटर चौड़ा क्षेत्र), हील बोर्ड, और वर्षावर्ष इम्प आदि ने रखानीय प्रजाति के 1,300 नग कृषी का साधन कृषारोपण प्रथम एवं ने किया जाए। हरित पट्टी का विकास केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की मानीदारीका के अनुसार किया जाए।
28. प्राप्तिकारों के आवार पर स्थान प्रबन्धन द्वारा वर्ष 2024-25 में कम से कम 200 नग प्रति हेक्टेयर लौज क्षेत्र के अनुसार वह, फीफल, नीम, करंज, बीसु, आदि, दुगली, अर्जुन, सीसस आदि अन्य स्वास्थीय प्रजातियों के 900 नग बीचों का सेवन (कुल 2,200 नग बीचों) स्थान के खुले क्षेत्र में किया जाए। रोपण को सुरक्षित रखने के लिये सुधारुक्त एवं पश्चाप्त अवस्था (व्या कटिदार तार के बाहर अथवा टी बाहर का उपयोग) किया जाए। स्थान सुधारुक्त नहीं होने की दशा में संवित धान पौधायत द्वारा दिनहीन क्षेत्र में उपरोक्तानुसार कृषारोपण किया जाए। सुधारुक्त कृषारोपण प्रथम वर्ष में पूर्ण किया जाए एवं शेष 4 वर्ष तक रख-रखाव किया जाए। 5 फीट से 6 फीट लंबाई गाले बीचों का ही रोपण किया जाए। कृषारोपण नहीं करने पर जारी पर्यावरणीय रक्षारूपि संसाधन निरक्षा की जा सकती है।
29. रोपित किये जाने वाले बीचों में संख्याकान (Numbering) एवं बीचों के नाम का उल्लेख करते हुये जियोटेग (Geotag) पोटोशास्त्र सहित जानकारी प्लान प्रतिवेदन के साथ कार्यालय में प्रस्तुत करें।
30. गाईनिंग लौज क्षेत्र की अंदर एवं बाहर साधन कृषारोपण किये जाने एवं रोपित बीचों का सरकारी रेट (Survival rate) 30 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कृषारोपण का रख-रखाव आमतौरे 5 वर्ष तक सुनिश्चित करते हुये मृत बीचों की प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए। आपके द्वारा रोपित बीचों की कृषारोपण ज्ञान सक्षम आगवी पूर्ण जिम्मेदारी होगी।
31. किये गये कृषारोपण की पुष्टी हेतु श्रीड्वा. (Differential Global Positioning System) वर्ष एवं फोटोग्राफ्स अंतर्वार्षिक रिपोर्ट में समाप्ति करते हुये अन्तीमगढ़ कार्यवर्तन संस्कार नगरकाल एवं एसईआईएए, छत्तीसगढ़ को प्रेषित किया जाए।
32. परिवोजना प्रस्तावक द्वारा 7.5 मीटर प्रतिवर्षित क्षेत्र में प्रस्तावित कार्य, श्रीड्वारा के तहत प्रस्तावित कार्य एवं लौक सुनवाई में दिये गये आव्यासन के अनुसार कार्य करना, कोगन इन्डियालोगोटेल मैनेजमेंट प्लान में परिवोजना प्रस्तावक की सहभागिता की कार्य करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय रक्षारूपि की निरक्षा करने की कार्यकृती की जाएगी।

33. परियोजना प्रस्तावक द्वारा ज्ञानि प्रदूषण के नियंत्रण हेतु अवधारक उपाय किया जाए। इसमें वह स्तर उत्तर उत्तरानन्म होत्र में दिन के समय 75 DB(A) एवं रात्रि के समय 70 DB(A) से अधिक नहीं होना चाहिए। तीव्र इसमें वाले होते में जलम बहने वाले अग्निकों को ड्रेसरफ्लैश/मार्फ आदि प्रदान किए जाएं एवं समय-समय पर डिफिल्ट्रेशन चौथे एवं आवश्यकता अनुसार बनकर उपचार भी कराया जाए।
34. कंट्रोल लाइसेंस का कार्य हीलीस्मएस द्वारा अधिकृत डिफिल्ट्रेशन लाईसेंस वालक (Explosive License Holder) द्वारा किया जाए प्रबंध के छोटे-छोटे ट्रूफ़ाइंड (प्लाई रीम्स) को उठाने से बीचने हेतु पर्याप्त एवं सहम ब्रावल्या क्रिलिंग किया जाए। ऐट ड्रिलिंग अवधा यायु प्रदूषण नियंत्रण ब्रावल्या आवश्यिता क्रिलिंग किया जाए, जिससे ऊर्ध्व वा ऊर्ध्वाधार नियंत्रण में रहे।
35. उत्तरानन्म प्रक्रिया घू-घूल स्तर की दृष्टि असंतुष्ट प्रभाग में की जाएनी एवं उत्तरानन्म प्रक्रिया घू-घूल स्तर के नीचे किसी भी परिस्थिति में नहीं किया जाए।
36. उत्तरानन्म की प्रक्रिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि बनस्पतियों एवं जीव-जननुकी पर गोई रुपायात न हो। सेंक में पाये जाने वाले घारुमिया बनस्पतियों एवं जीव-जननुकी का बायुमित संत्खाण आपका बायित्व होगा।
37. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जीव जैविय का उत्तरानन्म छलीसागढ गोग राजनिय नियम, 2015 के प्रबंधानी, अनुमोदित उत्तरानन्म योजना एवं पर्यावरणीय प्रबंधन योजना के अनुसार किया जाए। नव्वीन इष्ट 1952 के प्रबंधानी का बाहान किया जाए।
38. कार्य स्थल पर यदि लोमिंग अग्निक लाई एवं लगाई जाते हैं तो ऐसी अग्निकों के आगास एवं सुख्ता हेतु सुनिश्चित ब्रावल्या परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएनी। ब्रावल्यीय ब्रावल्या अवधारी संरक्षणद्वारों को रुप गे हो सकती है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात् हटाया जा सके।
39. अग्निकों की लिए खनन स्थल पर क्षेत्र वैयाजल डिफिल्ट्रेशनीय सुविधा, भौतिक्याल दायलेट आदि की ब्रावल्या परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए।
40. अग्निकों का जाग्य-सामय पर आकृष्टेश्वर इत्य सर्विलेन्स कराना जापश्यका है।
41. उत्तरानन्म की तकनीक, कार्य होत्र एवं अनुमोदित उत्तरानन्म योजना के अनुसार वार्षिक योजना, जिसमें उत्तरानन्म, जैविय तीव्र मात्रा एवं अपशिष्ट सम्मिलित है, में किसी भी प्रकार जा यरिवर्तीन एस.ई.आई.ए.ए. छलीसागढ / पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तीन नंजालय, भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
42. इस पर्यावरणीय स्टीकूटि की जारी करने का अस्त्रय किसी ब्रावल्यात अवधा जाय सम्पत्ति पर अधिकार दशीने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्टीकूटि किसी निवी सम्पत्ति को सुरक्षान्म यूट्रियने अवधा ब्रावल्या अधिकारी के अतिकरण अवधा कोन्ट्र राज्य एवं ज्यानीय कानूनी / विधियों के उल्लंघन हेतु अधिकृत करता है।
43. एस.ई.आई.ए.ए. छलीसागढ पर्यावरण संचालन की दृष्टि से, परियोजना की स्थानेत्र में परिवर्तीन अवधा विभिन्निट रातीं वो संतोषप्रद रुप से पालन न बरने की दशा में किसी भी जारी में संसोधन / निरस्त बरने अवधा नहीं जारी जोड़ने अवधा उत्तरानन्म / निरस्त वी भानवालों की और साथ बरने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
44. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 2 ज्यानीय समाचार पत्रों में, जो कि परियोजना क्षेत्र के आस-पास ज्यापक रुप से प्रस्तावित हो, पर्यावरणीय स्टीकूटि प्राप्त होने के 7 दिनों के भीतर इस ज्याप की सुविधा प्रस्तावित करेगा कि परियोजना को पर्यावरणीय स्टीकूटि प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्टीकूटि पत्र की व्याप्ति स्थिरात्मक

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कारण मण्डल ने अपलोड किया है। जानकारी इसका अपलोड करने वाली आईएए, छत्तीसगढ़ की ऐवेस्ट प्राइवेट paveshnic.in पर भी किया जा सकता है।

45. पर्यावरणीय स्वीकृति में दी गई जाति के पालन हेतु की गई कार्यवाही की अर्थात् वार्षिक रिपोर्ट छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कारण मण्डल, छठल नगर, कोटीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कारण मण्डल, जगदलपुर, एसईआईएए, छत्तीसगढ़ एवं एकीकृत कोटीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, यथा राष्ट्रपुर अटल नगर को प्रेषित किया जाए।
46. एकीकृत कोटीय कार्यालय, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रपुर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में प्रदत्त जाति के पालन की भागितादिव की जाएगी। इस हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों द्वारा आयोजन का पूरी सेट एकीकृत कोटीय कार्यालय, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रपुर को प्रेषित किया जाए।
47. एसईआईएए, छत्तीसगढ़ पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार/एकीकृत कोटीय कार्यालय, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रपुर/कोटीय प्रदूषण विवरण बोर्ड/छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कारण मण्डल के ग्राहनिकों/अधिकारियों को जाति के अनुपालन के संबंध में की जाने वाली भागितादिव हेतु पूरी जाहयोग द्वारा जिया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विभिन्न जाति का अनुपालन करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति नियम की जा सकती है।
48. परियोजना प्रस्तावक छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कारण मण्डल एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई जाति का भागितादी काम की पालन करेगा। ये जाति जल (प्रदूषण विवरण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1974 द्वारा (प्रदूषण विवरण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संस्कारण) अधिनियम, 1986 तथा इनके सहत बनाए गये नियमी, परिसंकटमय और अन्य अवधिकृत (प्रबोध एवं सीमाधार संचालन) नियम, 2016 तथा लोक दायित्व वीगा अधिनियम, 1991 (यथा कानौदित) के अधीन विभिन्न जाति की जा सकती है।
49. प्रस्तावित परियोजना को बारे में एसईआईएए, छत्तीसगढ़ ने प्रस्तुत विवरण में कोई भी विवलन अधिक परिवर्तन होने की वजह से एसईआईएए, छत्तीसगढ़ को पुनः नवीन जलवायाही सहित सूचित किया जाए, ताकि एसईआईएए, छत्तीसगढ़ इस पर विचार कर जाति की उपयुक्तता अधिक नवीन जाति नियिका करने का बहुत मिश्रण ले सके। यादानि ने कोई भी विचार अधिक उन्नयन एसईआईएए, छत्तीसगढ़ / पर्यावरण, जन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पूरी अनुमति को किया नहीं किया जाए।
50. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कारण मण्डल पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रति की जनको कोटीय कार्यालय, जिला-ज्ञायाम एवं उद्योग केन्द्र एवं कलेक्टर/तहसीलदार कार्यालय में 30 दिवस की अवधि के सिलें प्रदर्शित करेगा।
51. पर्यावरणीय स्वीकृति के विस्तृत अधीक्षण नेशनल ट्रीब्यूनल के समक्ष, नेशनल ट्रीन ट्रीब्यूनल एकट 2010 की घास 16 में दिए गए प्राक्कान्ती अनुसार, 30 दिन की समय अवधि में की जा सकती।

लालकर्ण राज्यिक पर्सैफ एस.सी.

Bala
लालकर्ण एसईएसी
10/07/2021

**ENVIRONMENTAL CLEARANCE CONDITIONS FOR EXPANSION OF
MINING OF IRON ORE FROM 2.795 MTPA TO 3.5 MTPA, WASTE- 9.1
MTPA, CRUSHER (3X250 TPH) - 750 TPH BY MIS STEEL AUTHORITY OF
INDIA LIMITED (SAIL) AT VILLAGE- PANDRIDALLI, RAJHARA PAHAR,
JAMRUWA & DALLI FOREST RANGE, TEHSIL- DOUENDI, DISTRICT- BALOD
OVER AN AREA OF 220.42 HECTARES (FOREST LAND- 100.76 HECTARE
AND REVENUE LAND- 119.66 HECTARE).**

This environmental clearance is being given subject to the following conditions. These conditions should be read very carefully and it should be ensured to follow them strictly. This EC is subject to necessary change as per the order of the Hon'ble High Court, Bilaspur in WPC No. 1734 of 2018.

I. Statutory Compliance:

- i. This Environmental Clearance (EC) is subject to orders/ judgment of Hon'ble Supreme Court of India, Hon'ble High Court, Hon'ble NGT and any other Court of Law, Common Cause Conditions as may be applicable.
- ii. This Environmental Clearance (EC) will be affected, when the decision of Hon'ble High Court, Bilaspur WPC 1734 of 2018 comes regarding the violation matter.
- iii. The Project proponent complies with all the statutory requirements and judgement of Hon'ble Supreme Court dated 2nd August, 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in matter of Common Cause versus Union of India & Ors before commencing the mining operations.
- iv. The State Government concerned shall ensure that mining operation shall not be commenced till the entire compensation levied, if any, for illegal mining paid by the Project Proponent through their respective Department of Mining & Geology in strict compliance of Judgement of Hon'ble Supreme Court dated 2nd August, 2017 in Writ Petition (Civil) No. 114 of 2014 in matter of Common Cause versus Union of India & Ors.
- v. This Environmental Clearance shall become operational only after receiving formal NBWL Clearance from MoEF&CC subsequent to the recommendations of the Standing Committee of National Board for Wildlife, if applicable to the Project.
- vi. This Environmental Clearance shall become operational only after receiving formal Forest Clearance (FC) under the provision of Forest Conservation Act, 1980, if applicable to the Project.
- vii. The mining leaseholders shall, after ceasing mining operations, undertake re-grassing the mining area and any other which may have been disturbed due to their mining activities and restore the land to a condition, which is fit for growth of fodder, flora, fauna etc.
- viii. Project Proponent (PP) shall obtain Consent to Operate after grant of EC and effectively implement all the conditions stipulated therein. The mining activity shall not commence prior to obtaining Consent to Establish / Consent to Operate from the concerned State Pollution Control Board/Committee.
- ix. The PP shall adhere to the provision of the Mines Act, 1952, Mines and Mineral (Development & Regulation), Act, 2015 and rules & regulations made there under. PP shall adhere to various circulars issued by Directorate General Mines Safety (DGMS) and Indian Bureau of Mines from time to time.
- x. The Project Proponent shall obtain consents from all the concerned land owners, before start of mining operations, as per the provisions of MMDR Act, 1957 and rules made there under in respect of lands which are not owned by it.

- xl. The Project Proponent shall follow the mitigation measures provided in MoEFC C's Office Memorandum No. Z-11013/57/2014-I.A.II (M), dated 29th October, 2014, titled "Impact of mining activities on Habitats-Issues related to the mining Projects wherein Habitats and villages are the part of mine lease areas or Habitats and villages are surrounded by the mine lease areas".
- xii. The Project Proponent shall obtain necessary prior permission of the competent authorities for drawl of requisite quantity of surface water and from CGWA for withdrawal of ground water for the project.

II. Air Quality Monitoring And Preservation

- i. The Project Proponent shall install a minimum of 3 (three) online Ambient Air Quality Monitoring Stations with 1 (one) in upwind and 2 (two) in downwind direction based on long term climatological data about wind direction such that an angle of 120° is made between the monitoring locations to monitor critical parameters, relevant for mining operations, of air pollution common / criterion parameters relevant to the main pollutant released (e.g. PM10 and PM2.5 in reference to PM emission, and SO₂ and NO_x in reference to SO₂ and NO_x emissions) as per the methodology mentioned in NAAQS Notification No. B-29016/2010/PCB, dated 8.11.2009 covering the aspects of transportation and use of heavy machinery in the impact zone. The ambient air quality shall also be monitored at prominent places like office building, canteen etc. as per the site condition to ascertain the exposure characteristics at specific places. The above data shall be digitally displayed within 03 months in front of the main Gate of the mine site.
- ii. Effective safeguard measures for prevention of dust generation and subsequent suppression (like regular water sprinkling, metalled road construction etc.) shall be carried out in areas prone to air pollution wherein high levels of PM10 and PM2.5 are evident such as haul road, loading and unloading point and transfer points. The Fugitive dust emissions from all sources shall be regularly controlled by installation of required equipments/ machineries and preventive maintenance. Use of suitable water-soluble chemical dust suppressing agents may be explored for better effectiveness of dust control system. It shall be ensured that air pollution level conform to the standards prescribed by the MoEFCC/ Central Pollution Control Board.
- iii. The project proponent shall monitor fugitive emissions in the plant premises at least once in every quarter through labs recognised under Environment (Protection) Act, 1986.
- iv. The project proponent shall submit monthly summary report of continuous stack emission and air quality monitoring and results of manual stack monitoring and manual monitoring of air quality/fugitive emissions to Regional Office of MoEF&CC, Zonal office of CPCB and Regional Office of SPCB along with six-monthly monitoring report.
- v. Appropriate Air Pollution Control (APC) system shall be provided for all the dust generating points including fugitive dust from all vulnerable sources, so as to comply prescribed stack emission and fugitive emission standards.
- vi. Project proponent shall install water sprinkling arrangements of every crusher to control the fugitive emissions.
- vii. As much as possible transportation of iron ore by rail. If transportation of iron ore by road, shall be carried out by leak proof trucks/dumpers cover them with tarpaulin. Effective control measures such as regular water sprinkling/hail gun/ Fog cannon /mist sprinkling etc., shall be carried out in critical areas prone to air pollution with higher level of particulate matter all through the transport roads, loading/unloading and transfer points. Fugitive dust emissions from all sources shall be controlled regularly. It shall be ensured that the

- ambient air quality parameters conform to the norms prescribed by the Central/State Pollution Control Board.
- viii. Wind shelter fence and chemical spraying shall be provided on the raw material stock piles.
- ix. Design the ventilation system for adequate air changes as per ACGIH document for all tunnels, motor houses, Oil Cellars.

III. Water Quality Monitoring and Preservation

- i. In case, immediate mining scheme envisages intersection of ground water table, then Environmental Clearance shall become operational only after receiving formal clearance from CGWA. In case, mining operation involves intersection of ground water table at a later stage, then PP shall ensure that prior approval from CGWA and MoEFCC is in place before such mining operations. The permission for intersection of ground water table shall essentially be based on detailed hydro-geological study of the area.
- ii. Regular monitoring of the flow rate of the springs and perennial nullahs flowing in and around the mine lease shall be carried out and records maintain. The natural water bodies and or streams which are flowing in and around the village, should not be disturbed. The Water Table should be nurtured so as not to go down below the pre-mining period. In case of any water scarcity in the area, the Project Proponent has to provide water to the villagers for their use. A provision for regular monitoring of water table in open dug well located in village should be incorporated to ascertain the impact of mining over ground water table. The Report on changes in Ground water level and quality shall be submitted on six-monthly basis to the Regional Office of the Ministry, CGWA and State Groundwater Department / State Pollution Control Board.
- iii. The Project Proponent shall regularly monitor and maintain records w.r.t. ground water level and quality in and around the mine lease by establishing a network of existing wells as well as new piezo-meter installations during the mining operation in consultation with Central Ground Water Authority/ State Ground Water Department. The Report on changes in Ground water level and quality shall be submitted on six-monthly basis to the Regional Office of the Ministry, CGWA and State Groundwater Department / State Pollution Control Board.
- iv. The Project Proponent shall undertake regular monitoring of natural water course/ water resources/ springs and perennial nullahs existing/ flowing in and around the mine lease and maintain its records. The project proponent shall undertake regular monitoring of water quality upstream and downstream of water bodies passing within and nearby/ adjacent to the mine lease and maintain its records. Sufficient number of gullies shall be provided at appropriate places within the lease for management of water. PP shall carryout regular monitoring w.r.t. pH and included the same in monitoring plan. The parameters to be monitored shall include their water quality vis-a-vis suitability for usage as per CPCB criteria and flow rate. It shall be ensured that no obstruction and/ or alteration be made to water bodies during mining operations without justification and prior approval of MoEFCC. The monitoring of water courses/ bodies existing in lease area shall be carried out four times in a year viz. pre-monsoon (April-May), monsoon (August), post-monsoon (November) and winter (January) and the record of monitored data may be sent regularly to Ministry of Environment, Forest and Climate Change and its Regional Office, Central Ground Water Authority and Regional Director, Central Ground Water Board, State Pollution Control Board and Central Pollution Control Board. Clearly showing the trend analysis on six-monthly basis.

- v. Quality of polluted water generated from mining operations which include Chemical Oxygen Demand (COD) in mines run-off; acid mine drainage and metal contamination in runoff shall be monitored along with Total Suspended Solids (TSS). Dissolved Oxygen (DO), pH and Total Suspended Solids (TSS). The monitored data shall be uploaded on the website of the company as well as displayed at the project site in public domain, on a display board, at a suitable location near the main gate of the Company. The circular No. I-20012/I/2006-IA.II (M) dated 27.05.2009 issued by Ministry of Environment, Forest and Climate Change may also be referred in this regard.
- vi. The Project Proponent shall plan, develop and implement rainwater long term basis to augment ground water resources in the area in consultation with Central Ground Water Board/ State Groundwater Department. A report on amount of water recharged needs to be submitted to Regional Office MoEF&CC annually.
- vii. Industrial waste water (workshop and waste water from the mine) should be properly collected and treated so as to conform to the notified standards prescribed from time to time. The standards shall be prescribed through Consent to Operate (CTO) issued by concerned State Pollution Control Board (SPCB). The workshop effluent shall be treated after its initial passage through Oil and grease trap.
- viii. The water balance/water auditing shall be carried out and measure for reducing the consumption of water shall be taken up and reported to the Regional Office of the MoEF&CC and State Pollution Control Board/Committee.
- ix. The project proponent shall provide the slime disposal facility with impervious lining and collection wells for seepage. The water collected from the slime pond shall be treated and recycled.
- x. The project proponent shall provide adequate facility for proper treatment of industrial effluent and domestic effluent. Sewage Treatment arrangement shall be provided for treatment of domestic effluent to meet the prescribed standards. Project proponent shall ensure the treated effluent quality within standard prescribed in Environment (Protection) Rules 1986 And connected to SPCB and CPCB online servers and calibrate these system from time to time according to equipment supplier specification through labs recognized under Environment (Protection) Act, 1986 or NABL accredited laboratories.
- xi. The project proponent shall monitor regularly ground water quality at least twice a year (pre and post monsoon) at sufficient numbers of piezometers / sampling wells in the plant and adjacent areas through labs recognized under Environment (Protection) Act, 1986 and NABL accredited laboratories.
- xii. The project proponent shall submit monthly summary report of effluent monitoring and results of manual effluent testing and manual monitoring of ground water quality to Regional Office of Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur, Zonal office of CPCB and Regional Office of Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) along with six-monthly monitoring report.
- xiii. Adhere to 'Zero Liquid Discharge'. No effluent shall be discharged out of plant premises under any circumstances. Any liquid effluent what so ever generated shall not be discharged into the river or any surface water bodies under any circumstances, and it shall be reused wholly in the process / plantation within plant area.
- xiv. Gulland drains and collection pits shall be provided for each stock pile to arrest the run-off in the event of heavy rains and to check the water pollution due to surface run off.
- xv. The project proponent shall practice rainwater harvesting to maximum possible extent.

IV. Noise and vibration monitoring and prevention

- I. The peak particle velocity at 500m distance or within the nearest habitation, whichever is closer shall be monitored periodically as per applicable DGMS guidelines.
- II. The illumination and sound at night at project sites disturb the villages in respect of both human and animal population. Consequent sleeping disorders and stress may affect the health in the villages located close to mining operations. Habitations have a right for darkness and minimal noise levels at night. PPs must ensure that the biological clock of the Villages is not disturbed; by orienting the floodlights/ masks away from the villagers and keeping the noise levels well within the prescribed limits for day/night hours.
- III. The Project Proponent shall take measures for control of noise levels below 85 dBA in the work environment. The worker engaged in operations of HEMM etc should be provided with ear plugs /muffs. All personnel including laborers working in dusty areas shall be provided with protective respiratory devices along with adequate training, awareness and information on safety and health aspects. The PP shall be held responsible in case it has been found that workers/ personals/ laborers are working without personal protective equipment.
- IV. Noise level survey shall be carried as per the prescribed guidelines and report in this regard shall be submitted to Regional Officer of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur as a part of six-monthly compliance report.
- V. The ambient noise levels should conform to the standards prescribed under Environment (Protection) Rules, 1986 viz. 75 dB (A) during day time and 70 dB (A) during night time.

V. Mining plan

- I. The Project Proponent shall adhere to the working parameters of mining plan which was submitted at the time of EC appraisal wherein year-wise plan was mentioned for total excavation i.e. quantum of mineral, waste, overburden, interburden and top soil etc. No change in basic mining proposal like mining technology, total excavation, mineral & waste production, lease area and scope of working (viz. method of mining, overburden & dump management, O.B & dump mining, mineral transportation mode, ultimate depth of mining etc.) shall not be carried out without prior approval of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, which entail adverse environmental impacts, even if it is a part of approved mining plan modified after grant of EC or granted by State Govt. in the form to Short Term Permit (STP), Query license or any other name.
- II. The Project Proponent shall get the Final Mine Closure Plan along with Financial Assurance approved from Indian Bureau of Mines/Department of Mining & Geology as required under the Provision of the MMDR Act, 1957 and Rules/ Guidelines made there under. A copy of approved final mine closure plan shall be submitted within 2 months of the approval of the same from the competent authority to the concerned Regional Office of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for record and verification.
- III. The land-use of the mine lease area at various stages of mining scheme as well as at the end-of-life shall be governed as per the approved Mining Plan. The excavation vis-a-vis backfilling in the mine lease area and corresponding afforestation to be raised in the reclaimed area shall be governed as per approved mining plan. PP shall ensure the monitoring and management of

rehabilitated areas until the vegetation becomes self-sustaining. The compliance status shall be submitted half-yearly to the MoEFCC and its concerned Regional Office.

VI. Land reclamation

- i. The Overburden (O.B.) generated during the mining operations shall be stacked at earmarked OB dump site(s) only and it should not be kept active for a long period of time. The physical parameters of the OB dumps like height, width and angle of slope shall be governed as per the approved Mining Plan as per the guidelines/circulars issued by D.G.M.S w.r.t. safety in mining operations shall be strictly adhered to maintain the stability of top soil/OB dumps. The topsoil shall be used for land reclamation and plantation.
- ii. The reject/waste generated during the mining operations shall be stacked at earmarked waste dump site(s) only. The physical parameters of the waste dumps like height, width and angle of slope shall be governed as per the approved Mining Plan as per the guidelines/circulars issued by DGMS w.r.t. safety in mining operations shall be strictly adhered to maintain the stability of waste dumps.
- iii. The reclamation of waste dump sites shall be done in scientific manner as per the Approved Mining Plan cum Progressive Mine Closure Plan.
- iv. The slope of dumps shall be vegetated in scientific manner with suitable native species to maintain the slope stability, prevent erosion and surface run off. The selection of local species regulates local climatic parameters and help in adaptation of plant species to the microclimate. The gullies formed on slopes should be adequately taken care of as it impacts the overall stability of dumps. The dump mass should be consolidated with the help of dozer/ compactors thereby ensuring proper filling/ leveling of dump mass. In critical areas, use of geo textiles/ geo-membranes / clay liners / Bentonite etc. shall be undertaken for stabilization of the dump.
- v. The Project Proponent shall carry out slope stability study in case the dump height is more than 30 meters. The slope stability report shall be submitted to concerned regional office of MoEF&CC.
- vi. Catch drains/ settling tanks/ siltation ponds of appropriate size shall be constructed around the mine working, mineral yards and Top Soil/OB/Waste dumps to prevent run off of water and flow of sediments directly into the water bodies (Nallah/ River/ Pond etc.). The collected water should be utilized for watering the mine area, roads, green belt development, plantation etc. The drains/ sedimentation sumps etc. shall be de-silted regularly, particularly after monsoon season, and maintained properly.
- vii. Check dams of appropriate size, gradient and length shall be constructed around mine pit and OB dumps to prevent storm run-off and sediment flow into adjoining water bodies. A safety margin of 50% shall be kept for designing of sump structures over and above peak rainfall (based on 50 years data) and maximum discharge in the mine and its adjoining area which shall also help in providing adequate retention time period thereby allowing proper settling of sediments/ silt material. The sedimentation pits/ sumps shall be constructed at the corners of the gauntlet drains.
- viii. The top soil, if any, shall temporarily be stored at earmarked site(s) within the mine lease only and should not be kept unutilized for long. The physical parameters of the top soil dumps like height, width and angle of slope shall be governed as per the approved Mining Plan and as per the guidelines framed by DGMS w.r.t. safety in mining operations shall be strictly adhered to maintain the stability of dumps. The topsoil shall be used for land reclamation and plantation purpose.

VII. Transportation

- I. No Transportation of the minerals shall be allowed in case of roads passing through villages/habitations. In such cases, PP shall construct a 'bypass' road for the purpose of transportation of the minerals leaving an adequate gap (say at least 200 meters) so that the adverse impact of sound and dust along with chances of accidents could be mitigated. All costs resulting from widening and strengthening of existing public road network shall be borne by the PP in consultation with nodal State Govt. Department. Transportation of minerals through road movement in case of existing village/ rural roads shall be allowed in consultation with nodal State Govt. Department only after required strengthening such that the carrying capacity of roads is increased to handle the traffic load. The pollution due to transportation load on the environment will be effectively controlled and water sprinkling will also be done regularly. Vehicular emissions shall be kept under control and regularly monitored. Project should obtain Pollution Under Control (PUC) certificate for all the vehicles from authorized pollution testing centers.
- II. The Main haulage road within the mine lease should be provided with a permanent water sprinkling arrangement for dust suppression. Other roads within the mine lease should be wetted regularly with tanker-mounted water sprinkling system. The other areas of dust generation like crushing zone, material transfer points, material yards etc. should invariably be provided with dust suppression arrangements. The air pollution control equipments like bag filters, vacuum suction hoods, dry fogging system etc. shall be installed at Crushers, belt-conveyors and other areas prone to air pollution. The belt conveyor should be fully covered to avoid generation of dust while transportation. PP shall take necessary measures to avoid generation of fugitive dust emissions.

VIII. Green Belt

- I. The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole Green belt shall be developed Within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan.
- II. The Project Proponent shall carryout plantation/ afforestation in backfilled and reclaimed area of mining lease, around water body, along the roadsides, in community areas etc. by planting the native species in consultation with the State Forest Department / Agriculture Department / Rural development department / Tribal Welfare Department / Gram Panchayat such that only those species be selected which are of use to the local people. The CPCB guidelines in this respect shall also be adhered. The density of the trees should be around 2500 saplings per Hectare. Adequate budgetary provision shall be made for protection and care of trees.
- III. The Project Proponent shall make necessary alternative arrangements for livestock feed by developing grazing land with a view to compensate those areas which are coming within the mine lease. The development of such grazing land shall be done in consultation with the State Government. In this regard, Project Proponent should essentially implement the directions of the Hon'ble Supreme Court with regard to acquisition of grazing land. The sparse trees on such grazing ground, which provide mid-day shelter from the

- scorching sun, should be scrupulously guarded/ protected against felling and plantation of such trees should be promoted.
- iv. The Project Proponent shall undertake all precautionary measures for conservation and protection of endangered flora and fauna and Schedule-I species during mining operation. A Wildlife Conservation Plan shall be prepared for the same clearly delineating action to be taken for conservation of flora and fauna. The Plan shall be approved by Chief Wild Life Warden of the State Govt. And implemented in consultation with the State Forest and Wildlife Department. A copy of Wildlife Conservation Plan and its implementation status (annual) shall be submitted to the Regional Office of the Ministry.

IX. Energy Conservation Measures

- I. Provide solar power generation on roof tops of buildings, for solar light system for all common areas, street lights, parking around project area and maintain the same regularly.
- II. The project proponent shall ensure use of LED lights in their offices and residential areas.

X. Waste Management

- I. The waste oil, grease and other hazardous waste shall be disposed of as per the Hazardous & Other waste (Management & Transboundary Movement) Rules, 2016.
- II. The project proponent shall utilize fly ash bricks / blocks etc. in all construction activities.
- III. Kitchen waste (if any) shall be composted or converted to biogas for further use.

XI. Public Hearing and Human Health Issues

- I. The Project Proponent shall appoint an Occupational Health Specialist for Regular as well as Periodical medical examination of the workers engaged in the mining activities, as per the DGMS guidelines. The records shall be maintained properly. PP shall also carryout Occupational Health check-ups in respect of workers which are having ailments like BP, diabetes, habitual smoking, etc. The check-ups shall be undertaken once in six months and necessary remedial/ preventive measures be taken. A status report on the same may be sent to MoEFCC Regional Office and DGMS on half-yearly basis.
- II. The Project Proponent must demonstrate commitment to work towards 'Zero Harm' from their mining activities and carry out Health Risk Assessment (HRA) for identification workplace hazards and assess their potential risks to health and determine appropriate control measures to protect the health and wellbeing of workers and nearby community. The proponent shall maintain accurate and systematic records of the HRA. The HRA for neighborhood has to focus on Public Health Problems like Malaria, Tuberculosis, HIV, Anaemia, Diarrhoea in children under five, respiratory infections due to bio mass cooking. The proponent shall also create awareness and educate the nearby community and workers for Sanitation, Personal Hygiene, Hand washing, not to defecate in open, Women Health and Hygiene (Providing Sanitary Napkins), hazard of tobacco and alcohol use. The Proponent shall carryout base line HRA for all the category of workers and thereafter every five years.

- ii. The Proponent shall carry out Occupational health surveillance which be a part of HRA and include Biological Monitoring where practical and feasible, and the tests and investigations relevant to the exposure (e.g. for Dust in X-Ray chest; For Noise Audiometric; for Lead Exposure Blood Lead, For Welders Full Ophthalmologic Assessment; for Manganese Miners a complete Neurological Assessment by a Certified Neurologist, and Manganese (Mn) Estimation in Blood; For Inorganic Chromium- Fortnightly skin inspection of hands and forearms by a responsible person. Except routine tests all tests would be carried out in a Lab accredited by NABL. Records of Health Surveillance must be kept for 30 years, including the results of and the records of Physical examination and tests. The record of exposure due to materials like Asbestos, Hard Rock Mining, Silica, Gold, Kaolin, Aluminium, Iron, Manganese, Chromium, Lead, Uranium need to be handed over to the Mining Department of the State in case the life of the mine is less than 30 years. It would be obligatory for the State Mines Departments to make arrangements for the safe and secure storage of the records including X-Ray. Only conventional X-Ray will be accepted for record purposes and not the digital one). X-Ray must meet ILO criteria (17 x14 inches and of good quality).
- iv. The Proponent shall maintained a record of performance indicators for workers which includes (a) there should not be a significant decline in their Body Mass Index and it should stay between 18.5 -24.9, (b) the Final Chest X-Ray compared with the base line X-Ray should not show any capacities, (c) At the end of their leaving job there should be no Diminution in their Lung Functions Forced Expiratory Volume in one second (FEV1), Forced Vital Capacity (FVC), and the ratio unless they are smokers which has to be adjusted, and the effect of age, (d) their hearing should not be affected. As a proof an Audiogram (first and last need to be presented), (e) they should not have developed any Persistent Back Pain, Neck Pain, and the movement of their Hip, Knees and other joints should have normal range of movement, (f) they should not have suffered loss of any body part. The record of the same should be submitted to the Regional Office, MoEFCC annually along with details of the relief and compensation paid to workers having above indications.
- v. The Project Proponent shall ensure that Personnel working in dusty areas should wear protective respiratory devices and they should also be provided with adequate training and information on safety and health aspects.
- vi. Project Proponent shall make provision for the housing for workers/labors or shall construct labor camps within/outside (company owned land) with necessary basic infrastructure/ facilities like fuel for cooking, mobile toilets, mobile STP, safe drinking water, medical health care, creche for kids etc. The housing may be provided in the form of temporary structures which can be removed after the completion of the project related infrastructure. The domestic waste water should be treated with STP in order to avoid contamination of underground water.
- vii. The activities proposed in Action plan prepared for addressing the issues raised during the Public Hearing shall be completed as per the budgetary provisions mentioned in the Action Plan and within the stipulated time frame. The Status Report on implementation of Action Plan shall be submitted to the concerned Regional Office of the Ministry along with District Administration.

XII. Corporate Environment Responsibility

- i. The project proponent shall comply with the provisions of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi regarding Corporate Environment Responsibility.

- ii. Project proponent shall ensure to developed the ECO park with in the 10km radius of the project site under Corporate Environmental Responsibility and submit a half yearly status report to SEIAA/SEAC.
- iii. The Project proponent shall complete the Corporate Environmental Responsibility activity within 02 years.
- iv. The company shall have a well laid down environmental policy duly approve by the Board of Directors. The environmental policy should prescribe for standard operating procedures to have proper checks and balances and to bring into focus any infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions. The company shall have defined system of reporting infringements / deviation / violation of the environmental / forest / wildlife norms / conditions and / shareholders / stake holders. The copy of the board resolution in this regard shall be submitted to the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi / SEIAA, Chhattisgarh as a part of six-monthly report.
- v. Project proponent shall form a tripartite committee (Mine owner, Representative of District administration/CECB and Member of Gram panchayat) which will monitor the compliance of Green Belt within the premises, Corporate Environmental Responsibility activities and CEMP activities.
- vi. A separate Environmental Cell both at the project and company head quarter level, with qualified personnel shall be set up under the control of Senior Executive, who will directly to the head of the organization.
- vii. Action plan for implementing EMP and environmental conditions along with responsibility matrix of the company shall be prepared and shall be duly approved by competent authority. The year wise funds earmarked for environmental protection measures shall be kept in separate account and not to be diverted for any other purpose. Year wise progress of implementation of action plan shall be reported to the Regional Office, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur / SEIAA, Chhattisgarh along with the Six Monthly Compliance Report.
- viii. Self environmental audit shall be conducted annually. Every three years third party environmental audit shall be carried out.
- ix. All the recommendations made in the Charter on Corporate Responsibility for Environment Protection (CREP) for the plants (if any) shall be implemented.

XIII. Miscellaneous

- i. The Project Proponent shall prepare digital map (land use & land cover) of the entire lease area once in five years purpose of monitoring land use pattern and submit a report to concerned Regional Office of the MoEF&CC.
- ii. The Project Authorities should inform to the Regional Office regarding date of financial closures and final approval of the project by the concerned authorities and the date of start of land development work.
- iii. Local persons shall be given employment during mining, development and operation of the site.
- iv. The project proponent shall make public the environmental clearance granted for their project along with the environmental conditions and safeguards at their cost by prominently advertising it at least in two local newspapers of the District or State, of which one shall be in the vernacular language within seven days and in addition , this shall also be displayed in the project proponent's website permanently.
- v. The copies of the environmental clearance shall be submitted by the project proponents to the Heads of Local Bodies, Panchayats and Municipal Bodies

- In addition to the relevant offices of the Government who in turn has to display the same for 30 days from the date of receipt.
- vi. The project proponent shall upload the status of compliance of the stipulated environment clearance conditions, including results of monitored data on their website and update the same on half-yearly basis.
 - vii. The project proponent shall monitor the criteria pollutants level namely; PM_{2.5}, SO₂, NO_x (ambient levels as well as stack emissions) of critical sectoral parameters (if any), indicated for the projects and display the same at a convenient location for disclosure to the public and put on the website of the company.
 - viii. The project proponent shall submit six-monthly reports on the status of the compliance of the stipulated environmental conditions on the website of the ministry of Environment, Forest and Climate Change at environment clearance portal.
 - ix. The project proponent shall submit the environmental statement for each financial year in Form-V to Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) as prescribed under the Environment (Protection) Rules, 1986, as amended subsequently and put on the website of the company. The project proponent shall inform the Regional Office, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur as well as SEIAA, Chhattisgarh the date of financial closure and final approval of the project by the concerned authorities, commencing the land development work and start of production operation by the project.
 - x. The project authorities must strictly adhere to the stipulations made by the Chhattisgarh Environment Conservation Board (CECB) and the State Government.
 - xi. The project proponent shall abide by all the commitments and recommendations made in the EIA / EMP report and also that during their presentation to the State Expert Appraisal Committee.
 - xii. No further expansion or modifications in the plant shall be carried out without prior approval of the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, New Delhi / SEIAA, Chhattisgarh.
 - xiii. Concealing factual data or submission of false / fabricated data may result in revocation of the environmental clearance and attract action under the provisions of Environment (Protection) Act, 1986.
 - xiv. SEIAA, Chhattisgarh may revoke or suspend the clearance, if implementation of any of the above conditions is not satisfactory.
 - xv. SEIAA, Chhattisgarh reserves the right to stipulate additional conditions if found necessary. The Company in a time bound manner shall implement these conditions.
 - xvi. The Regional Office Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Nagpur shall monitor compliance of the stipulated conditions. The project authorities should extend full cooperation to the officer(s) of the Regional Office by furnishing the requisite data / information / monitoring reports.
 - xvii. The above conditions shall be enforced, inter-alia under the provisions of the Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974, the Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981, the Environment (Protection) Act, 1986, Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016 and the Public Liability Insurance Act, 1991 along with their amendments and Rules and any other orders passed by the Hon'ble Supreme Court of India / High Courts and any other Court of Law relating to the subject matter.

- xvii. Any appeal against this EC shall lie with the National Green Tribunal, if preferred, within a period of 30 days as prescribed under Section 16 of the National Green Tribunal Act, 2010.
- xix. Environment clearance will be valid as per the provision of EIA Notification, 2006 (as Amended).


Member Secretary, SEAC


Chairman, SEAC

वेतारी शिक्षानिया हूटराइजेस (रोहावी लाईन स्टोर बाईन, पार्टनर की रोहित शिक्षानिया) को उत्तरार्द्ध दिनांक 478/1, 478/2, 478/3, 478/4, 478/5, 478/6, 478/7, 478/11, 478/12, 478/13, 478/14, 478/15, 478/16, 478/17, 478/18, 478/20, 478/21, 478/22 एवं 478/23, बूल लैज कोड 3.652 हैपटेयर, प्राप्त—रोहावी, ताहबील—पलाई, जिला—बलौदाबाजार—भाटापारा में युवा पत्रकर (ग्रीष्म अवधि) उत्तरानन्—1,50,123 टन प्रतिवर्ष हैं यहां वर्षनीय स्थीकृति में ही जाने वाली जाती

यह पर्यावरणीय स्थीकृति निम्नलिखित जाती की अवीन दी जा रही है। अतः इन जाती को बहुत ध्यान से यहां जावें तथा कम्हई से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय स्थीकृति अधिकारम उत्तरानन सोनफल (लीज कोड) 3.652 हैपटेयर उच्चांश छत्तीसगढ़ जातान, अनिय जातान विभाग द्वारा स्थीकृत लैज कोड (दोनों में ही यही कम हो) हैं या भाष्य होगा। इसी प्रकार खदान से युवा पत्रकर का अधिकारम उत्तरानन 1,50,123 टन प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा। लीज कोड वर्गीकृति जाती नीचाकर कम्हई पक्के गुनारे लगाया जाए।
2. पर्यावरणीय स्थीकृति की वित्ती भारत सरकार की पर्यावरण, डन और भालवायु परिवर्तन, भूतात्त्व द्वारा जाती हैलाईए, नोटिफिसीशन, 2006 (वित्ती संशोधन) के प्रावधानी के तहत होती है।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज कोड के युवा प्रवेश द्वार पर सूचना पटल (लीज आरक का नाम, खदान का सेन्जफल, अक्षांश एवं वेशांतर सहित, उत्तरानन की जाता, स्थीकृति अवधि) लगाया जाए।
4. कलस्टर हैं युवा प्रस्तुत कीमिन इन्वाकरोमेटल मैनेजमेंट आन के अनुसार वृक्षारोपण एवं वर्षितान सदृशी एवं खदान से परियोजना कम्हई ताक पहुंच मानों के संधारण का कार्य 6 माह में पूरी किया जाए।
5. पूरी ने जाती पर्यावरणीय स्थीकृति की जाती के पालन में अपूर्ण पालन किये गये जाती का कलईयूर्म प्रतिकेवन प्राप्त कर अर्थात् रिकोर्ट में समाहित करने हुये प्रस्तुत किया जाए।
6. नाननीय एन.जी.टी. की आदेत दिनांक 26/02/2021 के अनुसार पटटेलर द्वारा नामित वित्ती द्वान एवं पर्यावरणीय स्थीकृति के जाती का पालन संगीरित कराये जाने हैं युवा परियोजना प्रस्तावक वी पर्यावरण विशेषज्ञ नियुक्त करना है।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खदान से उत्पन्न जल एवं घरेलू दृष्टित जल (यदि कोई हो), के उपचार की उपचित एवं पर्याप्त व्यवस्था की जाए।
8. औद्योगिक प्रक्रिया एवं खदान से उत्पन्न किसी भी प्रकार से दूषित जल को किसी नहीं अथवा सतही जल स्रोतों में किसी भी पर्यावरणी में निरसावित नहीं किया जाए। अपितु इसे प्रक्रिया में अथवा वृक्षारोपण हैं युवा प्रस्तुत किया जाए। घरेलू दृष्टित जल के उपचार के लिए सोलिट टैक एवं सौकार्पीट की व्यवस्था की जाए। एवं जल को किसी नहीं अथवा सतही जल स्रोतों में किसी भी पर्यावरणी में निरसावित नहीं किया जाए। दृष्टित जल एवं कार्बनट्रायु का जल आपस में न मिलने देने हैं युवा भी व्यवस्था की जाए। उपचारित दृष्टित जल की गुणवत्ता भारत सरकार, पर्यावरण, डन और जलवायु परिवर्तन, भूतात्त्व नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित गानक अथवा

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा अधिसूचित मानक (जो भी कठोर हो) के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

9. खनि पट्टा खाल करने संबंधित कठोर करने के उपरान्त (after ceasing mining operations) खनन क्षेत्र तथा जिसी भी छन्द क्षेत्र जो कि उनकी खनन गतिविधियों के कारण प्रभावित (disturbed due to their mining activities) होते हैं, उनकी री-ग्रासिंग (re-grassing) भी जाएगी एवं भूमि का पुनर्व्यवस्थापन हेतु नियति तक किया जाएगा, जिससे यह खाल, बनसपातियों, जीवों आदि के स्थापित हेतु उपयुक्त हो। परियोजना प्रस्तावक द्वारा संख्या प्राप्तिकारी से अनुगोदित मार्फत बलीजर प्राप्त एक माह के भीतर प्रकृत जिया जाए।
10. भू-खल के उपर्योग हेतु केंद्रीय भू-खल बोर्ड से उत्खनन आरंभ करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए। साथ ही छन्द स्कोर से जल का उपयोग किये जाने की नियति में संबंधित जिम्मा से उत्खनन आरंभ करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए।
11. किसी जिम्मे / बट / पाइट स्रोत से पार्टिकुलेट मेटल उत्पादन की मात्रा 50 मिलीमीटर / सामान्य घनीटर से कम सुनिश्चित किया जाए। इसका स्कीम ट्रांसफर पाइटर (यदि कोई हो) में बायु प्रदूषक नियंत्रण हेतु इस्ट एक्सट्रैक्शन शिल्टम के साथ उच्च दबाता का बैग फिल्टर स्थापित किया जाए। जिम्मेज उत्खनन गतिविधियों के जिम्मेन स्रोतों से उत्पादन प्रयोजितिव इस्ट उत्पादन का नियंत्रण प्रभावी एवं नियमित कृप से किया जाए। पहुंच भारी, ऐच संशोधन क्षेत्र, गशाई एवं अन्य बहुत उत्पादन विन्दुओं डर्ट कॉटनेट कम संशोधन शिल्टम एवं जल डिफेन्स की ज्यवस्त्या की जाकर इसका संतुल उत्खनन / संभारन सुनिश्चित किया जाए। जिम्मेज ब्रेकिंग योस वा नियांप सुनिश्चित किया जाए।
12. बहुनो, खनन एवं अन्य प्रक्रिया तो उत्पादन वायु प्रदूषण को पर्यावरण संख्या अधिनियम, 1986 एवं वायु (प्रदूषण नियंत्रण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1981 के तहत जिम्मेदार मानकों के अनुसार रखा जाएगा। उत्खनन क्षेत्र में परिवेशीय कानून की नुस्खावला भारत सरकार के प्रबोधन, उन और जल वायु परिवर्तन संचालन, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित मानकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खदान के बारे सरक फॉसिंग का कार्य किये जाने के उपरान्त ही उत्खनन कार्य प्रारंभ किया जाए।
14. लीज क्षेत्र के चारों तरफ छोड़ी गई 7.5 मीटर की ऊँची पट्टी में कोई केस्ट का कृप / भग्नावण नहीं किया जाए तथा इस फट्टी में गृहारोपण किया जाए। ऐसा करना नहीं जाए जाने पर पर्यावरणीय क्षतिकृति किसी भी सामग्र उत्खाल प्रभाव से निरसा की जा सकती।
15. उत्खनन प्रक्रिया के दीर्घन तहाई गई ऊपरी मिट्टी (टीप सॉइल) का सुपरोग उत्खनन हेतु उपयोग में न आने वाली भूमि के पुनर्ज्ञान हेतु जायका जानी और कठोर कठोर की जिम्मेज (स्टेपिलाईज) करने में किया जाए।
16. ऊपरी मिट्टी को लीज क्षेत्र के बाहर प्रस्ताव अनुसार नियमित रखना पर नियमित कानूनसंकेत रखा जाए। मिट्टी का दुरुपासीग नियंत्रण एवं अन्य कार्यों में सुपरोग नहीं किया जाए। इस मिट्टी का उपयोग खदान के पुनर्ज्ञान के लिए किया जाए।
17. औरवर्कर्हेन एवं अनुपरोगी/विकी अपोग्य जिम्मेज (जिम्मेज नीक) को प्रकार से पूर्व से धिन्हीत रखत पर नियमित किया जाएगा। इस प्रकार के मण्डारन स्थलों को उपरित प्रकार से सुरक्षित रखे जाने ताकि भग्नारोपण पदार्थ आस-पास की भूमि पर विपरित प्रभाव न लाल रखें। इस की दृश्याई 3 मीटर तथा स्लोप 20 डिग्री से

अधिक न हो। सोबतरहें मुख्य का तापमान लीकरे हैंतु वैज्ञानिक तरीके से वृक्षारोपण किया जाए।

16. यही तक सीधे हो औबरबर्हें एवं अन्य अनुपयोगी/विकी अवयव स्थानिक ट्रिस्ट शीक) की स्थान की परवाह बने गढ़वाली में पुनर्जलज (विका फिलिंग) हैंतु उपर्योग किया जाए ताकि भूमि का मूल राष्ट्रीय अवधारणित वैज्ञानिक राष्ट्रीय सुनिश्चित किया जा सके।
17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा वह सुनिश्चित किया जाए कि स्थान प्रक्षिया से जापना शिल्प लौज सीधे के जल-पानी के सतही जल स्तरों में प्रवाहित न हो। इसे उन्हें हैंतु नदीन पीट द्वारा उपर्योग सीधे में रिटेनिंग बील / गारलेप्ड ड्रेन की जावन्ध की जाए।
18. खनिज का परिवहन पश्चात याहन से किया जाए, ताकि खनिज याहन से बाहर नहीं आए। खनिज का परिवहन कर रहे याहनों की शरण से अधिक नहीं यह यान सुनिश्चित किया जाए।
21. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हैंतु निम्नलिखित प्रस्ताव वर कार्य पर्यावरण प्रबन्धन योजना के अंतर्गत किया जाए:-

Capital Investment (in Lakh Rupees)	Percentage of Capital Investment to be Spent	Amount for CER Activities (in Lakh Rupees)	Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees)	
			Particulars	CER Fund Allocation (in Lakh Rupees)
71.54	2%	1.43	Following activities at, Village- Rohansi Plantation around village pond & maintenance for 5 year Total	1.50

22. सीईआर के तहत निम्नोंसे कार्यवाही 06 माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। सीईआर के एप्लीकेशन प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण प्रयोगात्मक संबंधित याम पंचायत से कार्यपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त उन अर्द्धवार्षिक रिपोर्ट में समाहित करने हुये प्रस्तुत किया जाए। सीईआर कार्य की शक्तिकालीन वृक्षारोपण करना आपका उल्लंघनावित्त होगा। कृष्णारोपण असफल होने पर पर्यावरण स्वीकृति निरसन की जावेगी।
23. सीईआर के अंतर्गत याम-नोहासी के तालाब के गारी ओर वृक्षारोपण हैंतु (आम, जागून, कटहल आदि) प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 71 नग दोहों के लिए ताकि 7,100 लक्षये, कोंसिंग के लिए राशि 10,650 लक्षये, खाद के लिए राशि 3,550 लक्षये, मिठाई तथा रस्य-रस्याय आदि के लिए ताकि 27,000 लक्षये, इस प्रकार प्रध्यम तर्जे में कुल राशि 48,300 लक्षये तथा खागामी 4 वर्षों में कुल राशि 1,02,200 लक्षये हैंतु पटकावार वर्ष का विवरण प्रस्तुत प्रस्ताव किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा दान पंचायत नोहासी के सहमति उपर्योग याकाशीय त्वान (जातक छनाक 843, दोजफल 3,804 हेक्टेयर) के नामकर में प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कार्य पूर्ण करें।
24. सीईआर एवं वृक्षारोपण कार्य के वैनिटरिंग एवं पर्यावरण हैंतु वि-व्यावधान नियमित (इंपराईटर/प्रतिविधि, याम पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन

या छत्तीसगढ़ पर्यावरण संवरण मण्डल के विभिन्नों/प्रतिविधि) बहित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सीईआर एवं बृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपर्युक्त गतित त्रि-पक्षीय समिति से सत्यापित कराया जाए।

25. जब भी विशेषज्ञ दस्त/जनिकारी निरीक्षण केरु स्थल पर आये, तब उन्होंने खाद्य/उत्सोग/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सीईआर के तहत आपकी हाथ लगाये जाये कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य काम से कमज़ोर आपकी विम्बेदारी होगी।
26. चलचलन हेतु निषिद्ध क्षेत्र (वारी तरफ 7.5 मीटर बीच क्षेत्र), होंस क्षेत्र, जौधरवर्षानुप्रवासी में स्थानीय प्रजाति के 1,338 नव बृक्षों का सघन बृक्षारोपण प्रवास वर्ष में किया जाए। उत्तित पट्टी का विकास तीनों प्रदूषण बोर्ड की नार्नीदर्शिता के अनुसार किया जाए।
27. प्राथमिकता के अन्तर पर स्थान प्रवास द्वारा वर्ष 2024-25 में कम से कम 200 नव प्रति हेक्टेयर लीज क्षेत्र के अनुसार बह, पीपल, नीम, करंज, सौन्‌मु, झाम, झामसी, झर्नुन, सीरस आदि अन्य स्थानीय प्रजातियों के 730 नव पौधों का रोपण (कुल 1,340 नव पौधों) स्थान के खुले क्षेत्र में किया जाए। रोपण की सुरक्षित रखने के लिये उपयुक्त एवं पर्याप्त व्यवस्था (यथा कॉटेदार तान के बाहु अवधा ट्री गार्ड का उपयोग) किया जाए। उथल उपलब्ध नहीं होने की दशा में सुरक्षित यान व्यापार स्थान प्रवास वर्ष में पूर्ण किया जाए एवं शेष 4 मध्यों तक रख-रखाव किया जाए। 6 पीट से 6 फीट ऊंचाई वाले पौधों का ही रोपण किया जाए। बृक्षारोपण नहीं करने पर जारी पर्यावरणीय स्वीकृति तत्काल निरस्ता की जा सकती है।
28. पीपिता विनो जाने वाले पौधों में संख्यांकन (Numbering) एवं पौधों के नाम का उल्लेख करते हुये जियोटेग (Geotag) कोटीशापत्र सहित जानकारी घलन प्रतिवेदन के साथ कर्त्तव्यालय में प्रस्तुत करें।
29. माझीनिम लीज क्षेत्र के अंदर एवं बाहर सघन बृक्षारोपण किये जाने एवं सोपित पौधों का सरकाईकल रेट (Survival rate) कम से कम 90 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही बृक्षारोपण का रख-रखाव आगामी 5 वर्ष तक सुनिश्चित करते हुये नूतन पौधों को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए। आपके द्वारा सोपित पौधों के बृक्षारोपण की वाफ़ल बनाना आपकी पूर्ण विम्बेदारी होगी।
30. किये गये बृक्षारोपण की पूर्वी हेतु डीजी पीएस (Differential Global Positioning System) जारी एवं कॉटेदारका अर्थवाचिक रिपोर्ट में जानकारी घलन प्रतिवेदन संख्यापण गणक से एमईआईएए-छत्तीसगढ़ को प्रेसित किया जाए।
31. परियोजना प्रस्तावक द्वारा 7.5 मीटर प्रतिविधि क्षेत्र में प्रस्तावित कार्य एवं सीईआर के तहत प्रस्तावित कार्य के कार्य करना नहीं यादी जाने पर पर्यावरणीय सीमांकुश को निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी।
32. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यानि प्रदूषण के नियन्त्रण हेतु आवश्यक उपाय किया जाए। इनी का इतर उल्लंघन क्षेत्र में दिन के समय 75 DB(A) एवं रात्रि के समय 70 DB(A) से अधिक नहीं होना चाहिए। तीव्र व्यवहार वाले लोगों ने काम करने वाले अभिकारी को इयरप्लाय/मफ आदि प्रदान किए जाएं एवं साथ-साथ पर विप्रियतालीय प्रौद्योगिक अवश्यकता अनुसार उनका उपचार भी कराया जाए।
33. चलचलन प्रक्रिया भू-जल स्तर के लिये असंतुष्ट प्रभाव में जी जाएगी एवं उल्लंघन प्रक्रिया भू-जल स्तर के जीचे किसी भी वर्तमानिति में नहीं किया जाए। भू-जल स्तर जो जीते न पहुंचे, इसका सामुदायिक व्याप रखा जाए।

34. उत्तराखण्ड की विकास इस प्रकार सुनिश्चित हो की जाए कि बनात्मकियों एवं जीव-जननुओं पर कोई दुष्प्रभाव न हो। कोर्ट ने पार्य याने काले प्राकृतिक बनात्मकियों एवं जीव-जननुओं का सम्बोधन संचालन आपका दर्शकित होगा।
35. परियोजना प्रस्तावक द्वारा गौण खण्डित का सुलझान छल्लीसगढ़ गौण खण्डित विषय 2015 के प्राकाशनी, जननुओंद्वारा उत्तराखण्ड योजना एवं पर्यावरणीय प्रकाशन योजना के अनुसार किया जाए। महाईन एफट 1952 के प्राकाशनी का पालन किया जाए।
36. कार्य संबंध पर यदि कैमिंग भवित्व कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसे भवित्वों के आवास एवं सूखा हेतु उत्तर व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। अवासीय व्यवस्था अव्याधी संरक्षणों को क्षय में ही सही है, जिसे परियोजना पूरी होने के बाबात् छुटाया जा सके।
37. भवित्वों के लिए सहन बदल पर क्षयक्षु प्रयोजन विकितात्मीय सुविधा, गैरिफ्ट टायरेट आदि वी व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा भी जाए।
38. भवित्वों का सम्ब-सम्ब पर ज्ञानपूर्णतात हेतु संवितेस करने का आवश्यक है।
39. सुलझान की तकनीक, कार्य कोर एवं अनुगोदित सुलझान योजना के अनुसार वर्तिक योजना, जिसमें सुलझान, खण्डित की माझ एवं अपरिषट् सहितित है, में किसी भी प्रकार का परिवर्तन एसईआईएए, छल्लीसगढ़ / पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मेंबालय, भारत सरकार की पूर्व अनुमति के दिन नहीं किया जाए।
40. इस पर्यावरणीय स्थीरता को जारी रखने का आशय जिसी प्रवित्रगत अवधा तथा सम्पत्ति पर अधिकार दर्शाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्थीरता किसी नियमी सम्परित को मुख्यसम पहुँचने अथवा विवितगत अधिकारों के अधिकार संघर्ष कोन्ट राज्य एवं स्थानीय कानूनों / विधियों के सहसंधन हेतु अविकृत करता है।
41. एसईआईएए, छल्लीसगढ़ पर्यावरण संचालन की टॉप से, परियोजना की राजेश्वा में परिवर्तन अथवा विनियोदित शर्तों के संतोषप्रद क्षय से पालन न करने की दशा में किसी भी शर्त में संशोधन / नियन्त्रण करने अवधा नहीं जोड़ने अथवा उत्सर्वन / नियन्त्रण की मानवी को और संचाल करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
42. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 2 स्थानीय समाजाद पत्रों में, जो कि परियोजना कोर के आस-पास व्यापक क्षय से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त होने के 7 दिनों के भीतर इस आशय की सूचना प्रसारित करेगा कि परियोजना को पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त ही नहीं है एवं पर्यावरणीय स्थीरता पत्र की प्रतियो स्थिरप्राप्त, छल्लीसगढ़ पर्यावरण संचालन मध्यात् रायपुर एसईआईएए, छल्लीसगढ़ एवं एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा सायपुर अटल नवर को प्रेषित किया जाए।
43. पर्यावरणीय स्थीरता में दो गई शर्तों को पालन हेतु की गई कार्यालय की अपेक्षित रिपोर्ट छल्लीसगढ़ पर्यावरण संचालन अटल नवर, क्षेत्रीय कार्यालय, छल्लीसगढ़ पर्यावरण संचालन मध्यात् रायपुर एसईआईएए, छल्लीसगढ़ एवं एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा सायपुर अटल नवर को प्रेषित किया जाए।
44. एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा पर्यावरणीय स्थीरता में प्रदत्त शर्तों के पालन की मानिटरिंग की जाएगी। इस हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा सम्ब-सम्ब पर प्रस्तुत जिए गए दस्तावेजों एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर को प्रेषित किया जाए।

45. एसईआईए. छत्तीसगढ़, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार / एपीकूटा क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, सायपुर / कोन्वीरा प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड / छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचालन मण्डल के तेजानिको / अधिकारियों को शही के अनुपालन के संबंध में को जाने पाती भौमिकाएँ हैं। पूर्ण राष्ट्रीय प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विभिन्न शही का अनुपालन करने वाली पांच जगते पर वर्तीवर्धी रौप्यकृति निरसा की जा सकती है।
46. परियोजना प्रस्तावक छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचालन मण्डल एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई शही का अनिवार्य काप से बालन करेगा। ये शही जल (प्रदूषण निवारण तथा विश्चरण) अभियान, 1974 वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण) अभियान, 1981, पर्यावरण (संरक्षण) अभियान, 1986 तथा इनके बहुत बढ़ावे गये नियमों, परिसंकटनाव और अन्य अपरिषट (प्रबंध एवं सीधापार संचालन) नियम, 2016 तथा लोक दायित्व थीमा अभियान, 1991 (क्षेत्र राशीवित) के अधीन विभिन्न बीज जासकती है।
47. प्रस्तावित परियोजना के बारे में एसईआईए. छत्तीसगढ़ में प्रस्तुत विवरण में कोई भी विचलन अवश्य परिवर्तन होने की दरवा ने एसईआईए. छत्तीसगढ़ को पूर्ण नक्षीकृत जानकारी सहित सूचित किया जाए, ताकि एसईआईए. छत्तीसगढ़ इस पर विचार कर शही की उपयुक्तता अवश्य नवीन शही निर्दिष्ट करने वाले विषेश हो सके। खदान में कोई भी विचलन अवश्य उन्नत्यन एसईआईए. छत्तीसगढ़ / पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्ण अनुमति की जिन्हा नहीं किया जाए।
48. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संचालन मण्डल वर्तीवर्धी रौप्यकृति की प्रति को उनके क्षेत्रीय कार्यालय, जिला-व्यापार एवं उद्योग केन्द्र लाई क्लेक्टर/दाहसीलदार कार्यालय में 30 दिवस की अवधि के लिए प्रदर्शित करेंगा।
49. पर्यावरणीय रौप्यकृति के विलद्द जैविक नेशनल फीन ट्रीड्यूटल के रमाय, नेशनल फीन ट्रीड्यूटल एवं 2010 की आम 10 में दिए गए द्राविड़ों अनुसार, 30 दिन की रामय अवधि में द्वीप ज्ञा लकेगी।


सदस्य सचिव, एसईआईए.


अध्यक्ष, एसईआईए.